धनबाद
शनिवार 16.05.2026
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-83 पृष्ठ- 12
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष-15
संवत 2083

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

# बिहार ऑब्जर्वर

## ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक में बनी व्यापक सहमति
## वैश्विक सुधारों पर सदस्य देशों ने दिखाई एकजुटता

**नई दिल्ली (ईएमएस):** ब्रिक्स देशों की विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद विदेश मंत्रालय ने बड़ा बयान जारी करते हुए कहा है कि साझेदारी के लगभग सभी प्रमुख मुद्दों पर सदस्य देशों के बीच व्यापक सहमति बनी है। भारत ने बैठक के नतीजों को बेहद सकारात्मक बताते हुए कहा कि यह आगामी शिखर सम्मेलन की तैयारी के लिए मजबूत आधार तैयार करेगा।

नई दिल्ली में आयोजित विशेष संवाददाता वार्ता के दौरान विदेश मंत्रालय में आर्थिक संबंध सचिव सुधाकर दलेला ने कहा कि अध्यक्ष देश के रूप में भारत की जिम्मेदारी सदस्य देशों के बीच संवाद को आगे बढ़ाना था और इस दिशा में उल्लेखनीय सफलता मिली है। उन्होंने बताया कि बैठक के बाद जारी परिणाम दस्तावेज में कुल ६३ अनुच्छेद शामिल हैं, जो साझा दृष्टिकोण को दर्शाते हैं।

दलेला ने कहा कि वैश्विक आर्थिक प्रशासन में सुधार, कृषि, स्वास्थ्य, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार, आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख, जलवायु परिवर्तन और मानव केंद्रित कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे मुद्दों पर सदस्य देशों ने समान सोच दिखाई है।

उन्होंने यह भी बताया कि वर्ष के दूसरे हिस्से में होने वाले शिखर सम्मेलन से पहले २० से अधिक विषय आधारित मंत्रीस्तरीय बैठकें आयोजित की जाएंगी, जिनके निष्कर्ष अंतिम शिखर सम्मेलन की दिशा तय करेंगे।

भारत का मानना है कि मौजूदा वैश्विक चुनौतियों के बीच ब्रिक्स देशों की यह एकजुटता बहुपक्षीय सहयोग को नई मजबूती देगी। विशेषज्ञों का कहना है कि आर्थिक और सामरिक संतुलन की बदलती दुनिया में यह सहमति आने वाले समय में वैश्विक नीतियों को प्रभावित कर सकती है।

## हवाई किराए में मनमानी पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, केंद्र सरकार से मांगा जवाब

**नई दिल्ली (ईएमएस):** हवाई टिकटों की मनमानी और अत्यधिक कीमतों पर गंभीर चिंता जताकर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को यात्रियों पर बढ़ते बोझ को कम करने के लिए उपाय खोजने का आदेश दिया है।

जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने एक ही दिन एक ही रूट पर किराए में भारी असमानता पर सवाल उठाया, जहां एक एयरलाइन इकोनॉमी सीट के लिए ८,००० रुपये वसूल रही है, वहीं दूसरी १८,००० रुपये तक मांग रही है। शीर्ष अदालत ने कहा कि कुछ तर्कसंगतता होनी चाहिए क्योंकि सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ को सूचित किया कि २०२४ में पारित नया विमानन कानून अब लागू हो गया है और इसके नियमों पर अभी भी विचार-विमर्श चल रहा है।

## पीएम मोदी पांच देशों की यात्रा पर रवाना
### यात्रा का उद्देश्य उथल-पुथल के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना

**नई दिल्ली (ईएमएस):** पीएम मोदी शुक्रवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली की छह दिवसीय यात्रा पर रवाना हुए। इस यात्रा का उद्देश्य मौजूदा भू-राजनीतिक उथल-पुथल के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना है। ऊर्जा प्रवाह की सुरक्षा सुनिश्चित करना, पश्चिम एशिया संकट से उत्पन्न व्यापार व्यवधानों को कम करना और अहम प्रौद्योगिकियों में सहयोग बढ़ाना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया पर बताया कि अगले छह दिनों में पीएम मोदी भारत की वैश्विक साझेदारियों को मजबूत करने के उद्देश्य से कई विविध विषयों पर विश्व के कई नेताओं से बातचीत करेंगे। प्रधानमंत्री पहले यूएई जाएंगे जहां वह राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ भारत-यूएई व्यापक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने और पश्चिम एशिया संघर्ष पर विचारों का आदान-प्रदान करने पर केंद्रित व्यापक वार्ता करेंगे। पीएम मोदी यूरोप यात्रा पर रवाना होने से पहले खाड़ी देश में करीब चार घंटे बिताएंगे।

पीएम मोदी-अल नाहयान के बीच हुई वार्ता के बाद, भारत और यूएई के बीच दो अहम समझौतों को अंतिम रूप देने की उम्मीद है। इन समझौतों का एलपीजी और रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार के क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ाना है। पीएम मोदी और राष्ट्रपति अल नाहयान के बीच द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ावा देने पर भी विचार-विमर्श कर सकते हैं।

## ममता मेरी सबसे बड़ी दुश्मन: न्याय नहीं मिलने तक बालों में कंघी नहीं करूंगी
### पीड़िता की मां और नव-निर्वाचित विधायक रत्ना ने कहा

**कोलकाता (ईएमएस):** आरजी कर मेडिकल कॉलेज की रेप पीड़िता की मां और अब नव-निर्वाचित विधायक रत्ना देबनाथ ने पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को अपना सबसे बड़ा दुश्मन बताया है। उन्होंने अपनी बेटी को न्याय मिलने तक बालों में कंघी न करने की कसम खाई है, जो अभी अधूरी है। विधानसभा में शपथ लेने के बाद, उन्होंने न्याय की अपनी जंग और तेज कर फिर कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

बता दें देबनाथ ने बीते विधानसभा चुनाव से पहले ९ अप्रैल को कसम खाई थी। उन्होंने सीधे तौर पर ममता बनर्जी को दोषी बताकर कहा था कि चूंकि ममता स्वास्थ्य मंत्री थीं और उनकी बेटी स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत थी, इसलिए उन्होंने बेटी को क्यों नहीं बचाया। उन्होंने कहा था कि वह तब तक अपने बालों में कंघी नहीं करेंगी जब तक उनकी बेटी को न्याय नहीं मिलता। पनीहाटी सीट से तृणमूल कांग्रेस प्रत्याशी को २८ हजार से अधिक मतों के भारी अंतर से हराकर विधायक बनीं देबनाथ ने कहा कि उनकी बेटी इस पूरी जंग में उनके साथ है।

## केंद्रीय मंत्रिपरिषद की बैठक 21 मई को, पीएम मोदी करेंगे अध्यक्षता

**नई दिल्ली (ईएमएस):** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिपरिषद की बैठक २१ मई को होने की संभावना है। बैठक में सभी केंद्रीय मंत्री, स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री और अन्य केंद्रीय राज्य मंत्रियों के शामिल होने की उम्मीद है।

सूत्रों के अनुसार बैठक में विभिन्न सरकारी योजनाओं, कार्यक्रमों और मंत्रालयों के कामकाज की समीक्षा की जाएगी। इसके अलावा मोदी ३.० सरकार के दो वर्ष पूरे होने से पहले संभावित कैबिनेट विस्तार और फेरबदल को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं। बताया जा रहा है कि कैबिनेट विस्तार जून के दूसरे सप्ताह में हो सकता है। मोदी सरकार ने १० जून २०२४ को शपथ ली थी और अब सरकार अपने दो वर्ष पूरे करने जा रही है।

## फर्जी डिग्री वाले वकीलों पर सर्वोच्च न्यायालय सख्त
### मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने जताई गहरी चिंता

**नई दिल्ली (ईएमएस):** सर्वोच्च न्यायालय ने फर्जी डिग्री के सहारे वकालत कर रहे लोगों को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है। नई दिल्ली में हुई सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने साफ शब्दों में कहा कि काला कोट पहनकर न्याय व्यवस्था का हिस्सा बनने वाले कई लोगों की शैक्षणिक योग्यता संदेह के घेरे में है और जरूरत पड़ने पर मामले की जांच केंद्रीय एजेंसी से कराई जा सकती है।

सुनवाई के दौरान न्यायालय ने कहा कि वकालत केवल पेशा नहीं, बल्कि न्याय व्यवस्था की रीढ़ है और इसमें किसी भी तरह की फर्जीवाड़े की कोई जगह नहीं हो सकती। मुख्य न्यायाधीश ने टिप्पणी करते हुए कहा कि हजारों ऐसे मामलों की शिकायतें सामने आती रही हैं, जहां कानून की पढ़ाई से जुड़े प्रमाणपत्रों की सत्यता पर सवाल उठे हैं। न्यायालय ने सुनवाई के दौरान वकीलों के सार्वजनिक व्यवहार और सामाजिक माध्यमों पर इस्तेमाल की जाने वाली भाषा पर भी कड़ी आपत्ति जताई। अदालत ने कहा कि न्याय व्यवस्था से जुड़े लोगों को मर्यादा, अनुशासन और जिम्मेदारी का उदाहरण बनना चाहिए।

मामले की सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता का दर्जा पाने की मांग से जुड़ी याचिका पर भी न्यायालय ने सख्त टिप्पणी की और कहा कि सम्मान पद से पहले आचरण और पेशेवर जिम्मेदारी जरूरी है।

# संपादकीय

## प्रवेश परीक्षाओं में बार-बार गड़बड़ियां चिंताजनक

देश भर में हर साल लाखों विद्यार्थी इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रवेश परीक्षा के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। मगर उनकी उम्मीदें तब धुंधली पड़ जाती हैं, जब परीक्षा में अनियमितता की बातें सामने आती हैं या फिर पर्चाफोड़ की वजह से परीक्षा को रद्द कर दिया जाता है। इस बार भी मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट-यूजी-2026' में पर्चाफोड़ के गंभीर आरोप लगे हैं, जिस कारण राष्ट्रीय परीक्षा एजंसी (एनटीए) ने तीन मई को आयोजित परीक्षा को रद्द कर दिया है। साथ ही इस मामले की जांच सीबीआइ को सौंप दी गई है।

सवाल है कि इस तरह की प्रवेश परीक्षाओं में बार-बार गड़बड़ियों के मामले सामने क्यों आ रहे हैं? एनटीए का दावा है कि प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर उसे संबंधित परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने में पूरी गोपनीयता बरती जाती है और जरूरी सुरक्षा मानदंडों का भी कड़ाई से पालन किया जाता है, फिर क्या वजह है कि परीक्षा से पहले ही प्रश्नपत्र चुनिंदा विद्यार्थियों तक पहुंच जाता है! आखिर एनटीए और जांच एजंसियां उस सिरे को क्यों नहीं ढूंढ पा रही हैं, जिसकी वजह से इस तरह की गड़बड़ियों का सिलसिला जारी है।

गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है, जब एनटीए की ओर से आयोजित की जाने वाली किसी प्रवेश परीक्षा में गड़बड़ी के गंभीर आरोप लगे हैं। पिछले कुछ वर्षों से इस तरह के कई मामले सामने आ चुके हैं। वर्ष 2024 में नीट की परीक्षा देने वाले कुछ अभ्यर्थियों ने शिकायत की थी कि उन्हें दूसरी भाषा के प्रश्नपत्र दिए गए।

इसके बाद एनटीए की ओर से क्षतिपूर्ति के तौर पर प्रभावित परीक्षार्थियों को दिए गए कृपांक को लेकर भी गंभीर सवाल उठे थे। इससे पहले वर्ष




2021 में भी कुछ छात्रों को गलत प्रश्नपत्र दिए जाने और कई केंद्रों पर परीक्षा में अनुचित साधनों के उपयोग की शिकायतों से विवाद हुआ था। सरकार ने वर्ष 2018 में एनटीए की स्थापना की थी। इसका उद्देश्य विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय स्तर की पात्रता परीक्षाएं आयोजित करना है, जिनमें नीट, जेईई, यूजीसी और नेट भी शामिल हैं।

दरअसल, प्रवेश परीक्षाओं की प्रक्रिया को पारदर्शी, कुशल और निष्पक्ष बनाना एनटीए की बुनियादी प्राथमिकता है। मगर, इनमें जिस तरह से एक के बाद एक विसंगतियां सामने आ रही हैं, उससे इस एजंसी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठना स्वाभाविक है। नीट यूजी 2026 परीक्षा में करीब 23 लाख विद्यार्थी शामिल हुए थे।

एनटीए का दावा है कि इस परीक्षा के लिए प्रश्नपत्र तैयार करने में पूरी गोपनीयता बरती गई और इन्हें 'जीपीएस-ट्रैकिंग' वाले वाहनों में ले जाया गया था। परीक्षा केंद्रों की निगरानी एक केंद्रीय नियंत्रण कक्ष से एआइ-सहायता प्राप्त सीसीटीवी के माध्यम से की गई थी। सुरक्षा के इन तमाम प्रबंधों के बावजूद अगर प्रश्नपत्र परीक्षा से पहले ही कुछ विद्यार्थियों तक पहुंच जाता है, तो यह वास्तव में बहुत ही गंभीर मसला है।

जाहिर है कि परीक्षा के आयोजन से संबंधित संस्था और अन्य संगठनों की पर्चाफोड़ माफिया से मिलीभगत के बिना यह संभव नहीं हो सकता। सरकार को इस बात पर गंभीरता से विचार करना होगा कि विद्यार्थी इन परीक्षाओं के लिए कितनी मेहनत करते हैं, महंगी कोचिंग के लिए कई परिवार तो अपनी जमीन गिरवी रख देते हैं, तो कोई बैंक से कर्ज लेता है। इसलिए जरूरी है कि प्रवेश परीक्षाओं में गड़बड़ियों पर रोक लगाने के लिए कड़े कदम उठाए जाएं, ताकि विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ न हो।

## हिमाचल के युवाओं में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति चिंता का विषय

शांतिप्रिय राज्य की छवि वाले हिमाचल प्रदेश में अब युवाओं के बीच नशे की प्रवृत्ति लगातार बढ़ती जा रही है, जो गंभीर चिंता का विषय है। नशीले पदार्थों का जाल न केवल शहरी, बल्कि ग्रामीण इलाकों तक फैल गया है। एक खास तरह का नशीला पदार्थ, जिसे स्थानीय भाषा में चिट्टा कहा जाता है, उसकी लत युवाओं को अपनी गिरफ्त में ले रही है। दरअसल, जम्मू और पंजाब की सीमाओं से सटे होने के कारण हिमाचल में नशीले पदार्थों की तस्करी का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है। जांच एजंसियों के तमाम दावों के बावजूद नशे के इस तंत्र पर रोक नहीं लग पा रही है। अब प्रदेश सरकार ने गंभीरता दिखाते हुए सरकारी नौकरी के लिए युवाओं का 'एंटी चिट्टा टेस्ट' अनिवार्य कर दिया है। साथ ही मेडिकल और इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों की भी हर वर्ष ऐसी ही जांच कराई जाएगी। उम्मीद की जा रही है कि सरकार के इस कदम से युवाओं को नशे से दूर रखने में कुछ हद तक मदद मिल सकती है। हिमाचल सरकार ने एक जून से शिक्षा संस्थानों में चिट्टा के खिलाफ जागरूकता अभियान शुरू करने का फैसला भी किया है। मगर यह तभी सार्थक होगा, जब अभिभावकों को भी इससे जोड़ा जाएगा। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में खेती और घरेलू कार्यों की व्यस्तता की वजह से माता-पिता अपने बच्चों पर ज्यादा नहीं दे पाते हैं और उन्हें नशीले पदार्थों की तस्करी की भी कम ही जानकारी होती है। ऐसे में किशोरों और युवाओं के साथ-साथ अभिभावकों को भी जागरूक करने की जरूरत है, ताकि वे अपने बच्चों की गतिविधियों पर नजर रख सकें और उन्हें नशे के दलदल में उतरने से रोक सकें। इसके अलावा राज्य सरकार ने नशे के खिलाफ अभियान से जुड़ने वाले अधिकारियों की वार्षिक रपट में भी इस कार्य का उल्लेख करने की बात कही है। यह वास्तव में एक व्यावहारिक पहल है। इसमें दोराय नहीं कि राज्य सरकार सतही उपायों के बजाय धरातल पर काम करने का प्रयास कर रही है, लेकिन उसे राज्य में शिक्षित युवाओं को रोजगार देने की दिशा में भी व्यापक स्तर पर कदम उठाने होंगे, क्योंकि नशे का सेवन करने वालों में छात्रों और बेरोजगार युवाओं की तादाद अधिक है।

## आज का कार्टून

**वैश्विक संकट के बीच सबसे बड़े कूटनीतिक मिशन पर हैं मोदी**

# विश्व राजनीति में होगा बड़ा उलटफेर?

> यात्रा के अंतिम चरण में प्रधानमंत्री इटली जाएंगे। प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और राष्ट्रपति सर्जियो मातारेला के साथ उनकी बैठकें भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेंगी। दोनों देश 2025 से 2029 तक की संयुक्त रणनीतिक कार्ययोजना पर तेजी से काम कर रहे हैं। व्यापार, रक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और औद्योगिक सहयोग इसके प्रमुख क्षेत्र हैं। इटली ने चीन की बेल्ट एंड रोड पहल से अलग होकर भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे को समर्थन दिया है, जिससे दोनों देशों की सामरिक निकटता बढ़ी है। रक्षा क्षेत्र में सह-विकास और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर जोर दिया जा रहा है। इटली भारत के संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता के प्रयासों का भी समर्थन करता रहा है। वहां रह रहा भारतीय समुदाय दोनों देशों के संबंधों को सामाजिक और सांस्कृतिक मजबूती प्रदान करता है।

**नीरज कुमार दुबे**

वैश्विक चुनौतियों, बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों, ऊर्जा संकट, आपूर्ति श्रृंखला की अनिश्चितताओं और तकनीकी प्रतिस्पर्धा के बीच भारत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर बड़े कूटनीतिक मिशन पर निकल रहे हैं। 15 मई से 20 मई तक प्रस्तावित उनकी बहुराष्ट्रीय विदेश यात्रा के दौरान वह संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली का दौरा करेंगे। यह यात्रा भारत की वैश्विक रणनीति, आर्थिक हितों और सामरिक साझेदारियों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। इस दौरान ऊर्जा सहयोग, व्यापार, हरित प्रौद्योगिकी, रक्षा, निवेश, नवाचार और वैश्विक सुरक्षा जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी, जिससे भारत की अंतरराष्ट्रीय भूमिका और अधिक मजबूत होने की संभावना है।

इस यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि भारत अपने पारंपरिक मित्र देशों के साथ केवल व्यापारिक संबंधों तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि वह प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा, रक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, समुद्री सुरक्षा और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला जैसे क्षेत्रों में दीर्घकालिक रणनीतिक सहयोग को भी विस्तार देना चाहता है। हाल के वर्षों में भारत ने विश्व मंच पर एक भरोसेमंद और संतुलित शक्ति के रूप में अपनी पहचान बनाई है। यही कारण है कि यूरोप और पश्चिम एशिया के देश भारत को भविष्य के आर्थिक और सामरिक साझेदार के रूप में देख रहे हैं।

हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी अपनी यात्रा की शुरुआत संयुक्त अरब अमीरात से करेंगे, जहां वह राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नहयान से मुलाकात करेंगे। दोनों देशों के बीच ऊर्जा सहयोग, निवेश, डिजिटल भुगतान, रक्षा और भारतीय समुदाय के कल्याण जैसे विषयों पर चर्चा होने की संभावना है। भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी लगातार मजबूत हुई है। संयुक्त अरब अमीरात भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है तथा बीते पच्चीस वर्षों में भारत में निवेश करने वाले प्रमुख देशों में शामिल है। दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते ने व्यापार को नई गति दी है। ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में भी संयुक्त अरब अमीरात भारत का महत्वपूर्ण सहयोगी है। इसके अलावा भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा दोनों देशों की सामरिक निकटता को और अधिक मजबूत बना रहा है। वहां रह रहे लाखों भारतीय दोनों देशों के सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों की मजबूत कड़ी हैं।

संयुक्त अरब अमीरात के बाद प्रधानमंत्री नीदरलैंड जाएंगे। यह यात्रा भारत और नीदरलैंड के बीच बढ़ते आर्थिक तथा प्रौद्योगिकी सहयोग को नई दिशा देगी। प्रधानमंत्री वहां के राजा विलेम अलेक्जेंडर, महारानी माक्सिमा और प्रधानमंत्री रोब येटन से मुलाकात करेंगे। दोनों देशों के बीच रक्षा, सुरक्षा, हरित हाइड्रोजन, जल प्रबंधन, सेमीकंडक्टर और नवाचार जैसे क्षेत्रों में तेजी से सहयोग बढ़ रहा है। नीदरलैंड यूरोप में भारत का प्रमुख व्यापारिक साझेदार है और भारत में बड़े निवेशकों में शामिल है। जल प्रबंधन और कृषि प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नीदरलैंड की विशेषज्ञता भारत के लिए अत्यंत



उपयोगी मानी जाती है। दोनों देश मुक्त और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के समर्थन में भी एक समान दृष्टिकोण रखते हैं।

मोदी की स्वीडन की यात्रा भारत और नॉर्डिक देशों के साथ बढ़ते सहयोग को और मजबूत बनाएगी। प्रधानमंत्री गोथेनबर्ग में स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन से वार्ता करेंगे। दोनों देशों के बीच व्यापार, हरित परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, उभरती प्रौद्योगिकी, रक्षा, अंतरिक्ष और जलवायु कार्रवाई जैसे क्षेत्रों में व्यापक सहयोग की संभावनाएं हैं। हम आपको बता दें कि स्वीडन की अनेक प्रमुख कंपनियां भारत में सक्रिय हैं और दोनों देशों के बीच नवाचार आधारित साझेदारी तेजी से विकसित हो रही है। भारत और स्वीडन लोकतांत्रिक मूल्यों, सतत विकास और तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में समान सोच रखते हैं। हरित औद्योगिक परिवर्तन और जलवायु संरक्षण के लिए दोनों देशों का सहयोग वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी इसके बाद नॉर्वे जाएंगे, जहां वह तीसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की नॉर्वे की पहली यात्रा होगी और पिछले तैंतालीस वर्षों में भारत से वहां होने वाली पहली प्रधानमंत्री स्तरीय यात्रा भी मानी जा रही है। नॉर्वे के प्रधानमंत्री योनास गार स्तोरे के साथ होने वाली वार्ता में व्यापार, निवेश, हरित प्रौद्योगिकी और समुद्री अर्थव्यवस्था पर विशेष जोर रहेगा। भारत और नार्वे के संबंध समुद्री सहयोग, हरित ऊर्जा और सतत विकास पर आधारित हैं। भारत-यूरोपीय मुक्त व्यापार समझौते के बाद दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को नई गति मिलने की संभावना है। नॉर्वे का विशाल पेंशन कोष भारतीय पूंजी बाजार में महत्वपूर्ण निवेश कर चुका है। आर्कटिक क्षेत्र, हरित जहाजरानी और समुद्री संसाधनों के प्रबंधन में दोनों देशों का सहयोग भविष्य की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन इस यात्रा का एक और महत्वपूर्ण पक्ष होगा। इसमें नॉर्वे, स्वीडन, डेनमार्क, फिनलैंड और आइसलैंड के शीर्ष नेता शामिल होंगे। यह मंच भारत और नॉर्डिक देशों के बीच प्रौद्योगिकी, नवाचार, नवीकरणीय ऊर्जा, रक्षा, अंतरिक्ष, सतत विकास और समुद्री अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई रणनीतिक दिशा देगा। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने और हरित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में यह सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

यात्रा के अंतिम चरण में प्रधानमंत्री इटली जाएंगे। प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और राष्ट्रपति सर्जियो मातारेला के साथ उनकी बैठकें भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेंगी। दोनों देश 2025 से 2029 तक की संयुक्त रणनीतिक कार्ययोजना पर तेजी से काम कर रहे हैं। व्यापार, रक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और औद्योगिक सहयोग इसके प्रमुख क्षेत्र हैं। इटली ने चीन की बेल्ट एंड रोड पहल से अलग होकर भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे को समर्थन दिया है, जिससे दोनों देशों की सामरिक निकटता बढ़ी है। रक्षा क्षेत्र में सह-विकास और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर जोर दिया जा रहा है। इटली भारत के संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता के प्रयासों का भी समर्थन करता रहा है। वहां रह रहा भारतीय समुदाय दोनों देशों के संबंधों को सामाजिक और सांस्कृतिक मजबूती प्रदान करता है।

इस प्रकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह विदेश यात्रा केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत की बदलती वैश्विक भूमिका का प्रतीक भी है। यह यात्रा भारत को ऊर्जा सुरक्षा, प्रौद्योगिकी सहयोग, हरित विकास, रक्षा साझेदारी और वैश्विक व्यापार के नए अवसर प्रदान करेगी। साथ ही यह संदेश भी देगी कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत विश्व राजनीति और अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख और विश्वसनीय केंद्र बनकर उभर रहा है।

# अब घुसपैठ से मुक्त होगा पश्चिम बंगाल...

> पश्चिम बंगाल में अब भारतीय जनता पार्टी की सरकार के तौर पर शुभेन्दु अधिकारी ने शासन की बागडोर संभाल ली है। भाजपा का यह स्पष्ट नारा रहा है कि वह विदेशी घुसपैठियों को देश से बाहर करेगी। इसलिए पश्चिम बंगाल के जनादेश में इस पर अब जनता की मुहर भी लग गई है। कई राजनीतिक विश्लेषकों का यह भी मानना है कि तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी ने मुस्लिम तुष्टिकरण को बढ़ावा देकर अपने शासन का संचालन किया। इसमें बांग्लादेश के घुसपैठियों का भी समर्थन भी शामिल रहा।

**सुरेश हिंदुस्तानी**

अब भाजपा की सरकार बनने के बाद यह तय हो चुका है कि अब पश्चिम बंगाल की बांग्लादेश से लगी हुई सीमाएं पहले से ज्यादा सुरक्षित होंगी और एक बड़ी समस्या से छुटकारा भी मिलेगा। इससे यह भी आशय निकलता है कि सबका साथ और सबका विकास वाली राजनीतिक अवधारणा को स्वीकार किया जाने लगा है। देश में इसी प्रकार की राजनीति की आवश्यकता है। क्योंकि राजनीतिक दलों ने आज देश में रहने वाले समाज के बीच इतना भेद पैदा कर दिया है कि कई जगह समाज बंधु एक दूसरे के दुश्मन बन गए हैं। हिन्दू और मुसलमान समाज के ही हिस्से हैं, इसलिए इनको अलग अलग देखने की राजनीति नहीं होना चाहिए। इसके विपरीत देश के कुछ राजनीतिक दलों का आधार ही मुस्लिम वोट हैं। जबकि यह भी सही है कि तुष्टिकरण से किसी का भला न तो हुआ है और न ही होगा। लम्बे समय से पश्चिम बंगाल में जनसंख्या का अप्रत्याशित रूप से बढ़ना कई प्रकार के सवाल खड़ा करता रहा है। इसके पीछे बांग्लादेश से आए घुसपैठिए भी एक बड़ा कारण है। इस समस्या से बंगाल ही नहीं, असम भी प्रभावित है, लेकिन अच्छी बात यह है कि विपक्षी राजनीतिक दलों को यह समस्या दिखाई नहीं देती। असम और पश्चिम बंगाल



की जनता इस घुसपैठ के विरोध में खड़ी हो गई है, इसलिए इस बार का जनादेश भी बांग्लादेशी घुसपैठियों के विरोध में आया। इसी के चलते असम में भाजपा सरकार का पुनः बनना और पश्चिम बंगाल में एक नए राजनीतिक उदय के साथ सत्तारूढ़ होना इसी बात का परिचायक है कि भाजपा ही नहीं, जनता भी देश से घुसपैठियों को निकालने का मन बना चुकी है। सुनने में यह भी आ रहा है जो बांग्लादेशी नागरिक पश्चिम बंगाल में घुसपैठ करके आए, वे अपने देश वापस जाने का मानस बना चुके हैं। इसलिए यह भी कहा जा रहा है कि अब पश्चिम बंगाल घुसपैठ की समस्या से मुक्त हो जाएगा।

भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल में प्रारंभ से ही इस बात पर जोर दिया था कि वह विदेशी घुसपैठियों के खिलाफ है। भाजपा के नेताओं के भाषण भी इसी पर केंद्रित रहते थे। इस मुद्दे पर भाजपा को जनता का भी समर्थन मिला और जनता ने भाजपा को बहुमत दे दिया। इसके अलावा ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस की सरकार ने जो कार्य किए, वह कहीं न कहीं हिन्दू समाज को नीचा दिखाने वाले ही थे, लेकिन तृणमूल कांग्रेस के नेता शायद इस बात को भूल गए कि बहुसंख्यक समाज को नकारने की राजनीति एक प्रकार से उसके लिए सत्ता से अलग होने की तस्वीर पेश कर सकती है। पश्चिम बंगाल घुसपैठ की समस्या से बहुत प्रभावित हुए हैं। यहां पर अप्रत्याशित रूप से ज़मीनों पर अवैध कब्जे हो रहे हैं। कई जगह अचानक ही मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र बनते जा रहे हैं। जिनमें मुर्शिदाबाद, उत्तर दिनाजपुर और मालदा आदि है। यह तीनों जिले बांग्लादेश की सीमा से लगे हुए हैं। इसके चलते बंगाल में अपराध भी बहुत होने लगे हैं। इसका कारण यही माना जा रहा है कि जो व्यक्ति घुसपैठ करके आए हैं, उनके सामने रोजगार का संकट है। जब रोजगार नहीं मिलेगा तो स्वाभाविक रूप से व्यक्ति गलत कार्य भी करने लगता है। इससे की दशा और दिशा भी ख़राब हो रही है। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद के रास्ते कई बांग्लादेशी नागरिक घुसपैठ करते रहे हैं। स्थानीय नागरिकों की मदद से वे सभी अपने आशियाने भी बना रहे थे, इनके ज्यादातर आशियाने अवैध कब्जा करके ही बने हैं। तृणमूल कांग्रेस की सरकार के समय इनको पर्याप्त संरक्षण भी मिला। उल्लेखनीय है जिन क्षेत्रों में मुस्लिमों की जनसंख्या अचानक बढ़ी है, वे सभी तृणमूल कांग्रेस के प्रभाव वाले क्षेत्र रहे हैं। इन क्षेत्रों में हिन्दू समाज का कोई भी व्यक्ति जाने से डरता है। सवाल यह है कि यह डर किसने पैदा किया और इसको संरक्षण देने वाले कौन हैं। तृणमूल कांग्रेस ने तुष्टिकरण की राह पर चलते हुए इनको ताकत देने का काम किया। और यही उसकी हार का कारण भी बना।

अब पश्चिम बंगाल का राजनीतिक दृश्य परिवर्तित हो चुका है। जिन्होंने लम्बे समय तक अमानुषिक अत्याचार सहन किए, वे सत्ता में आ चुके हैं, लेकिन भाजपा को यह सत्ता ऐसे ही नही मिल गई। उसके सैकड़ों कार्यकर्ता का बलिदान इस जीत के नींव के पत्थर बने। चुनाव के बाद शुभेन्दु अधिकारी के निजी सहायक देवनाथ की हत्या इसका ताजा उदाहरण है। जिसके बारे में कहा जा रहा है कि यह कार्य प्रशिक्षित अपराधियों ने किया। संभावना इस बात की भी है कि घटना के बाद ये बांग्लादेश भाग चुके हैं। इसे राजनीतिक हत्या के तौर पर भी देखा जा रहा है और इसके आरोप तृणमूल कांग्रेस के नेताओं पर लग रहे हैं।

घुसपैठियों की समस्या से त्रस्त पश्चिम बंगाल में सरकार बदलने के बाद विदेशी घुसपैठिओं के चेहरे उतरने लगे हैं, क्योंकि अब इन विदेशी घुसपैठियों को सहन नहीं किया जाएगा। अब उनको बाहर जाना ही होगा। भाजपा की सरकार ही इनको बाहर निकलेगी। देश के गृह मंत्री अमित शाह इसकी चेतावनी पहले से ही देते रहे हैं। यहां यह कहना भी उचित होगा कि भाजपा ने केवल घुसपैठियों को बाहर निकालने की ही बात की है, भारत के मुसलमानों की नहीं, लेकिन विपक्ष और खासकर तृणमूल कांग्रेस ने ऐसा भ्रम फैलाने का प्रयास किया कि सारे मुस्लिमों पर इसका प्रभाव होगा। विदेशी घुसपैठियों को बाहर निकालना सभी चाहते हैं, विपक्ष को इस मुद्दे पर भाजपा का साथ देना चाहिए, क्योंकि यह राष्ट्रीय हित की बात है।

# सुखाड़ को लेकर विभागीय प्रशिक्षण आयोजित

**धनबाद (कासं) :** धनबाद जिले में सुखाड़ आकस्मिक कार्य योजना २०२६२७ हेतु कृषि-सहसंबद्ध विभागों के सभी जिला स्तरीय व प्रखण्ड स्तरीय पदाधिकारियों एवं कर्मियों की बैठक आयोजित की गई।

बैठक विगत १२ मई को राज्य स्तरीय खरीफ कर्मशाला में मंत्री कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के निदेशों के आलोक में जिला हेतु विभागवार सुखाड़ आकस्मिक कार्य योजना पर केन्द्रित रही।

कृषि विभाग के द्वारा उच्च भूमि (टांड़) व मध्य भूमि (कनारी) में फसल विविधिकरण पर विशेष जोर देने को कहा गया। इस हेतु कम अवधि की अरहर, उरद, मूँग, सरगूजा, कुल्थी, रागी, ज्वार एवं बाजरा जैसी फसलों को आकस्मिक फसलों के रूप में कृषकों को चयन हेतु जागरूक करने पर बल दिया गया। साथ ही आकस्मिक फसलों हेतु आवश्यक बीज कर आकलन किया गया। मृदा नमी संरक्षण हेतु आवरण फसल, सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली अपनाने,

मलचिंग, खेतों में ट्रेंचिंग बनाने आदि विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। जिला पशुपालन पदाधिकारी द्वारा चारा फसलों, सामुदायिक पशु आश्रय, चलन्त पशु चिकित्सा वैन एवं टिकाकरण जैसे विषयों पर विशेष ध्यान केन्द्रीत करने पर जोर दिया गया।

जिला मत्स्य पदाधिकारी द्वारा कम पानी में जीवित रहने वाली मछली की प्रजातियों का चुनाव करने हेतु सुझाव दिया गया जिसमें विशेष रूप से देशी मांगुर, सिंघि, कवई को अपनाने पर विशेष जोर दिया लिया जिला सहकारिता पदाधिकारी द्वारा पैक्स, सहकारी दुग्ध समितियाँ, सहकारी मत्स्य समितियों को सशक्त कर सामुदायिक स्तर पर विभिन्न विभागों द्वारा अनुसंशीत गतिविधियों को संचालित करने पर जोर दिया गया। कृषि विज्ञान केन्द्र, बलियापुर के बरीय वैज्ञानिक द्वारा मध्यम भूमि में कम अवधि की फसलों जैसे- आईआर६४-डीआरटी, सीआर धन३२०, सीआर डीएचएएन-८०७ एवं सहभागी का चयन करने का सुझाव दिया गया एवं उच्च भूमि पर धान आवश्यकता अनुरूप डीएसआर विधि से करने का सुझाव दिया गया। संभव हो तो रागी एवं दहलन फसलों की खेती उच्च भूमि पर करने का सुझाव दिया गया।

कार्यक्रम में जिला कृषि पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी, जिला गव्य पदाधिकारी, भूमि संरक्षण सर्वे पदाधिकारी, जिला उद्यान पदाधिकारी, जिला कृषि अभियंता, उप परियोजना निदेशक, आत्मा एवं सभी विभागों के प्रखण्ड स्तरीय पदाधिकारी, प्रखण्ड तकनीकी प्रबंधक, सहायक तकनीकी प्रबंधक एवं जनसेवक सहित लगभग १५० से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

## धनबाद रेलवे ने चलाया टिकट चेकिंग अभियान

**धनबाद (कासं) :** धनबाद मंडल में बड़े पैमाना पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सुनियोजित कार्यक्रम के तहत धनबाद रेलवे मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में धनबाद स्टेशन पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। इस जांच अभियान के परिणामस्वरूप ६८ यात्रियों को पकड़ा गया जिसमें बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्री, बिना उचित प्राधिकार के यात्रा करने वाले यात्री, बिना बुक किये गए सामान के साथ यात्रा कर रहे यात्रीगण शामिल थे। इस दौरान उनसे ३०.१ हजार जुमनि के रूप में राशि प्राप्त की गई तथा पकड़े गए यात्रियों को उचित टिकट के साथ यात्रा करने की कड़ी हिदायत दी गई चेकिंग टीमों द्वारा स्टेशनों एवं विभिन्न मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में भी चेकिंग किया गया।

# गोविन्दपुर हरि मंदिर में कीर्तन सम्पन्न

**गोविंदपुर (सासे) :** गोविन्दपुर विलेज रोड हरि मंदिर में आयोजित पांच दिवसीय कार्यक्रम जो ४८ घंटा हरि एकनाम चला कीर्तनिया अपर्णा मलिक जो निरसा भालजोड़िया निवासी तथा हरिकीर्तन रास और कुंजमिलन ने बताया, मिठाई तथा अनेकों प्रकार की प्रसाद का वितरण की। संकीर्तन कमिटी अध्यक्ष धीरज शर्मा, सचिव अनिल कुमार उर्फ रिंकू दास ने आयोजन की सफलता के लिए समस्त ग्रामवासियों एवं सदस्यों को बधाई दी। सुभाष धीवर, सुकुमार धीवर, अरूण धीवर, पिंटू धीवर, कल्याण चक्रबर्ती आदि का अहम योगदान रहा।

# शिव मंदिर में चड़क पूजा का समापन

**राजगंज (सासे) :** प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी डोमनपुर शिव मंदिर मे चड़क पूजा मनाया गया। लगभग एक सौ से अधिक भोगतिया ने उपवास रखकर अपने शरीर के विभिन्न अंगों पर लोहे की कीले चुभोकर ३० फीट की उँचा भोक्ता खुंटा पर लाठ के सहारे परिक्रमा कर नाचते - के दर्जनों गाँवों के लोगों ने मेले का आनंद उठाया। मेला को सफल बनाने में पाटोनी दिलीप कुमार महतो, पंडित संजीव कुमार पाण्डेय, मनोज कुमार महतो, डाक्टर राजेश महतो, महतो, सुशेन रवानी, नेपाल आशीर्वाद महतो, पंकज रवानी, महतो, राहुल महतो आदि गंगाधर रवानी सहित आसपास ग्रामीणों का सहयोग रहा।

# बीसीसीएल दीक्षा महिला मंडल ने लगाया पनशाला

**धनबाद (कासं) :** भीषण गर्मी से राहत प्रदान करने के उद्देश्य से सीएमडी आवास के समीप दीक्षा महिला मंडल, बीसीसीएल द्वारा

पनशाला का शुभारंभ किया गया। इस पनशाला का उद्घाटन दीक्षा महिला मंडल की अध्यक्ष अर्चना अग्रवाल द्वारा किया गया।

इस पनशाला में राहगीरों एवं स्थानीय नागरिकों के लिए घड़े का ठंडा एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही, इस अवसर पर राहगीरों को छाछ, फल और शॉल भी प्रदान किए गए। चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी में यह पहल न केवल लोगों को त्वरित राहत प्रदान करेगी, बल्कि सामाजिक सरोकारों के प्रति मंडल की संवेदनशीलता को भी प्रदर्शित करती है।

इस अवसर पर दीक्षा महिला मंडल की उपाध्यक्षा पूर्विता रमैया, संचिता रॉय सहित मंडल की अन्य सदस्याएं भी उपस्थित रहीं। सभी सदस्यों ने इस पुनीत कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई एवं आमजन की सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। दीक्षा महिला मंडल का यह प्रयास न केवल गर्मी में राहत पहुंचाने का माध्यम है, बल्कि समाज में सेवा, सहयोग एवं मानवता की भावना को भी सुदृढ़ करता है।

दीक्षा महिला मंडल सदैव सामाजिक एवं जनकल्याणकारी कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाता रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य जरूरतमंदों की सहायता जैसे विभिन्न क्षेत्रों में मंडल की निरंतर सक्रिय भागीदारी रही है। इसी कड़ी में यह पनशाला भी मानव सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का एक और सराहनीय उदाहरण है। मंडल की ओर से यह भी सुनिश्चित किया गया है कि पनशाला में नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध रहे, ताकि अधिक से अधिक लोग इस सुविधा का लाभ उठा सकें।

## प्रभारी पदाधिकारी ने सुनी जनता की समस्याएं

**धनबाद (कासं) :** उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देशानुसार प्रभारी जन शिकायत पदाधिकारी नियाज अहमद ने

समाहरणालय स्थित सभागार में जिले के विभिन्न क्षेत्र से आए लोगों की शिकायतों को सुना। लोगों के आवेदनों को प्राप्त कर उन्होंने संबंधित पदाधिकारी को शिकायत का निष्पादन करने के लिए निर्देशित किया। जनता दरबार में नौकरी के नाम पर ठगी, बीसीसीएल में पुनर्वास तथा मुआवजा, पानी की समस्या, तालाब किनारे धार्मिक कार्य हेतु घाट निर्माण, बेघर को आवास व्यवस्था, किडनी फेल होने के कारण लोन चुकाने में असमर्थ, रैयती तालाब चौड़ीकरण के कारण आसपास के घर क्षतिग्रस्त, आम रास्ता तथा नाली का पानी रोकने, खाता संख्या में सुधार, होमगार्ड बहाली, पारिश्रमिक भुगतान में कटौती, आपसी विवाद, शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य समेत विभिन्न आवेदन प्राप्त हुए। उन्होंने लोगों को पूर्ण भरोसा दिलाया कि आपकी समस्याओं को दूर करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। जिला प्रशासन नियमानुसार आपकी हर समस्याओं को दूर करने का प्रयास करेगा।

# एआईआरएफ के प्रयास से खुला पदोन्नति का रास्ता : ज्याऊद्दीन

**धनबाद (कासं) :** रेलवे में प्वाइंट्स मैन के लेवल ५ तक की पदोन्नति के आदेश रेलवे बोर्ड द्वारा जारी कर दिए गए हैं। उक्त जानकारी देते हुए एआईआरएफ वर्किंग कमिटी मेम्बर एवं ईसीआरकेयू के अपर महामंत्री मो. ज्याऊद्दीन ने बताया है कि अभी तक प्वाइंट्स मैन की नियुक्ति लेवल वन में होती थी और लेवल टू तक ही पदोन्नति चैनल उपलब्ध थे। किन्तु ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन के प्रयास से प्वाइंट्स मैन के लिए पदोन्नति के नये आयाम खुल गये हैं।

उन्होंने कहा कि ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन अपने केन्द्रीय फेडरेशन एआईआरएफ के महामंत्री शिव गोपाल मिश्रा के कुशल नेतृत्व तले बहुत पहले से ही रेलवे बोर्ड के विभिन्न स्तरों पर प्वाइंट्स मैन के पदोन्नति के नये आयाम खोलने की लड़ाई लड़ रहा था। इसके परिणामस्वरूप रेलवे बोर्ड की बैठकों में जोरदार आवाज उठाया गया जिससे प्वाइंट्स मैन के कैडर रिस्ट्रक्चरिंग के लिए एक संयुक्त कमिटी का गठन किया गया जिसने प्वाइंट्स मैन को लेवल पांच तक पदोन्नति उपलब्ध कराने की अनुशंसा की । इतना ही नहीं, इस प्रक्रिया पर बढ़ने वाले वित्तीय बोझ के लिए

एआईआरएफ ने वित्त मंत्रालय तक अपनी बात रखी और अंततः वित्तीय सहमति प्राप्त कर रेलवे बोर्ड ने आदेश संख्या ३९/२०२५ जारी कर दिया। मो. ज्याऊद्दीन ने कहा कि ईसीआरकेयू ने प्वाइंट्स मैन के पदोन्नति चैनल उपलब्ध कराने का अपना वादा पूरा किया। उक्त मामले में एआईआरएफ के जोनल सेक्रेटरी ओ पी शर्मा और ईसीआरकेयू धनबाद के मीडिया प्रभारी एन के खवास ने बताया कि पहले प्वाइंट्स मैन के लिए केवल दो लेवल ही पदोन्नति चैनल थे जिसे उक्त आदेश के तहत बढ़ाकर लेवल पांच तक कर दिया गया है। साथ ही, प्रत्येक लेवल में प्वाइंट्स मैन की प्रतिशतता में भी संशोधन किया गया है ताकि वरीय कर्मचारियों को सीधे लेवल पांच और उनसे जूनियर को लेवल चार में पदोन्नति मिल जाएगा। श्री शर्मा ने कहा कि यह पदोन्नति दिनांक विगत ३ अप्रैल से लागू करते हुए वेतन निर्धारण किया जाएगा। इस आदेश के तहत लेवल पांच में ४.५४ प्रतिशत, लेवल चार में १३.६३ प्रतिशत, लेवल टू में २७.२७ प्रतिशत और लेवल वन में ५४.५५ प्रतिशत के दायरे में प्वाइंट्स मैन लाभान्वित होंगे। वर्षों से लंबित इस मामले के समाधान से प्वाइंट्स मैन कैटेगरी ने खुशी जताई है और ईसीआरकेयू एवं एआईआरएफ के प्रति आभार व्यक्त किया है।

# सिविल कोर्ट में लगा स्वास्थ्य जांच शिविर

**धनबाद (कासं) :** ९० दिवसीय अवेयरनेस एवं आउटरीच कार्यक्रम के तहत प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश निकेश कुमार सिन्हा के निर्देश पर सिविल कोर्ट धनबाद परिसर में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर स्वास्थ्य जांच कराई। शिविर में सदर अस्पताल धनमाद के चिकित्सक डॉ राजीव सिंह, डॉ एचएन सिंह, डॉ मनोज कुमार व पारामेडिकल स्टाफ ने एक ओर जहां न्यायिक पदाधिकारियों, सिविल कोर्ट कर्मचारी, पारा लीगल वॉलेंटियर, अधिवक्ताओं के स्वास्थ्य की जांच की, वहीं लोगों को लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का कार्य भी किया गया। चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों ने उपस्थित लोगों को नियमित जांच, स्वच्छता, संतुलित आहार एवं बीमारियों से बचाव के संबंध में जानकारी दी। इस बाबत जानकारी देते हुए प्राधिकार के सचिव सह अवर न्यायाधीश मयंक तुषार टोपनो ने बताया कि शिविर में कुल १३७ लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई। जरूरतमंद लोगों. को आवश्यक चिकित्सीय परामर्श भी उपलब्ध कराया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ना एवं उनमें स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना बताया गया। उन्होंने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार लगातार जिले में जनजागरूकता का कार्यक्रम कर रही है, जिसके तहत अनेकों तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

## बीमार कर्मचारियों के बीच सहायता राशि का वितरण

**धनबाद (कासं) :** मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय धनबाद में शैक्षणिक सहायता एवं गंभीर रूप से बीमार कर्मचारियों को सहायता राशि वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया

गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों के कल्याण हेतु सहयोग एवं प्रोत्साहन प्रदान करना था। मंडल रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्र द्वारा मंडल के रेल कर्मचारियों के पुत्र एवं पुत्रियों के उच्च तकनिकी एवं व्यवसायिक शिक्षा तथा गंभीर रूप से बीमार कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक ने कहा कि रेलवे प्रशासन अपने कर्मचारियों एवं उनके परिवारों के कल्याण के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर मंडल के अन्य अधिकारीगण, यूनियन एवं एसोसिएशन के पदाधिकारीगण तथा कर्मचारीगण उपस्थित थे।

# कोयला भवन में 2526 की अंतिम तिमाही में आंतरिक अंकेक्षकों की बैठक

**धनबाद (कासं) :** कोयला भवन मुख्यालय में आज वित्तीय वर्ष २०२५२६ की अंतिम तिमाही की आंतरिक अंकेक्षकों की त्रैमासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता निदेशक (वित्त) राजेश कुमार ने की। इस अवसर पर महाप्रबंधक (वित्त) एम.एस. राजू, विभागाध्यक्ष (आंतरिक अंकेक्षण) श्वेता सिंह, मुख्यालय वित्त विभाग के सभी विभागाध्यक्ष, मुख्यालय के लीड ऑडिटर, आंतरिक अंकेक्षण फर्मों के नामित साझेदार एवं टीम लीडर, क्षेत्रीय एएफएम तथा सभी क्षेत्रीय आंतरिक अंकेक्षक उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान वित्तीय वर्ष २०२५२६ की अंतिम तिमाही (जनवरीमार्च २०२६) की आंतरिक अंकेक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत की गई तथा उसकी विस्तृत समीक्षा की गई। साथ ही ३१ मार्च २०२६ को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के साथ बीसीसीएल में कार्यरत अंकेक्षण फर्मों एवं उनके ऑडिटरों का कार्यकाल पूर्ण होने के संदर्भ में यह वर्तमान ऑडिट टीम के साथ प्रबंधन की अंतिम समीक्षा बैठक रही।

बैठक में विभिन्न अंकेक्षण फर्मों द्वारा पावरप्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से क्षेत्रवार अंकेक्षण अवलोकन, प्रमुख उपलब्धियां एवं सुझाव प्रस्तुत किए गए। इन पर उपस्थित अधिकारियों द्वारा गंभीरता से विचारविमर्श करते हुए आवश्यक दिशानिर्देश प्रदान किए गए तथा अनुपालन की स्थिति की समीक्षा के साथ आगे की कार्ययोजना पर भी चर्चा की गई। उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए पीबी एवं पश्चिमी झरिया क्षेत्र के आंतरिक लेखा परीक्षकों को निदेशक (वित्त) द्वारा सम्मानित किया गया।

अपने संबोधन में निदेशक (वित्त) राजेश कुमार ने कहा कि आंतरिक अंकेक्षण किसी भी संगठन में वित्तीय अनुशासन, पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। यह न केवल जोखिमों की पहचान करता है, बल्कि संसाधनों के प्रभावी एवं दक्ष उपयोग को भी सुनिश्चित करता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान आंतरिक अंकेक्षण टीम ने अपने कार्यकाल के दौरान सराहनीय योगदान दिया है तथा उनके द्वारा प्रस्तुत अवलोकन संगठन की वित्तीय पारदर्शिता एवं अनुशासन को और सुदृढ़ करने में सहायक होंगे। उन्होंने बीसीसीएल में सुदृढ़ वित्तीय प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए आंतरिक अंकेक्षण जैसी प्रक्रियाओं की निरंतरता बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के स्वागत के साथ हुई। स्वागत संबोधन में विभागाध्यक्ष (आंतरिक अंकेक्षण) श्वेता सिंह ने कार्यक्रम की रूपरेखा एवं महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि बीसीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत आंतरिक अंकेक्षण फर्मों एवं उनके नामित साझेदारों का तीन वर्षीय कार्यकाल सफलतापूर्वक पूर्ण हुआ है। सभी ऑडिटर्स ने मुख्यालय, वाशरी डिवीजन एवं विभिन्न क्षेत्रों में समर्पण के साथ अंकेक्षण कार्यों को सफलतापूर्वक पूर्ण किया है, जो संस्थान की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने सभी अंकेक्षकों को उनके सफल कार्यकाल हेतु बधाई दी।

समापन सत्र में सभी ऑडिटरों को उनके कार्यकाल पूर्ण करने पर प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। महाप्रबंधक (वित्त) एम.एस. राजू द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया, जिसके साथ बैठक के समापन की घोषणा की गई।

## विधायक रागिनी ने किया पंप हाउस का शिलान्यास

**झरिया (सासे) :** झरिया विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत होरलाडीह के समीप झमाडा द्वारा स्वीकृत वाटर पंप हाउस निर्माण कार्य का झरिया विधायक रागिनी सिंह ने

विधिवत नारियल फोड़कर एवं पूजाअर्चना के साथ शिलान्यास किया। इस अवसर पर भाजपा के कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

बताया गया कि भालगढ़ा क्षेत्र का यह पंप हाउस पिछले लगभग ४० वर्षों से बंद पड़ा था, जिसके कारण क्षेत्र के लोगों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ता था। अब नए पंप हाउस निर्माण से भालगढ़ा सहित आसपास के लगभग ४० हजार लोगों को शुद्ध पेयजल की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान स्थानीय लोगों ने विधायक का स्वागत करते हुए खुशी जाहिर की और कहा कि लंबे समय से क्षेत्रवासी इस योजना के शुरू होने का इंतजार कर रहे थे। इस मौके पर विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकता है और पेयजल जैसी आवश्यक सुविधा हर घर तक पहुंचाना उनका संकल्प है। भालगढ़ा क्षेत्र के लोगों को वर्षों से पेयजल की समस्या से जूझना पड़ रहा था। यह पंप हाउस लगभग ४० वर्षों से बंद था, जिसके कारण हजारों परिवार प्रभावित थे। इसका शिलान्यास होना क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि है। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद करीब ४० हजार लोगों को नियमित पेयजल सुविधा मिलेगी। जनता की समस्याओं का समाधान करना ही हमारी प्राथमिकता है और विकास कार्य लगातार जारी रहेंगे। कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं समेत स्थानीय गणमान्य लोग मौजूद रहे।

## धनबाद रेलवे में पर्यावरण दिवस अभियान शुरू

**धनबाद (कासं) :** धनबाद मंडल में विश्व पर्यावरण दिवस अभियान का शुभारंभ उत्साह एवं जागरूकता के साथ किया गया। इस अवसर पर धनबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्र द्वारा मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता शपथ दिलाई गई। उन्होंने कहा कि स्वच्छ एवं हरित वातावरण का निर्माण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है तथा उन्होंने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता के प्रति सदैव सजग रहने, प्रत्येक वर्ष न्यूनतम १ सौ घंटे श्रमदान करने तथा स्वयं, अपने परिवार, कार्यस्थल एवं आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ बनाए रखने का संकल्प दिलाया। उन्होंने यह भी कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है तथा जनभागीदारी एवं सामूहिक प्रयासों से ही स्वच्छ, सुंदर एवं पर्यावरण-सुरक्षित भारत के लक्ष्य को साकार किया जा सकता है। साथ ही मंडल के अन्य स्टेशनों पर भी विश्व पर्यावरण दिवस अभियान के शुभारंभ के अवसर पर कर्मचारियों को स्वच्छता शपथ दिलाई गई।

# आज शाम तक सभी संबंधित प्रपत्र-04 जिला कार्यालय में उपलब्ध कराएं : उपायुक्त

बोकारो (ससे): माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा ०५ मई २०२६ को पारित आदेश के अनुपालन तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम २०१६, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम एवं पर्यावरण संरक्षण अधिनियम १९८६ के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर उपायुक्त अजय नाथ झा ने संबंधित पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में जिले में स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

बैठक में उपायुक्त ने बताया कि उनके अध्यक्षता में *जिला ठोस अपशिष्ट मॉनिटरिंग सेल का गठन किया गया। समिति में उप विकास आयुक्त को उपाध्यक्ष-सह-नोडल पदाधिकारी बनाया गया है। इसके अलावा स्वास्थ्य, नगर निकाय, शिक्षा, परिवहन, पंचायत, जनसंपर्क, प्रदूषण नियंत्रण एवं पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के अधिकारियों को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है।

उपायुक्त ने चास नगर निगम, फुसरो नगर परिषद तथा सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को सभी पंचायतों से संग्रह करते हुए निर्देश दिया कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के अंतर्गत निर्धारित प्रपत्र-०४ में अद्यतन प्रतिवेदन तैयार कर १६ मई २०२६ तक जिला कार्यालय में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। कहा कि प्रतिवेदन में प्रतिदिन उत्पन्न कचरे की मात्रा, घर-घर कचरा संग्रहण की स्थिति, स्रोत पर कचरा पृथक्करण, कम्पोस्ट संयंत्र, पुराने अपशिष्ट की स्थिति, डम्पिंग यार्ड, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन, बड़े अपशिष्ट उत्पादकों की सूची, उपयोगकर्ता शुल्क संग्रहण तथा जन जागरूकता गतिविधियों का विस्तृत विवरण शामिल हो।

उपायुक्त ने बड़े होटल, विवाह भवन, अपार्टमेंट, अस्पताल,विद्यालय, महाविद्यालय एवं बड़े व्यावसायिक/औद्योगिक प्रतिष्ठानों सहित सभी बड़े अपशिष्ट उत्पादकों की सूची तैयार करने का निर्देश दिया। साथ ही इन संस्थानों में स्रोत पर कचरा पृथक्करण, कम्पोस्टिंग एवं प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन सुनिश्चित कराने को कहा। वहीं, उप विकास आयुक्त (डीडीसी) को प्रत्येक सप्ताह समीक्षा बैठक कर अनुपालन प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, सिविल सर्जन डॉ ए बी प्रसाद, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मो. सफीक आलम, डीपीआरओ रवि कुमार, कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता विभाग चास श्री राम प्रवेश राम, कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता विभाग श्री चंदन कुमार, एपीआरओ अविनाश कुमार सिंह, नगर परिषद फुसरो के कार्यपालक पदाधिकारी, नगर निगम के प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

## चिरेका में विश्व पर्यावरण दिवस अभियान

चित्तरंजन, : रेलवे बोर्ड के निर्देश पर चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना (चिरेका) में विश्व पर्यावरण दिवस अभियान (१५ मई से ५ जून २०२६ तक ) की शुरुआत आज १५ मई २०२६ को शपथ ग्रहण कार्यक्रम के साथ की गयी। पर्यावरण संरक्षण और जागरूकता से संबंधित इस कार्यक्रम के अवसर पर महाप्रबंधक कार्यालय के स्वागत कक्ष प्रांगण में श्री मोहित चंद्रा ,महाप्रबंधक के द्वारा उपस्थित अधिकारी और कर्मचारियों को शपथ दिलाई गयी।
इस मौके पर विभागों के प्रधान मुख्य अधिकारी ,वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारीगण उपस्थित थे। शपथ ग्रहण के दौरान सभी ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपने संकल्पों को दुहराया। विश्व पर्यावरण अभियान का यह कार्यक्रम विभिन कार्यक्रम के साथ विश्व पर्यावरण दिवस ०५ जून २०२६ तक जारी रहेंगे।

## पत्रकार राजेश कुमार मिश्रा ने मगध के आई जी विकास वैभव से किया शिष्टाचार मुलाकात



गयाजी(ससे): गया जी में नवपदस्थापित मगध के आई. जी. विकास वैभव सर से शिष्टाचार मुलाकात करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। गुलदस्ता शांति का प्रतीक भगवान की प्रतिमा भेंट कर उनका स्वागत अभिनंदन किया और कुछ प्रेरणादायक पल साझा करने का अवसर मिला। उनकी सादगी, स्पष्ट सोच एवं बिहार के विकास के प्रति समर्पण वास्तव में प्रशंसनीय है। इस विच कई अहम मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया और गया जी जैसे महानगर में बढ़ रहे अपराध को लेकर चिंता जताई और उन्होंने कहा कि जल्द ही इस विषय पर सोच-विचार कर अहम कदम उठाया जाएगा और मानव सेवा करना ही मेरी पहली प्राथमिकता रहेगा साथ ही साथ अपराध को रोकने के लिए जल्द ही विशेष टीम का गठित किया जाएगा खाकी वर्दी के पीछे छिपी उनकी संवेदनशील, दूरदर्शी और राष्ट्रहित की सोच हर युवा के लिए प्रेरणा है। गया की धरती पर उनका आगमन प्रशासनिक मजबूती, नई ऊर्जा और सकारात्मक बदलाव का प्रतीक प्रतीत होता है। बिहार के गौरव, संस्कृति और युवाओं के उज्वल भविष्य को लेकर उनके विचार दिल को छू गए। उनसे हुई बातचीत ने समाज और राष्ट्र के प्रति सकारात्मक सोच को और अधिक मजबूत किया। ऐसे कर्मठ, ईमानदार एवं प्रेरणादायक अधिकारी से मिलना मेरे लिए बहुत ही गर्व और सौभाग्य की बात रही। आशा है कि उनके नेतृत्व में गया प्रमंडल विकास और जनसेवा की नई ऊँचाइयों को प्राप्त हुआ

## जनगणना 2027 के तहत उपायुक्त ने किया ऑनलाइन स्वगणना

बोकारो (ससे): शुक्रवार को गोपनीय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त अजय नाथ झा ने जनगणना २०२७ के अंतर्गत ऑनलाइन स्वगणना की प्रक्रिया संपन्न की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जनगणना देश के समग्र एवं संतुलित विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से प्राप्त आंकड़े नीतियों एवं योजनाओं के निर्माण में सहायक होते हैं।
उपायुक्त ने आम नागरिकों से अपील की कि वे घर-घर जाकर आंकड़ा संकलन करने वाले प्रगणकों का सहयोग करें, ताकि जनगणना कार्य सुचारू रूप से संपन्न हो सके। साथ ही, अपने परिवार से संबंधित सभी जानकारियां सही एवं पूर्ण रूप से दर्ज कराएं। उन्होंने कहा कि यह एक राष्ट्रीय दायित्व है, जिसमें प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है। सभी के हयोग से ही सटीक, पारदर्शी एवं विश्वसनीय आंकड़े प्राप्त किए जा सकते हैं।उपायुक्त ने जिला सांख्यिकी पदाधिकारी अशोक खालको, चार्ज ऑफिसर - बी.एस.सिटी सह सीओ चास सेवा राम साहू को निर्देश दिया कि जनगणना कार्य के सफल क्रियान्वयन हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें एवं निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्य को पूर्ण करें।

## उपायुक्त ने जनता दरबार में सुनी आमजनों की समस्याएं

गिरिडीह (ससे): उपायुक्त, रामनिवास यादव ने आज समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में जनता दरबार का आयोजन कर जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे आमजनों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना। जनता दरबार में भूमि विवाद, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राशन कार्ड, पेयजल, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, विद्युत आपूर्ति, राजस्व एवं अन्य जनहित से जुड़े मामलों को लेकर बड़ी संख्या में लोग उपस्थित हुए। उपायुक्त ने प्रत्येक मामले को संवेदनशीलता के साथ सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन आमजनों की समस्याओं के समाधान के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा जनता दरबार आम नागरिकों और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का प्रभावी माध्यम बन रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्राप्त शिकायतों का निष्पादन समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से किया जाए ताकि आमजन को अनावश्यक कार्यालयों का चक्कर न लगाना पड़े। जनता दरबार के दौरान उपायुक्त ने कई मामलों का ऑन-द-स्पॉट निष्पादन भी कराया तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि गंभीर एवं लंबित मामलों को प्राथमिकता देते हुए शीघ्र समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का मुख्य उद्देश्य आमजनों को बेहतर एवं सुगम प्रशासनिक सेवा उपलब्ध कराना है तथा प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

इस अवसर पर उपायुक्त ने जन समाधान पोर्टल की उपयोगिता पर विशेष बल देते हुए कहा कि जिला प्रशासन द्वारा विकसित यह पोर्टल आमजनों की शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने बताया कि अब नागरिक अपनी शिकायतें ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं तथा घर बैठे ही उसकी वर्तमान स्थिति को आसानी से ट्रैक कर सकते हैं। इससे शिकायतों के निष्पादन की प्रक्रिया अधिक सरल, पारदर्शी और जवाबदेह बनेगी। उपायुक्त ने कहा कि जन समाधान पोर्टल के माध्यम से शिकायतों के निष्पादन की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। संबंधित विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का निर्धारित समय सीमा के भीतर निष्पादन सुनिश्चित करें। यदि किसी मामले में लापरवाही या अनावश्यक विलंब पाया जाता है तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने आमजनों से अपील करते हुए कहा कि अपनी समस्याओं एवं शिकायतों के समाधान हेतु अधिक से अधिक जन समाधान पोर्टल का उपयोग करें।

## 22 लाख छात्रों का भविष्य अधर में : अभय

गिरिडीह (ससे): देश में लगातार हो रहे नीट पेपर लीक के खिलाफ शुक्रवार को झारखंड छात्र मोर्चा द्वारा गिरिडीह में आक्रोश मार्च निकालकर टावर चौक पर केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का पुतला दहन किया गया।
पुतला दहन के बाद झारखंड छात्र मोर्चा के नेता अभय कुमार ने कहा कि नीट का पेपर लीक होने से देश भर के नौजवानों में आक्रोश है। पेपर लीक होने से विद्यार्थियों का भविष्य अधर में है। उन्होंने कहा कि परीक्षा लेने वाले एजेंसी एनटीए पर से देश के नौजवानों का विश्वास खत्म हो गया है।

## जनगणना पदाधिकारी ने पर्यवेक्षकों के बीच किया नियुक्ति पत्र वितरित



गोविंदपुर (ससे) : जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान गोविंदपुर में चार्ज जनगणना पदाधिकारी धर्मेंद्र कुमार दुबे एवं सहायक चार्ज जनगणना पदाधिकारी जसीम अख्तर ने प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों के बीच नियुक्ति पत्र जनगणना निर्देशिका एवं संबंधित क्षेत्र का नक्शा वितरित किया। श्री दुबे ने बताया कि शनिवार से प्रगणक एवं पर्यवेक्षक अपने-अपने क्षेत्र में जाएंगे और पहले नजरी नक्शा बनाएंगे। इस काम के लिए गोविंदपुर प्रखंड में ५०८ प्रगणक और ७८ पर्यवेक्षक को लगाया गया है। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकान की गणना की जाएगी। यह अभियान १४ जून तक चलेगा। इस दौरान प्रगणक घर-घर जाएंगे। श्री दुबे ने कहा कि इसमें आम नागरिकों का सहयोग आवश्यक है।

प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों की सक्रियता से पूरे प्रखंड में जनगणना का काम सफलतापूर्वक संपन्न होगा। इसका दूसरा चरण १ फरवरी से २८ फरवरी २०२७ तक संचालित होगा। अभी किट वितरण नहीं किया गया है जिला से आने के बाद सभी को किट भी दिया जाएगा।

## एसएसपी के निर्देश पर चला एंटी क्राइम चेकिंग अभियान

धनबाद (कासं) : वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के निर्देश पर जिले भर में एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस की टीमों ने प्रमुख चौक-चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर विशेष जांच अभियान चलाया।

इस दौरान कुल १०८० वाहनों की सघन जांच की गई। पुलिस द्वारा वाहनों के कागजातों का सत्यापन किया गया तथा वाहन चालकों से आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई। जिन वाहनों के कागजात सही नहीं पाए गए उन्हें आवश्यक निर्देश भी दिए गए और चालान भी काटा गया। इसके साथ ही चेकिंग के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों की तलाशी ली गई और उनकी पहचान का सत्यापन किया गया। एसएसपी महोदय ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य अपराध पर नियंत्रण रखना, असामाजिक तत्वों पर नजर रखना और आम लोगों में सुरक्षा की भावना को मजबूत करना है।

## डीडीसी ने चास के सुनता पंचायत स्थित ज्ञान केन्द्र का किया निरीक्षण

बोकारो (ससे): शुक्रवार को उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने चास प्रखंड अंतर्गत सुनता पंचायत स्थित ज्ञान केन्द्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केन्द्र में उपलब्ध अध्ययन व्यवस्था, पठन-पाठन का वातावरण, आमजन/विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं एवं संचालन व्यवस्था का जायजा लिया।

डीडीसी ने ज्ञान केन्द्र की व्यवस्था पर संतोष जताते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों/आमजनों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में यह केन्द्र महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने पंचायत सचिव अस्मिता कुमारी को निर्देश दिया कि ज्ञान केन्द्र के ०२ किलोमीटर की परिधि में संचालित सभी शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित कर अधिक से अधिक अध्ययनरत विद्यार्थियों को ज्ञान केन्द्र से जोड़ा जाए, ताकि विद्यार्थी नियमित रूप से यहां आकर अध्ययन कर सकें और इसका लाभ उठा सकें।

## समय पर उपस्थिति और योजनाओं में तेजी लाएं, लापरवाही बर्दाश्त नहीं : रंथू महतों



गिरिडीह (ससे): उपायुक्त, रामनिवास यादव के निर्देशानुसार निदेशक डीआरडीए, रंथू महतों ने जमुआ प्रखंड कार्यालय में प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा, अबुआ आवास योजना, बायोमेट्रिक अटेंडेंस एवं अन्य विकासात्मक योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी, कर्मी एवं पंचायत स्तर के प्रतिनिधि उपस्थित थे।बैठक के दौरान निदेशक डीआरडीए ने प्रधानमंत्री आवास योजना एवं अबुआ आवास योजना के लंबित मामलों की गहन समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी योग्य लाभुकों को समयबद्ध तरीके से योजनाओं का लाभ सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कहा कि आवास योजनाएं सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में शामिल हैं और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने लाभुकों के लंबित भुगतान, निर्माण कार्य की प्रगति तथा जियो टैगिंग की स्थिति की भी जानकारी प्राप्त की। मनरेगा योजना की समीक्षा करते हुए उन्होंने अधिकाधिक मानव दिवस सृजित करने, योजनाओं को धरातल पर गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण कराने तथा मजदूरों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित विकास योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करें ताकि आम जनता को योजनाओं का वास्तविक लाभ मिल सके। बैठक के दौरान निदेशक डीआरडीए ने बायोमेट्रिक अटेंडेंस की विशेष रूप से समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सभी अधिकारी एवं कर्मी प्रतिदिन सुबह १०:३० बजे से पूर्व अपने-अपने कार्यालयों में उपस्थित होकर बायोमेट्रिक अटेंडेंस दर्ज करेंगे। उन्होंने कहा कि कार्यालय संचालन में अनुशासन एवं जवाबदेही अत्यंत आवश्यक है और इसमें किसी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि नियमित रूप से उपस्थिति की मॉनिटरिंग की जाए तथा बिना सूचना अनुपस्थित रहने वाले कर्मियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता बनाए रखने एवं आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करने पर भी

## पीवीटीजी समुदायों के लिए व्यापक जनजागरूकता एवं सेवा अभियान शुरू की जाएगी

गिरिडीह (ससे): उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, रामनिवास यादव के द्वारा जानकारी दी गई कि जिले में आदिवासी एवं विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह के कल्याणार्थ १८ मई २०२६ से २५ मई २०२६ तक विशेष जागरूकता एवं लाभुक संतृप्तिकरण अभियान संचालित किया जाएगा। इस संबंध में सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। यह अभियान जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार एवं अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, झारखंड सरकार के निर्देशानुसार आयोजित किया जा रहा है। अभियान का मुख्य उद्देश्य पीवीटीजी समुदायों तक सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाना तथा उन्हें योजनाओं से शत-प्रतिशत आच्छादित करना है। अभियान के तहत जिले के चिन्हित पीवीटीजी गांवों में आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में स्वास्थ्य जांच, विभिन्न योजनाओं से जोड़ने, आधारभूत सुविधाओं की जानकारी देने, शिकायतों के त्वरित निष्पादन तथा अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने का कार्य किया जाएगा।

आगे उपायुक्त ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत १८ मई को जन भागीदारी सप्ताह के शुभारंभ के साथ होगी। इस दौरान जिला, प्रखंड एवं पंचायत स्तर के अधिकारियों द्वारा अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। १९ मई से २५ मई तक गांवों में नियमित रूप से संतृप्तिकरण एवं स्वास्थ्य जांच शिविर लगाए जाएंगे। अधिकारी, कर्मयोगी एवं सामाजिक संगठन गांवों में भ्रमण कर वहां की वास्तविक स्थिति का आकलन करेंगे तथा लोगों को योजनाओं के प्रति जागरूक करेंगे। वहीं २१ मई से २३ मई तक जन सुनवाई कार्यक्रम आयोजित कर शिकायतों के त्वरित समाधान एवं लंबित मामलों के निष्पादन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। २४ मई को अभियान से संबंधित दस्तावेजीकरण एवं प्रगति प्रतिवेदन तैयार किया जाएगा, जबकि २५ मई को समाहरणालय में समीक्षा एवं डी-ब्रीफिंग बैठक आयोजित की जाएगी। इस दौरान अभियान की उपलब्धियों, चुनौतियों एवं भविष्य की कार्ययोजना पर चर्चा होगी।

उपायुक्त, रामनिवास यादव ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि अभियान को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ संचालित करते हुए यह सुनिश्चित करें कि कोई भी पात्र लाभुक सरकारी योजनाओं से वंचित न रहे। उन्होंने सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर अभियान को सफल बनाने पर बल दिया।

## हमारी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित व संवर्धित करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता : डॉ संजय



बोकारो (ससे): संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली के अधीनस्थ संगीत नाटक अकादमी (एस. एन. ए.) छऊ केन्द्र चंदनक्यिारी में तीन दिवसीय आवासीय मोहुरी कार्यशाला का आयोजन बड़े उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में किया जा रहा है। कार्यक्रम के प्रथम दिन प्लसटू उच्च विद्यालय के प्रधानाचार्य भक्त रंजन महतो, छऊ केंद्र के संयोजक डॉ संजय कुमार चौधरी, संगीत नाटक अकादमी नई दिल्ली से पधारे पर्यवेक्षक डॉ संतोष प्रसाद तथा एडवाइजरी कमेटी के माननीय सदस्यों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का उद्घाटन किया।
अपने संक्षिप्त संबोधन में डॉ संजय कुमार चौधरी ने मोहुरी वाद्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित एवं संवर्धित करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा देशहित में दिए गए ईंधन संरक्षण एवं ऊर्जा संचय संबंधी संदेश को भी उपस्थित लोगों के बीच साझा किया तथा सभी से ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया।

इस कार्यशाला में उड़ीसा से १०, सरायकेला झारखंड से १०, पुरुलिया पश्चिम बंगाल से १० प्रतिभागियों सहित स्थानीय दो सरकारी विद्यालयों के २० छात्र-छात्राओं ने भाग ले रहे हैं। प्रतिभागियों को मोहुरी वादन का प्रशिक्षण देने हेतु उड़ीसा से टारजन गड़ई, पश्चिम बंगाल से जागरू कालिंदी तथा सरायकेला झारखंड से मिहिर लाल महतो जी विशेष रूप से उपस्थित हैं। कार्यक्रम में अवॉर्डी गुरु साधुचरण महतो, एडवाइजरी कमेटी के माननीय सदस्य हराधन महतो जी एवं एडवाइजरी कमेटी के पूर्व माननीय सदस्य पागुलु जेना जी ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराते हुए प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में केंद्र के कर्मीगण दिलीप जेना, विजय कुमार एवं आशुतोष कुमार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक - गणेश मिश्रा. फोन - 9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

# डीडीसी ने जलापूर्ति शुरू करने का दिया निर्देश

**धनबाद (कासं) :** उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने जल एवं स्वच्छता समिति की समीक्षा की। इस क्रम में बलियापुर फेज १, मोहिलिडीह लटानी रूपण ग्रामीण जलापूर्ति योजना तथा टुंडी फेज १ जलापूर्ति योजना की समीक्षा के दौरान उन्होंने पाया कि जलापूर्ति योजना का काम श्री राम ईपीसी वर्षों से कर रही है। बारंबार समय लेने और कर्मचारियों को पेमेंट नहीं करने से जलापूर्ति बाधित है। जिससे दोनों प्रखंड की बड़ी आबादी पेयजल से वंचित है।

श्री राम ईपीसी की कार्य के प्रति लापरवाही एवं कार्यप्रणाली पर उप विकास आयुक्त ने कड़ी नाराजगी प्रकट की। उन्होंने एजेंसी को साफ शब्दों में कहा कि हर हाल में दोनों प्रखंडों में जलापूर्ति शुरू होनी चाहिए। कंपनी के डीजीएम को फटकार लगाते हुए कहा कि लापरवाही के कारण राज्य सरकार की बनी बनाई संपत्ति एवं राशि बर्बाद हो रही है। अगर यही रवैया रहा तो कंपनी पर सरकारी संपत्ति जबरन जब्त रखने की नामजद प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। उप विकास आयुक्त ने कहा कि मुख्यमंत्री जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देते है। लेकिन कंपनी मुख्यमंत्री की परिकल्पना के विपरीत कार्यप्रणाली अपना रही है। उन्होंने डीजीएम को कर्मियों का बकाया भुगतान कर जलापूर्ति शुरू करने का निर्देश दिया। वहीं बाघमारा फेज २ में काम कर रही आदित्य आरव डेवलपमेंट कंपनी को योजना में विलंब करने के लिए कड़ी फटकार लगाई।



कंपनी को ४५० किलोमीटर पाइपलाइन लगानी थी। लेकिन अब तक केवल २० किलोमीटर पाइप लाइन लगाई है। कंपनी के पास रॉ मैटेरियल भी नहीं है। कम मानव बल लगाकर वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का काम कर रही है। फटकार लगाते हुए उप विकास आयुक्त ने कहा कि राज्य सरकार की बड़ी पूंजी लगने के बाद भी लाखों ग्रामीण पानी के लिए परेशान है। यदि दोनों कंपनियों से काम नहीं हो रहा है तो वे सरेंडर कर दे। बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त ने निरसा उत्तर एवं निरसा दक्षिण जलापूर्ति योजना, हर घर जल योजना, स्वच्छ भारत मिशन, जल जीवन मिशन, गोबर गैस प्लांट, प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट, शहरी जलापूर्ति योजना, ग्राम जल स्वच्छता समिति सहित अन्य योजनाओं की समीक्षा की।

ग्राम जल स्वच्छता समिति की समीक्षा के बाद उन्होंने सभी जल सहियाओं को ७ दिन में उनके पास जमा राशि समिति के बैंक अकाउंट में जमा कराने का निर्देश दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त सन्नी राज, पीएचईडी १ के कार्यपालक अभियंता रंजीत कुमार ठाकुर, पीएचईडी २ के कार्यपालक अभियंता मुकेश कुमार मंडल, सभी प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी, कनीय अभियंता व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

# भविष्य का भारत कार्यक्रम धनबाद में शुरु

**धनबाद (कासं) :** अखिल भारतीय जन विज्ञान नेटवर्क एवं भारत ज्ञान विज्ञान समिति के संयुक्त तत्वावधान में पूरे देश में भविष्य का भारत अभियान चलाया जा रहा है, जिसका नारा है -आज जो है, उससे बेहतर चाहिए। इस राष्ट्रव्यापी अभियान की शुरुआत विगत १ मई से पूरे देश में हो चुकी है। इसी क्रम में धनबाद में इस अभियान को लेकर एक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

भारत विविधताओं में एकता का देश है, जहाँ विभिन्न भाषाओं, धर्मों और संस्कृतियों के लोग साथ रहते हैं। ऐसे देश को किस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए, विकास का स्वरूप कैसा हो तथा आम लोगों को वर्तमान चुनौतियों का सामना किस प्रकार करना पड़ेगा -इन विषयों पर विचारविमर्श के लिए धनबाद में इस संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में अपना वक्तव्य रखते हुए भारत ज्ञान विज्ञान समिति के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. काशीनाथ चटर्जी ने कहा कि पूरे देश में भारत के भविष्य पर -आज जो है, उससे बेहतर नामक अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत शिक्षा, स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन के आम लोगों पर पड़ने वाले प्रभाव जैसे मुद्दों पर व्यापक संवाद किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस संवाद अभियान की शुरुआत जनवरी माह में भोपाल में आयोजित एक चिंतन शिविर से हुई थी। उस कार्यक्रम के बाद अभियान की सामग्री तैयार की गई तथा राज्य स्तर पर बैठकें, चिंतन शिविर और कार्यशालाएँ आयोजित की गई, जो आगामी १ मई २०२७ तक चलेगा। इस दौरान विभिन्न मुद्दों पर लोगों के साथ संवाद और जनचर्चा आयोजित की जाएगी। सीटू यूनियन के नेता रामकृष्ण पासवान ने भी इस अभियान का समर्थन करते हुए कहा कि झारखंड में आयोजित हो रहे झारखंड महोत्सव के साथ इस अभियान को जोड़कर एक साझा जनअभियान बनाया जाएगा। जनवादी युवा साथी विकास कुमार ठाकुर ने कहा कि वे पिछले २६ वर्षों से विज्ञान आंदोलन से जुड़े हुए हैं और इस अभियान को कला जत्था तथा जनसंवाद के माध्यम से गाँव-गाँव तक पहुँचाया जाएगा।

भारत ज्ञान विज्ञान समिति की राष्ट्रीय कार्यनीति के सदस्य रवि सिंह ने कहा कि हर पंचायत में जनसंवाद और जनसुनवाई का आयोजन किया जाएगा। इन कार्यक्रमों में शिक्षा, स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। लोगों की वर्तमान समस्याएँ क्या हैं, उन्हें क्या सुविधाएँ चाहिए, सरकार से क्या मिल रहा है तथा भविष्य की कार्ययोजना कैसी हो -इन सभी विषयों पर विस्तृत बातचीत की जाएगी। जनवादी महिला समिति की नेत्री रानी मिश्रा ने अपने वक्तव्य में कहा कि हम महिलाओं की स्थिति का अध्ययन करेंगे।

विकाश गुप्ता ने कहा कि धनबाद में एक वर्ष तक यह कार्यक्रम चलेगा। इस कार्यक्रम में ज्ञान विज्ञान समिति के सचिव भोलाराम, जिला कमिटी के सदस्य मैत्री गुप्ता, मधेश्वरी, हेमंत कुमार जायसवाल तथा मधुमिता मिस्त्री तथा अन्य साथियों ने भी अपने विचार रखा।

# बीसीसीएल में राजभाषा क्रियान्वयन का निरीक्षण

**धनबाद (कासं) :** कोयला मंत्रालय के आर्थिक सलाहकार एवं राजभाषा प्रभारी माणिक चन्द्र पंडित के नेतृत्व में अधिकारियों की एक टीम ने भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) मुख्यालय सहित कुसुंडा, गोविंदपुर, सिजुआ, ब्लॉक२ एवं बरोरा क्षेत्रों के राजभाषा क्रियान्वयन का निरीक्षण किया। निरीक्षण दल में विशाल, सहायक निदेशक (राजभाषा), दिलीप कुमार सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) तथा शशिकांत भटनागर शामिल थे।



इस अवसर पर बीसीसीएल प्रबंधन की ओर से निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैया, महाप्रबंधक (राजभाषा) मनीष मिश्रा, उदयवीर सिंह, प्रबंधक (राजभाषा) सहित कोयला भवन मुख्यालय एवं विभिन्न क्षेत्रों के क्षेत्रीय प्रबंधक (मानव संसाधन) सहित नोडल राजभाषा अधिकारी और राजभाषा संवर्ग के कर्मचारी उपस्थित रहें।

टीम ने इस दौरान सीएमपीडीआईएल, धनबाद के राजभाषा क्रियान्वयन की भी समीक्षा की, जिसमें सीएमपीडीआईएल क्षेत्रीय कार्यालय२ के क्षेत्रीय निदेशक एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कोयला मंत्रालय की टीम द्वारा मुख्यालय एवं विभिन्न क्षेत्रों में राजभाषा के उपयोग, अभिलेखों के संधारण, पत्राचार, आधिकारिक कार्यों में हिंदी के प्रयोग तथा संबंधित प्रावधानों के अनुपालन की समग्र समीक्षा की गई। साथ ही राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन को और सुदृढ़ बनाने हेतु आवश्यक सुझाव एवं मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया।

अपने संबोधन में माणिक चन्द्र पंडित ने कहा कि कोयला मंत्रालय द्वारा सभी अनुषंगी कंपनियों में राजभाषा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नियमित रूप से इस प्रकार के निरीक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मंत्रालय का उद्देश्य केवल औपचारिक अनुपालना तक सीमित न रहकर राजभाषा हिंदी के व्यावहारिक एवं व्यापक उपयोग को प्रोत्साहित करना है, ताकि प्रशासनिक कार्यों में सरलता, पारदर्शिता एवं प्रभावशीलता सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने बीसीसीएल में राजभाषा क्रियान्वयन के स्तर की सराहना करते हुए इसे उत्कृष्ट बताया तथा इस दिशा में निरंतरता बनाए रखने के साथसाथ और अधिक सुदृढ़ प्रयास करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैया ने कहा कि बीसीसीएल राजभाषा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है तथा संगठन के सभी स्तरों पर हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हिंदी की सरलता, सहजता एवं व्यापक स्वीकार्यता इसे प्रशासनिक कार्यों के लिए उपयुक्त बनाती है। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे अपने दैनिक कार्यों में हिंदी के प्रयोग को प्राथमिकता दें और राजभाषा के प्रचारप्रसार में सक्रिय भूमिका निभाएं। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रबंधक (राजभाषा) उदयवीर सिंह ने किया गया।

## ब्लड बैंक के साथ संस्थाओं से सहयोग की अपील

**सिंदरी (ससे) :** धनबाद जिले के ब्लड बैंकों के ड्राई पड़ने से उत्पन्न हालात से निपटने तथा एसएनएमएमसीएच और स्वैच्छिक



रक्तदाता संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने को लेकर अधीक्षक कार्यालय कक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एसएनएमएमसीएच के अधीक्षक डॉ. गिंदोड़िया ने की। बैठक में मुख्य रूप से थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने, नए रक्तदाताओं को जागरूक करने, स्वैच्छिक रक्तदाता संस्थाओं को सहयोग प्रदान करने, निजी ब्लड बैंकों के साथ समन्वय स्थापित करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में रक्तदान के महत्व और आवश्यकता के प्रति लोगों को जागरूक करने जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक के दौरान जन अधिकार मंच के अध्यक्ष रंजीत कुमार ने नए क्षेत्रों को चिन्हित कर रक्तदान जागरूकता अभियान चलाने तथा इसके लिए एक प्रभावी एसओपी तैयार करने का सुझाव दिया। वहीं गोपाल भट्टाचार्य ने रक्तदाता संस्थाओं को प्रोत्साहित करने और सरकार के स्तर पर बेहतर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में ब्लड बैंक प्रभारी सहित रेड क्रॉस सोसायटी के सचिव कौशलेंद्र सिंह, बेनजीर, सौरभ सिंह, अनिता अग्रवाल, ब्लड बैंक के टेक्नीशियन संजीव कुमार, अशोक कुमार, गुणाधर एवं विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में सभी उपस्थित सदस्यों ने रक्त संकट से निपटने के लिए सामूहिक प्रयास करने तथा अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया।

# डीजलपेट्रोल के बढ़े दाम से जनता कर रही त्राहित्राहि

**धनबाद (कासं) :** मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और अमेरिका, इजराइल व ईरान के बीच जारी संघर्ष का असर अब भारत में भी दिखाई देने लगा है। कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बाद देशभर समेत धनबाद में डीजल और पेट्रोल के दाम बढ़ा दिए गए हैं। डीजल और पेट्रोल दोनों में तीन-तीन रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है, जिससे आम लोगों की परेशानी बढ़ गई है। नई कीमतें लागू हो गई हैं। पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ने का सीधा असर आम जनता और ट्रांसपोर्ट व्यवस्था पर पड़ रहा है। देश में मालवाहक और यात्री परिवहन का बड़ा हिस्सा डीजल पर निर्भर है। ऐसे में ईंधन महंगा होने से बाजार में रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों पर भी असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। धनबाद के लोगों का कहना है कि पहले से ही महंगाई की मार झेल रही जनता पर अब पेट्रोलडीजल की बढ़ी कीमतों ने अतिरिक्त बोझ डाल दिया है। लोगों का कहना है कि यदि ईंधन के दाम लगातार बढ़ते रहे तो आने वाले दिनों में आम जरूरत की चीजें भी महंगी हो सकती हैं।

अधिवक्ता सुभाष राय ने कहा कि मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण देशभर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि हुई है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि अगर यह बढ़ोतरी चुनाव से पहले होती तो जनता इसकी असल वजह बेहतर तरीके से समझ पाती, लेकिन चुनाव खत्म होने के बाद दाम बढ़ाना कई सवाल खड़े करता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वाहनों के कम इस्तेमाल की अपील का जिक्र करते हुए कहा कि एक ओर केंद्र सरकार सादगी और ईंधन बचत की बात करती है, वहीं दूसरी ओर नेताओं के बड़े काफिले जारी हैं। उन्होंने इसे भाजपा की दोहरी नीति बताया। वहीं अभिषेक दास ने



कहा कि पेट्रोलडीजल की कीमतों में बढ़ोतरी केवल धनबाद या झारखंड तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे देश में हुई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अंतर्राष्ट्रीय हालात सामान्य होने के बाद कीमतों में राहत मिल सकती है।

## युवक ने की फांसी लगाकर आत्महत्या



मृतक का फाईल फोटो

**गोविंदपुर (ससे) :** जीटी रोड कांड्रा के समीप रहने वाले विश्वनाथ यादव के ३८ वर्षीय पुत्र मैनेजर यादव ने बीती रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उनके पिता पहले खटाल चलाते थे। मैनेजर वर्तमान में बेरोजगार था। उसके परिवार में पत्नी, दो पुत्री एवं एक पुत्र है। इस घटना से परिवार पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा है। घटना की खबर सुनकर पुलिस इंस्पेक्टर विष्णु प्रसाद राउत एवं राजेंद्र राम घटना स्थल पर पहुंचे और पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद गोविंदपुर पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया और रात में अंतिम क्रिया कर दी गई। इस घटना से इलाके में मातम है। आत्महत्या के कारण का पता नहीं चल पाया है।

# नगर निगम में लगेगी शहीद शक्ति नाथ महतो की तस्वीर

**कतरास (ससे) :** धनबाद नगर निगम की बोर्ड बैठक में वार्ड संख्या ५ की पार्षद निरुपमा देवी द्वारा एक सराहनीय प्रस्ताव रखा गया है। उन्होंने निगम कार्यालय में झारखंड आंदोलन के प्रणेता और प्रखर नेता शहीद शक्ति नाथ महतो की आदमकद तस्वीर लगाने की मांग की है। पार्षद के इस जनहित और ऐतिहासिक प्रस्ताव की चौतरफा सराहना हो रही है।



इस ऐतिहासिक पहल से हर्षित होकर 'शहीद शक्ति नाथ महतो स्मारक समिति' के सदस्यों ने पार्षद निरुपमा देवी से मुलाकात की। समिति के सदस्यों ने उन्हें गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया।

पार्षद निरुपमा देवी ने इस सम्मान के लिए समिति का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शहीदों का सम्मान हम सभी का नैतिक कर्तव्य है और वे इस प्रस्ताव को निगम से पास कराने के लिए पूरी कोशिश करेंगी।

शहीद शक्तिनाथ महतो का योगदान और बलिदान झारखंड के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज है। नगर निगम में उनका छायाचित्र लगने से हमारी आने वाली नई पीढ़ी को उनके संघर्षों और आदर्शों से प्रेरणा मिलेगी।

शहीद शक्ति नाथ महतो के विचारों को आगे बढ़ाने वाले समिति के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे, जिनमें मुख्य रूप से शामिल शिवप्रसाद महतो (सचिव, स्मारक समिति), नरेश महतो, दिनेश महतो, शिवानंद पाडे आदि मौजूद थे।

# टीटीई की संवेदनशीलता से दृष्टिबाधित यात्री को मिली सहायता

**धनबाद (कासं) :** धनबाद मंडल के गोमो स्टेशन पर कार्यरत टिकट जांच कर्मचारी अभिनव कुमार आनंद एवं विवेक कुमार रवि ने मानवीय संवेदनशीलता एवं तत्परता का परिचय देते हुए एक दृष्टिबाधित यात्री की सहायता कर सराहनीय कार्य किया। उक्त यात्री एक आंख से पूर्णतः दृष्टिहीन हैं तथा दूसरी आंख से भी उन्हें स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं देता। उचित जानकारी के अभाव में उन्हें गया से हावड़ा जाने वाली ट्रेन में यात्रा करनी थी, लेकिन वे गलती से दूसरी ट्रेन में सवार हो गए। यात्रा के दौरान सहयात्रियों द्वारा जानकारी दिए जाने पर वे गोमो स्टेशन पर उतर गए। गोमो स्टेशन पर ड्यूटी पर तैनात टीटीई अभिनव कुमार आनंद एवं विवेक कुमार रवि ने यात्री की



स्थिति को समझते हुए उन्हें सही जानकारी प्रदान की तथा सुरक्षित रूप से उचित प्लेटफॉर्म तक पहुंचाकर गाड़ी संख्या १३५०४ हटियाबर्द्धमान मेमू एक्सप्रेस बैठाने में सहायता की। रेल प्रशासन द्वारा दोनों कर्मचारियों के इस मानवीय एवं सराहनीय कार्य की प्रशंसा की गई।

# बीसीसीएल में एमएमडीआर अधिनियम के प्रावधानों पर कार्यशाला

**धनबाद (कासं) :** सामुदायिक भवन, कोयला नगर में बीसीसीएल द्वारा एमएमडीआर अधिनियम के अंतर्गत हालिया अधिसूचनाओं के अनुपालन में प्रदत्त शक्तियों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु बीसीसीएल अधिकारियों एवं सीआईएसएफ कर्मियों के लिए एकदिवसीय महत्वपूर्ण कार्यशालासह-प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।



कार्यक्रम में सीएमडी बीसीसीएल मनोज कुमार अग्रवाल ने बतौर मुख्य अतिथि अपनी सहभागिता की। इस अवसर पर निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैया, निदेशक (तकनीकी) संजय कुमार सिंह, वरीय सुरक्षा सलाहकार, विपुल शुक्ला, डीआईजी (सीआईएसएफ) जीतेंद्र तिवारी सहित कोयला भवन मुख्यालय के सभी महाप्रबंधकगण, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, सभी क्षेत्रीय महाप्रबंधक, सीआईएसएफ बीसीसीएल यूनिट, क्षेत्रीय कार्यालयों के वरीय सीआईएसएफ अधिकारी एवं कर्मी तथा सुरक्षा बल के जवान बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि एवं प्रशिक्षक के रूप में उच्च न्यायालय, झारखंड के वरीय अधिवक्ता अनूप कुमार मेहता तथा जिला एवं सत्र न्यायालय, धनबाद के वरीय अधिवक्ता शाहनवाज़ हुसैन उपस्थित रहे। दोनों विधि विशेषज्ञों ने तकनीकी सत्रों के माध्यम से उपस्थित प्रतिभागियों को एमएमडीआर अधिनियम, १९५७ के विभिन्न प्रावधानों एवं उनके व्यावहारिक क्रियान्वयन पर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया।

प्रथम तकनीकी सत्र में अनूप कुमार मेहता ने 'एमएमडीआर अधिनियम, १९५७ की धारा २२, २३बी एवं २४ के अंतर्गत जारी अधिसूचनाओं के आलोक में अवैध खनन एवं कोयला चोरी पर नियंत्रण के सुदृढ़ उपाय' विषय पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने अधिनियम से संबंधित प्रमुख प्रावधानों, विधिक परिभाषाओं, प्रक्रियात्मक पहलुओं तथा प्रवर्तन से जुड़ी व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही उन्होंने व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से यह स्पष्ट किया कि किस प्रकार इन प्रावधानों का प्रभावी उपयोग कर अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाया जा सकता है तथा संबंधित एजेंसियों के बीच समन्वय को और सुदृढ़ किया जा सकता है।

द्वितीय तकनीकी सत्र में शाहनवाज़ हुसैन ने 'एमएमडीआर अधिनियम, १९५७ के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का क्रियान्वयन' विषय पर प्रतिभागियों को मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने अधिनियम के अंतर्गत अधिकारियों को प्राप्त शक्तियों, उनके विधिक दायरे, क्रियान्वयन की प्रक्रिया तथा व्यवहारिक चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि इन प्रावधानों के प्रभावी अनुपालन हेतु विधिक समझ, समन्वित प्रयास एवं जवाबदेही की भावना आवश्यक तथा महत्वपूर्ण है।

कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान, कोल इंडिया गीत तथा अतिथियों के औपचारिक स्वागत के साथ की गई। स्वागत संबोधन निदेशक (तकनीकी/संचालन) संजय कुमार सिंह ने किया और कार्यक्रम के उद्देश्य, महत्व एवं आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

अपने संबोधन में सीएमडी मनोज कुमार अग्रवाल ने कहा कि एमएमडीआर अधिनियम के प्रावधानों का प्रभावी क्रियान्वयन अवैध खनन एवं खदानों की सुरक्षा जैसी चुनौतियों से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम अधिकारियों एवं सुरक्षा बलों को विधिक प्रावधानों की समुचित समझ प्रदान करते हैं, जिससे वे अपने दायित्वों का निर्वहन अधिक प्रभावी ढंग से कर सकें। उन्होंने बीसीसीएल एवं सीआईएसएफ के बीच बेहतर समन्वय, सतर्कता एवं त्वरित कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया, जिससे संगठन की परिसंपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि विधायी प्रावधानों की बेहतर समझ एवं प्रशासनिक दक्षता के समन्वय से ही अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण संभव है, और इस दिशा में सभी संबंधित पक्षों को सक्रिय एवं जिम्मेदार भूमिका निभानी होगी।

समापन सत्र में उपस्थित सभी प्रतिभागियों एवं प्रशिक्षकों के बीच एक संवादात्मक सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें सीआईएसएफ एवं बीसीसीएल अधिकारियों ने अधिनियम से संबंधित अपने प्रश्नों एवं जिज्ञासाओं को साझा किया तथा विशेषज्ञों से उनके समाधान प्राप्त किए। सत्र का समापन कंपनी के वरीय सुरक्षा सलाहकार विपुल शुक्ला के समापन संबोधन से हुआ। मंच संचालन विभागाध्यक्ष (विधि) डॉ. कुमार शरत सिन्हा ने किया।

# 17 करोड़ की चांदी ले जा रही वैन का भीषण हादसा, 2 की मौत

मुंबई, (ईएमएस): मुंबई से सटे पालघर जिले में मुंबई-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर चारोटी फ्लाईओवर के पास शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। ६०० किलो चांदी लेकर गुजरात के वापी जा रही एक वैन अनियंत्रित होकर पहले डिवाइडर से टकराई और फिर दूसरी लेन में जाकर एक ट्रेलर से भिड़ गई। इस भीषण दुर्घटना में वैन सवार दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, मुंबई की नाकोडा बुलियन कंपनी से गुजरात के वापी स्थित मोदीसन लिमिटेड के लिए २० चांदी की प्लेट्स भेजी जा रही थीं। इन प्लेट्स का कुल वजन करीब ६०० किलो और अनुमानित कीमत लगभग १७ करोड़ ६६ लाख रुपये बताई जा रही है।

पुलिस के मुताबिक, एमएच-४८-बीएम-३००१ नंबर की वैन चालक का नियंत्रण खोने के बाद डिवाइडर से टकराकर मुंबई लेन में पहुंच गई, जहां सामने से आ रहे ट्रेलर से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। कासा पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और करोड़ों रुपये की चांदी को सुरक्षित कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। ऑल इंडिया वाहन चालक महासंघ के प्रवक्ता हर्बंस सिंह नन्नाडे ने बताया कि हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। चारोटी क्षेत्र में लगातार हो रहे हादसों के कारण एक बार फिर मुंबई-अहमदाबाद हाईवे की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। इस इलाके में कई ब्लैक स्पॉट होने की बात सामने आती रही है, लेकिन उन्हें हटाने में अब तक सफलता नहीं मिली है। गौरतलब है कि टाटा कंपनी के सायरस मिस्त्री की भी इसी हाईवे पर सड़क हादसे में मौत हुई थी। उस घटना के बाद हाईवे सुरक्षा को लेकर बड़े दावे किए गए थे, लेकिन स्थिति में ज्यादा सुधार नहीं दिखाई दे रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हादसों के बाद राहत और बचाव कार्य से ज्यादा माल लूटने की घटनाएं भी सामने आती हैं, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

## बंगाल और असम मॉडल पर आगे बढ़ेगी चुनावी राजनीति

नई दिल्ली (ईएमएस): भारत की राजनीति में हालिया चुनावी नतीजों के बाद एक नई बहस शुरू हो गई है। असम और पश्चिम बंगाल में मिली राजनीतिक सफलता के बाद अब यह चर्चा तेज है कि क्या यही चुनावी रणनीति आने वाले विधानसभा चुनावों में पूरे देश में अपनाई जाएगी। खासकर २०२७ में होने वाले बड़े चुनावों को देखते हुए राजनीतिक दलों ने अपनी रणनीतियां तेज कर दी हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि असम और पश्चिम बंगाल में जिस तरह पहचान, सुरक्षा, क्षेत्रीय अस्मिता, महिला भागीदारी और सामाजिक ध्रुवीकरण जैसे मुद्दों को एक साथ जोड़कर चुनावी अभियान चलाया गया, उसने मतदाताओं के बीच मजबूत असर छोड़ा। अब यही रणनीति अन्य राज्यों में भी दिखाई दे सकती है।

उत्तर प्रदेश को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा है, क्योंकि यहां चुनावी गणित बाकी राज्यों से अलग माना जाता है। यहां जातीय समीकरण, धार्मिक पहचान, क्षेत्रीय प्रभाव और सामाजिक गठजोड़ एक साथ चुनावी परिणाम तय करते हैं।

## एटीएफ पर वैट 18 प्रतिशत से घटाकर 7 प्रतिशत किया

मुंबई, (ईएमएस)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण बढ़ी विमान ईंधन कीमतों और हवाई मार्गों पर पड़े असर के बीच महाराष्ट्र सरकार ने विमान कंपनियों को बड़ी राहत दी है। राज्य सरकार ने एव्हिएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) पर लगने वाला वैट (वैट) १८ प्रतिशत से घटाकर ७ प्रतिशत करने का फैसला लिया है।

वित्त विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार नया कर दर १५ मई २०२६ से लागू होगा और १४ नवंबर २०२६ तक प्रभावी रहेगा। सरकार के इस फैसले से एटीएफ पर ११ प्रतिशत की सीधी कटौती हुई है, जिससे विमान कंपनियों के ईंधन खर्च में कमी आने की संभावना है। भारतीय एयरलाइंस के कुल संचालन खर्च में ईंधन की हिस्सेदारी लगभग ३५ से ४० प्रतिशत तक होती है। ऐसे में इस टैक्स कटौती को विमानन उद्योग के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है। दरअसल पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के चलते सप्लाई चेन प्रभावित हुई है और कई देशों के हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध लगाए गए हैं। इसके कारण उड़ानों के रूट लंबे हो गए हैं और विमान कंपनियों की लागत बढ़ गई है।

इसी के मद्देनजर केंद्रीय नागर विमानन मंत्रालय ने महाराष्ट्र, दिल्ली, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों से एटीएफ पर टैक्स कम करने को लेकर चर्चा की थी। देश में एटीएफ पर सबसे ज्यादा वैट लगाने वाले राज्यों में तमिलनाडु (२९ प्रतिशत), दिल्ली (२५ प्रतिशत) और महाराष्ट्र शामिल थे। महाराष्ट्र में पहले १८ प्रतिशत वैट लिया जा रहा था, जिसे अब घटाकर ७ प्रतिशत कर दिया गया है। इस बीच शुक्रवार को ही पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है, जबकि विमान ईंधन पर टैक्स कम किया गया है।

इसे लेकर अब आम लोगों के बीच चर्चा शुरू हो गई है कि सरकार क्या अब आम जनता को भी राहत देने के लिए कदम उठाएगी ?

## उद्योग मंत्री पीयूष ने प्राकृतिक हीरा क्षेत्र में विश्वसनीयता को मजबूत करने के लिए उठाया कदम



नई दिल्ली (ईएमएस): भारत की अध्यक्षता में मुंबई में आयोजित किम्बर्ली प्रक्रिया (केपी) अंतरसत्रीय बैठक २०२६ का समापन हुआ। इस बैठक में प्राकृतिक हीरा क्षेत्र के भविष्य से जुड़े विषयों पर केपी प्रतिभागियों, पर्यवेक्षकों, उद्योग हितधारकों और नागरिक समाज संगठनों के प्रतिनिधियों ने चार दिनों तक एक मंच पर विचार-विमर्श किया।

केंद्रीय उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अंतरसत्रीय सम्मेलन के समापन अवसर पर कहा कि भारत, हीरा तराशने और पॉलिश करने के मामले में विश्व के अग्रणी केंद्र के साथ-साथ प्राकृतिक हीरों को विश्वास, जिम्मेदारी और साझा समृद्धि का प्रतीक बनाए रखने में केपी की महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देता है। उन्होंने कहा कि भारत की अध्यक्षता में, देश विश्वसनीयता, अनुपालन और उपभोक्ता विश्वास (३सी) को बढ़ावा देने और तेजी से विकसित हो रहे वैश्विक बाजार में केपी की प्रासंगिकता को मजबूत करने के लिए सभी प्रतिभागियों और हितधारकों के साथ मिलकर कार्य करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

पीयूष गोयल ने कहा कि प्राकृतिक हीरा क्षेत्र उत्पादक, प्रसंस्करण और उपभोक्ता देशों में लाखों लोगों की आजीविका का आधार है और भारत एक ऐसे केपी का समर्थन करना जारी रखेगा जो मजबूत, पारदर्शी और उद्योग तथा उपभोक्ता दोनों की अपेक्षाओं के प्रति उत्तरदायी हो। भारत की अध्यक्षता में आयोजित तीन सी (विश्वसनीयता, अनुपालन और उपभोक्ता विश्वास) के विषय के अंतर्गत आयोजित इस अंतरसत्रीय सम्मेलन में किम्बर्ली प्रक्रिया ढांचे के भीतर विश्वास, पारदर्शिता और सहयोग को मजबूत करने पर आगे चर्चा हुई।

अंतरसत्रीय बैठक के दौरान, कार्य समूहों और समितियों ने निगरानी, तकनीकी प्रक्रियाओं, शासन, सांख्यिकी और पारंपरिक उत्पादन पर विस्तृत चर्चा की, जिसमें पारदर्शिता को मजबूत करने, परिचालन तंत्र में सुधार करने और प्राकृतिक हीरे की मूल्य श्रृंखला में विश्वास को सुदृढ़ करने पर निरंतर ध्यान केंद्रित किया गया।

केपी चेयर २०२६ सुचिंद्र मिश्रा ने कहा कि मुंबई अंतरसत्रीय सम्मेलन के दौरान हासिल की गई प्रगति प्रतिभागियों और पर्यवेक्षकों की किम्बरली प्रक्रिया को विश्वसनीय, प्रासंगिक और वैश्विक हीरा व्यापार एवं उपभोक्ता अपेक्षाओं की बदलती गतिशीलता के प्रति उत्तरदायी बनाए रखने की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि विश्वास प्राकृतिक हीरा व्यापार की आधारशिला है। उन्होंने हीरा मूल्य श्रृंखला में जिम्मेदार स्रोत, पारदर्शिता और विश्वास के स्तंभ के रूप में किम्बरली प्रक्रिया को सुदृढ़ करने के महत्व पर प्रकाश डाला।

अंतरसत्रीय सम्मेलन में किम्बर्ली प्रक्रिया के सकारात्मक प्रभाव को अंतिम उपभोक्ताओं तक बेहतर ढंग से पहुंचाने के लिए संचार और जागरूकता प्रयासों को बढ़ाने के महत्व की भी जानकारी दी गई, जिसमें जिम्मेदार स्रोत प्रथाओं, विकास परिणामों और उत्पादक देशों और समुदायों में आजीविका सहायता शामिल है।

## उन्नाव रेप केसः सुप्रीम कोर्ट से कुलदीप सेंगर को झटका, रद्द हुआ हाईकोर्ट का फैसला



नई दिल्ली,(ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट ने उन्नाव रेप मामले में अहम फैसला सुनाकर पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को बड़ा झटका दे दिया है। शीर्ष अदालत ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस फैसले को रद्द किया हैं, जिसमें सेंगर की उम्रकैद की सजा निलंबित की गई थी।

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जोयमाल्या बागची की पीठ ने मामले को नए सिरे से सुनवाई के लिए वापस उच्च न्यायालय भेज दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की अपील को स्वीकार कर दिल्ली उच्च न्यायालय को निर्देश दिया है कि वह सेंगर के दोषसिद्धि और उम्रकैद की सजा के खिलाफ दायर याचिका पर दो माह के भीतर फैसला करने का प्रयास करे। यह फैसला तब आया है जब बीते साल दिसंबर में दिल्ली उच्च न्यायालय ने सेंगर को जमानत पर रिहा करने और उनकी उम्रकैद की सजा को निलंबित करने का आदेश दिया था। इस आदेश पर पीड़िता और आम जनता में गहरा आक्रोश देखने को मिला था, जिसके बाद सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। इसके पहले २९ दिसंबर को भी सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय के जमानत के आदेश पर रोक लगा दी थी।

शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान, सेंगर की ओर से वरिष्ठ वकील एन. हरिहरन ने दलील दी कि घटना के समय पीड़िता नाबालिग नहीं थी। हालांकि, सीबीआई की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील का पुरजोर विरोध किया। सॉलिसिटर जनरल मेहता ने कहा कि उच्च न्यायालय का यह मानना गलत है कि एक विधायक लोक सेवक नहीं होता।

## दाऊद के 500 करोड़ की समुद्र किनारे वाली संपत्तियां ईडी ने की जब्त

मुंबई, (ईएमएस) : मुंबई में अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के करीबी और ड्रग तस्कर इक़बाल मिर्ची से जुड़ी वरली स्थित तीन बड़ी संपत्तियों को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जब्त कर लिया है। जब्त की गई इमारतों में सी व्यू, मरियम लॉज और राबिया मैनशन शामिल हैं। समुद्र किनारे स्थित इन प्रॉपर्टीज की कीमत करीब ५०० करोड़ रुपये बताई जा रही है। ईडी के अनुसार, ये संपत्तियां वर्ष १९८६ में एक पार्टनरशिप फर्म के जरिए खरीदी गई थीं और बाद में इन्हें सर मोहम्मद युसुफ ट्रस्ट के नाम पर रखा गया।

जांच एजेंसी का आरोप है कि इस ट्रस्ट का इस्तेमाल केवल फ्रंट के तौर पर किया गया था। साथ ही, वर्ष २००५ में गलत जानकारी देकर इन संपत्तियों को अटैचमेंट से मुक्त कराने का भी आरोप लगाया गया है। विशेष पीएमएलए कोर्ट ने इकबाल मिर्ची के परिवार को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित करते हुए संपत्तियों की जब्ती को मंजूरी दे दी है। करीब ४९७०.४१ वर्ग मीटर यानी लगभग १.२ एकड़ में फैली ये संपत्तियां पहले भी पीएमएलए कानून के तहत अटैच की गई थीं, लेकिन अब भगोड़ा आर्थिक अपराधी कानून (एफईओ) के तहत दोबारा जब्ती की अनुमति दी गई है।

बताया जा रहा है कि एक समय ये तीनों इमारतें सीधे समुद्र किनारे थीं। अब ये प्लॉट समुद्र महल जैसी आलीशान इमारत के पास स्थित हैं। एफईओ कानून के तहत किसी आरोपी को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किए जाने के बाद उसकी संपत्तियों को जब्त करने और उनका लिलाव करने के अधिक अधिकार एजेंसियों को मिल जाते हैं। पिछले तीन महीनों में ईडी ने एफईओ कानून के तहत इकबाल मिर्ची और उससे जुड़े लोगों की कई अन्य संपत्तियां भी जब्त की हैं।

## सनातन धर्म पर उदयनिधि की सफाई, मंदिरों में जाने या भगवान में आस्था के खिलाफ नहीं

चेन्नई,(ईएमएस): तमिलनाडु के पूर्व उप मुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म को खत्म करने वाले अपने बयान पर दो दिन बाद सफाई दी है। उदयनिधि ने बताया कि उनके बयान को गलत समझा गया है और वे लोगों के मंदिरों में जाने या भगवान में आस्था के खिलाफ नहीं हैं। उदयनिधि के अनुसार, सनातन खत्म का अर्थ जाति के आधार पर होने वाले भेदभाव और विभाजनकारी सोच का अंत करना है।

उदयनिधि ने पोस्ट में लिखा, तमिलनाडु विधानसभा में जब मैंने कहा था कि लोगों को बांटने वाले सनातन को खत्म होना चाहिए, तब कुछ लोग मेरी आलोचना कर रहे हैं। लेकिन मैं ऐसी आलोचनाओं से डरने वाला नहीं हूं। उन्होंने कहा कि द्रविड़ आंदोलन हमेशा विरोध के बीच ही आगे बढ़ा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनका मतलब यह नहीं है कि कोई मंदिर न जाए, बल्कि यह कि मंदिरों में और समाज में सभी को बराबरी का अधिकार मिले। उनका लक्ष्य उस सोच को खत्म करना है जो लोगों को ऊंची और नीची जाति में बांटती है। बात दें कि यह पहली बार नहीं है जब उदयनिधि ने सनातन धर्म पर इसतरह की विवादित टिप्पणी हो।


**झारखण्ड सरकार, कार्यपालक अभियंता का कार्यालय**
**ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, धनबाद**
मोबाईल नं० : 7061981397 Email : rdsd.dhanbad@rediffmail.com

पत्रांक:–457 धनबाद/दिनांक– 15.05.2026

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ई0– निविदा सूचना संख्या – 09/2026-27/RDSD/EE/Dhanbad/3rd Call

1. कार्य की विस्तृत विवरणी:–

| क्र0 सं० | कार्य का नाम | प्राक्कलित राशि (लाख में) | अग्रधन की राशि | परिमाण विपत्र का मूल्य | कार्य पूर्ण करने की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | Construction of Health Sub Centre Under PM Ayushmaan Bharat Health Infrastructure Mission Scheme (PM- ABHIM) at Kadeya Panchayat in Tundi Block Dhanbad District | 55.50 | परिमाण विपत्र की राशि 2% | 10000.00 | 9 महीना |

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि –22.05.2026
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय–दिनांक 22.05.2026 से दिनांक 29.05.2026 को अपराह्न 5:00 बजे तक।
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, धनबाद।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय– 01.06.2026 अपराह्न 2:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– ई0 बेनीलाल मंराडी, कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, धनबाद।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 7061981397 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
8. Office Help Line No. 9835146652
9. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
10. जिस संवेदक का इस प्रमंडल में पूर्व से आवंटित कोई कार्य लंबित है अथवा उनका कार्यान्वयन संतोषजनक नहीं रहा है, उन्हें कार्य आवंटन पर विचार नहीं किया जायेगा।
11. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
12. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो सारी जबावदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

PR.NO.379913 REO(26-27):D
कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, धनबाद



**जिला परिषद् कार्यालय, धनबाद।**

शुद्धि पत्र

जिला परिषद, धनबाद कार्यालय के 627, दिनांक–05.05.2026 द्वारा प्रकाशित **अति अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना संख्या : 23/2025-26/DE/ZPDH/Dhanbad/3rd Call** के **PR 379077 (Rural Development) 25-26*D** में आंशिक संशोधन किया जाता है जो निम्नवत है :–

| क्र | विवरणी | पूर्व निर्धारित तिथि | संशोधित तिथि |
|---|---|---|---|
| 1 | वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि | 09-05-2026 | 16-05-2026 |
| 2 | ई0–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि | 18-05-2026 | 23-05-2026 |
| 4 | निविदा खोलने कि तिथि | 20-05-2026 | 25-05-2026 |

अन्य समय एवं शर्ते यथावत रहेंगे।

ह0/–
जिला अभियंता,
जिला परिषद, धनबाद।

PR 379884 (Rural Development) 26-27 (D)



**कार्यालय, धनवार नगर पंचायत**

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– 04/2026–27

1. निविदादाता का नाम : कार्यपालक पदाधिकारी, धनवार नगर पंचायत।
2. परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि, समय एवं स्थान : दिनांक–16.05.2026 अप0 3:00 बजे तक, धनवार नगर पंचायत।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक– 23.05.2026 अप0 2:00 बजे तक
4. निविदा खोलने की तिथि, समय एवं स्थान : दिनांक– 23.05.2026 अप0 3:00 बजे धनवार नगर पंचायत।
5. कार्य की विवरणी :–

| क्र0सं0 | ग्रुप सं0 | योजना का नाम | प्राक्कलित राशि | अग्रधन की राशि | परिमाण विपत्र का मूल्य | कार्य समाप्ति अवधि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 1 | DNP/04/2026-27/01 | वार्ड सं0– 04, थाना परिसर आवास के सामने पेवर्स ब्लॉक का कार्य। | 771400.00 | 2% of Tender Value | 5000.00 | 60 दिन |
| 2 | DNP/04/2026-27/02 | वार्ड सं0– 04, थाना परिसर कार्यालय के सामने पेवर्स ब्लॉक का कार्य। | 878000.00 | 2% of Tender Value | 5000.00 | 60 दिन |

(नोट : नियम एवं शर्ते धनवार नगर पंचायत कार्यालय के सूचना पट्ट पर पर देखा जा सकता है।)

ह0/–
कार्यपालक पदाधिकारी,
धनवार नगर पंचायत

PR 379868 Urban Development and Housing(26-27).D



**जिला परिषद कार्यालय, धनबाद।**

शुद्धि पत्र

जिला परिषद, धनबाद कार्यालय के 626, दिनांक–05.05.2026 द्वारा प्रकाशित अति अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना संख्या : 26/2025-26/DE/ZPDH/Dhanbad/2nd Call के PR 379073 (Rural Development) 25-26•D में आंशिक संशोधन किया जाता है जो निम्नवत है :–

| क्र | विवरणी | पूर्व निर्धारित तिथि | संशोधित तिथि |
|---|---|---|---|
| 1 | वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि | 09-05-2026 | 16-05-2026 |
| 2 | ई0–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि | 18-05-2026 | 23-05-2026 |
| 4 | निविदा खोलने कि तिथि | 20-05-2026 | 25-05-2026 |

अन्य समय एवं शर्ते यथावत रहेंगे।

ह0/–
जिला अभियंता,
जिला परिषद, धनबाद।

PR 379885 Rural Development(26-27)D



**कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, लघु सिंचाई प्रमंडल, जामताड़ा।**

ई–निविदा आमंत्रण सूचना / Two Envelope System

e-Tender Reference No. : W.R.D./M.I.D./JAMTARA/F2-04/2026-27 Dated :- 14/05/2026

| क्र० | योजना का नाम | प्रखण्ड | प्राक्कलित राशि (लाख में) | अग्रधन की राशि (रुपये में) | परिमाण विपत्र का मूल्य (रुपये में) | वेबसाईट में ई–निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय | वेबसाईट में ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय | ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय | ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी के कार्यालय का नाम एवं पता | ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का मोबाईल नम्बर | कार्य समाप्ति की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
| 1 | Development & Beautification of Island Area and Hill Area of Ladhna Dam | जामताड़ा | 1,77,72,877.00 | 3,56,000.00 | 10,000.00 | 19/05/2026 (पूर्वाहन 10.30 बजे से) | 29/05/2026 (अपराहन 05.00 बजे तक) | 01/06/2026 (अपराहन 12.30 बजे) | कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमंडल, जामताड़ा। | 8405978740 | 11 माह |

(1) केवल ई–निविदा ही स्वीकार किया जायेगा। (2) निविदा शूल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा ही स्वीकार्य होगी।
(3) निविदा शूल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो सारी जवाबदेही संबंधित निविदादाता की होगी।
(4) प्राक्कलित राशि घट बढ़ सकती है। अग्रधन की राशि परिमाण विपत्र की राशि के अनुसार होगी। (5) राज्य सरकार के द्वारा निर्गत सभी अद्यतन आदेश/परिपत्र लागु होंगे।
(6) विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट http://jharkhandtenders.gov.in में लॉगइन करें।

PR 379911 (Minor Irrigation) 26-27 (D)

कार्यपालक अभियंता,
लघु सिंचाई प्रमंडल, जामताड़ा।



**कार्यालय नगर परिषद मिहिजाम**
nagarpanchayatmihijam@yahoo.in

होर्डिंग बन्दोबस्ती आमंत्रण सूचना संख्या–UDHD/NPM/2026-27/03

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि होर्डिंग शुल्क बन्दोबस्ती दिनांक–28.05.2026 को अपराह्न 03:00 बजे से नगर परिषद मिहिजाम नया कार्यालय भवन के सभागार में प्रोक्यूरमेन्ट कमिटि की बैठक में आम डाक (उच्चतम डाक) द्वारा किया जायेगा।

डाक में भाग लेने वाले इच्छुक व्यक्ति/फर्म/कम्पनी बन्दोबस्ती हेतु आवेदन विहित प्रपत्र में जमा करना आवश्यक है, जो इस कार्यालय से 5000.00 (पाँच हजार) रुपये मात्र – (Not Refundable) जमा कर पावती रशीद प्राप्त कर दिनांक– 18.05.2026 से दिनांक–26.05.2026 तक (कार्यालय अवधि में) नगर परिशद मिहिजाम नया कार्यालय भवन से प्राप्त किया जा सकता है एवं दिनांक–28.05.2026 के अपराह्न 01:00 बजे तक अपना प्रस्ताव/आवेदन (अग्रधन की राशि एवं आवश्यक प्रमाण पत्रों के साथ) नगर परिषद मिहिजाम नया कार्यालय भवन के निविदा पेटी में जमा कर सकते है।

होर्डिंग शुल्क बन्दोबस्ती की सूची :–

| क्र0 सं0 | वसूली/कार्य का प्रकार | निर्धारित क्षेत्र | बन्दोबस्ती की अवधि | न्यूनत्तम डाक बोली की राशि (रुपये में) | डाक में भाग लेने हेतु सुरक्षित जमा राशि (रुपये में) |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | होर्डिंग शुल्क बन्दोबस्ती | सम्पूर्ण नगर परिषद मिहिजाम | वित्तीय वर्ष 2026–27 की अवधि (दिनांक–01.06.2026 से दिनांक–31.03.2027) तक के लिए | 650000.00 | 162500.00 |

नोट – 1. अग्रधन राशि का मूल्य Miscellaneous Collection Nagar Parishad Mihijam के नाम से निर्गत एवं मिहिजाम में भुगतेय बैंक ड्राफ्ट/बैंकर्स चेक संलग्न करना अनिवार्य होगा।
2. होर्डिंग बन्दोबस्ती आमंत्रण सूचना संख्या–UDHD/NPM/2026-27/03 से संबंधित नियम, शर्ते एवं अन्य विस्तृत जानकारी नगर परिशद मिहिजाम कार्यालय के सूचना पट्ट से प्राप्त किया जा सकता है। साथ ही जिले के वेबसाईट www.jamtara.nic.in पर देखा जा सकता है।

PR 379918 Urban Development and Housing(26-27)#D

कार्यपालक पदाधिकारी,
नगर परिषद, मिहिजाम

# बिहार पुलिस में 20 हजार 937 पदों पर जल्द शुरू होगी भर्ती प्रक्रिया

**पटना (एजेंसी):** बिहार पुलिस में भर्ती का सपना देख रहे नौजवानों के लिए खुशखबरी है. सम्राट चौधरी की सरकार ने बिहार पुलिस में बंपर भर्ती निकाली है. गृह विभाग ने पुलिस बहाली से जुड़ा अहम नोटिफिकेशन जारी कर दिया है. राज्य में कुल २० हजार ९३७ पदों को भरने की प्रक्रिया तय की गई है.

इनमें १० हजार ४६८ पदों पर सीधी नियुक्ति की जाएगी, जबकि १० हजार ४६९ पद विभागीय प्रोन्नति के जरिए भरे जाएंगे. युवाओं के लिए बिहार पुलिस में नौकरी का बड़ा मौका माना जा रहा है. पुलिस व्यवस्था और कानून-व्यवस्था दोनों मजबूत होंगे. अब जल्द ही भर्ती प्रक्रिया और प्रोन्नति को लेकर आगे की कार्रवाई शुरू होगी.

उधर बिहार पुलिस विभाग में विशेष सहायक पुलिस के रिक्त पदों पर भर्ती निकाली गई है. इसमें भारतीय सेना और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों से सेवानिवृत्त जवानों को मौका दिया जाएगा. अगर रिटायर जवान आगे सरकारी नौकरी पाना चाहते हैं, वे इसके लिए आवेदन कर सकते हैं. यह भर्ती बिना लिखित परीक्षा, शारीरिक दक्षता परीक्षण के होगी. जानकारी के मुताबिक, इस भर्ती को पूरा करवाने की जिम्मेदारी दानापुर कैंट को दी गई है. वे इस भर्ती के माध्यम से कुल १५८२१ रिक्त पदों को भरेंगे. इस भर्ती में शामिल होने के लिए अभ्यर्थी का शारीरिक रूप से फिट होना चाहिए और उसे हथियार चलाने आने चाहिए.

२० मई को ६५वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल परिसर में बिहार पुलिस के नवप्रशिक्षुओं का दीक्षांत परेड (पासिंग आउट परेड) समारोह आयोजित किया जाएगा. इस समारोह में प्रशिक्षण पूरा करने वाले जवान औपचारिक रूप से पुलिस सेवा के लिए तैयार घोषित किए जाएंगे. जानकारी के मुताबिक, कुल २३० नवप्रशिक्षु प्रशिक्षण के लिए ६५वीं वाहिनी एसएसबी बगहा पहुंचे थे. प्रशिक्षण के दौरान तीन प्रशिक्षु विभिन्न कारणों से वापस लौट गए. इसके बाद २२७ नवप्रशिक्षुओं ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया.

## रणबीर कपूर ने भी खरीदी रामनगरी में जमीन

**अयोध्या (ईएमएस) :** श्रीराम की नगरी अयोध्या को लेकर बॉलीवुड के कलाकारों की दिलचस्पी लगातार बढ़ रही है. महानायक अमिताभ बच्चन के बाद अभिनेता रणबीर कपूर ने भी अयोध्या में २.४२ करोड़ की जमीन का एग्रीमेंट कराया है. रजिस्ट्री बाद में कराई जाएगी। यह जमीन 'द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा ग्रुप' की परियोजना में ली जा रही है.

इससे पहले बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने पहले ही सरयू तट पर दो जमीनें खरीदीं और एक का एग्रीमेंट कराया है. अब दिवंगत अभिनेता ऋषि कपूर के बेटे रणबीर कपूर ने भी सरयू तट पर जमीन खरीदने के लिए एग्रीमेंट कराया है. बताया गया है कि अभिनेता रणबीर के पांवर ऑफ अटार्नी ने गुरुवार को १९८.२६ वर्ग मीटर जमीन का एग्रीमेंट द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा ग्रुप के साथ किया है.

# सम्राट चौधरी सरकार ने किया प्रशासनिक फेरबदल

**पटना (एजेंसी):** बिहार में सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली सरकार में शासन व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने की कवायद तेज हो गई है. इसी प्रशासनिक सुधार को लेकर १५ मई २०२६ को सामान्य प्रशासन विभाग ने अधिसूचना जारी की गई है, जिसके तहत राज्य के कई वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में व्यापक बदलाव किए गए हैं. इस फेरबदल का मुख्य उद्देश्य सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाना और विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है.

अधिसूचना के अनुसार, वरिष्ठ अधिकारी के. सेंथिल कुमार को श्रम संसाधन विभाग का अपर मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है, जबकि पंकज के. पाल को पथ निर्माण विभाग के सचिव की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है. प्रशासनिक अनुभव को देखते हुए प्रेम सिंह मीणा को भागलपुर प्रमंडल का प्रभार दिया गया है और पूर्णिया के जिलाधिकारी अंशुल कुमार को अब पूर्णिया प्रमंडल के आयुक्त पद का अतिरिक्त जिम्मा मिला है. शिक्षा और खेल जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों की कमान विनोद सिंह गुंजियाल को सौंपी गई है, वहीं हिमांशु शर्मा अब विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के कार्यों को देखेंगे.

इसके साथ ही ए. के. सिंह को सूचना प्रावैधिकी विभाग, धर्मेंद्र कुमार सिंह को गन्ना उद्योग और दीपक आनंद को खाद्य एवं उपभोक्ता विभाग का सचिव बनाया गया है. खान एवं भूतत्व विभाग की जिम्मेदारी अवनीश कुमार सिंह को दी गई है. यह बड़े पैमाने पर किया गया स्थानांतरण दर्शाता है कि सरकार विकास की नई प्राथमिकताओं के साथ अपनी कोर टीम को मजबूती प्रदान कर रही है, ताकि जनहित के कार्यों को प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारा जा सके.

## ब्लैकआउट के दौरान व्यापारी की हत्या

**पटना (एजेंसी):** राजद नेता तेजस्वी यादव ने गुरुवार को ब्लैकआउट के दौरान पटना में हुई एक व्यापारी की हत्या को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने सोशल मीडिया (द) पोस्ट करते हुए सरकार पर गंभीर आरोप लगाया। बिहार में अब अधिकृत तौर पर सरकार अपराधियों की सहयोगी बन चुकी है।

तेजस्वी ने घटना के क्रोनोलॉजी पर सवाल उठाते हुए कहा कि राजधानी पटना में सरकार द्वारा ब्लैकआउट किया गया, जिसे अपराधियों ने एक सुनहरे अवसर में बदल दिया। ब्लैकआउट के महज पांच मिनट बाद ही अपराधियों ने एक व्यापारी को गोली मार दी। अंधकार का पूरा फायदा उठाकर अपराधी वारदात को अंजाम देकर आसानी से फरार हो गए, जबकि घायल व्यापारी ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। तेजस्वी का आरोप है कि इस ब्लैकआउट का इस्तेमाल अपराधियों ने एक सोची-समझी साजिश के तहत हत्या करने के लिए किया।

अधिकृत तौर पर सरकार अपराधियों की सहयोगी बन चुकी है। सरकार ने ब्लैकआउट किया और पटना में इस ब्लैकआउट को सुनहरे अवसर में परिवर्तित करते हुए अपराधियों ने एक व्यापारी को गोली मार दी। ब्लैकआउट के पाँच मिनट बाद हुए इस अपराधिक कृत्य से कई गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

इस सनसनीखेज वारदात के बाद तेजस्वी ने सीधे सरकार की नीयत और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं।

## डालमिया समूह करेगा 1000 करोड़ का निवेश

**पटना (एजेंसी):** बिहार में औद्योगिक विकास को नई रफ्तार देने की दिशा में राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। राज्य निवेश प्रोत्साहन बोर्ड की ६७वीं बैठक में डालमिया समूह की दो बड़ी सीमेंट परियोजनाओं को स्टेज-१ क्लीयरेंस प्रदान किया गया। मुजफ्फरपुर के महवल औद्योगिक क्षेत्र में ₹५७३.१५ करोड़ की लागत से २.५ चढ़ाव-क्षमता वाली डालमिया भारत ग्रीन विजन लिमिटेड की इकाई स्थापित होगी, जबकि किशनगंज में ₹५७३.७६ करोड़ के निवेश से डालमिया सीमेंट (नॉर्थ ईस्ट) लिमिटेड की २.५ चढ़ाव- क्षमता की फैक्ट्री लगेगी।

उद्योग मंत्री श्रेयसी सिंह ने कहा कि राज्य सरकार निवेशकों को बेहतर सुविधाएं, त्वरित स्वीकृति और पारदर्शी व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि बिहार तेजी से देश के प्रमुख औद्योगिक गंतव्यों में अपनी पहचान बना रहा है। वहीं उद्योग विभाग के सचिव सह बियाडा एवं आइडा के प्रबंध निदेशक कुंदन कुमार ने कहा कि बड़े औद्योगिक समूह अब बिहार को विस्तार के लिए मजबूत गंतव्य के रूप में देख रहे हैं और डालमिया समूह की परियोजनाओं को मिली स्वीकृति इसी विश्वास का प्रतीक है।

बैठक में डालमिया समूह के अलावा अंबुजा, केएनएसजी एल्युमिनम प्राइवेट लिमिटेड, एस राजदेव बिल्ड्स एलएलपी, आइकॉन स्पाइरल इलेक्ट्रोनिक्स प्राइवेट लिमिटेड, सीता एग्रो फूड प्रोडक्ट और एसएपीएल इंडस्ट्रीज़ प्राइवेट लिमिटेड समेत कई निवेश प्रस्तावों पर भी मुहर लगी। एसआईपीबी की बैठक में कुल ₹२४८४.०६ करोड़ की १६ परियोजनाओं को स्टेज-१ क्लीयरेंस दिया गया, जबकि ₹४६.८६ करोड़ की ४ परियोजनाओं को वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई।

सरकार का मानना है कि इन परियोजनाओं से बिहार में रोजगार सृजन, औद्योगिक उत्पादन और क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

## दिवंगत कार्यपालक पदाधिकारी कृष्ण भूषण की पत्नी को मिलेगी सरकारी नौकरी

**सुल्तानगंज (एजेंसी):** मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने स्व० कृष्ण भूषण कुमार की पत्नी शालू कुमारी को सरकारी नौकरी देने की घोषणा की है. कृष्ण भूषण कुमार सुल्तानगंज नगर परिषद् के कार्यपालक पदाधिकारी थे। २८ अप्रैल को अपराधियों द्वारा गोली मारकर की गई थी हत्या। २५ लाख रुपये की अनुग्रह राशि की पहले ही मंजूरी दे दी थी.

दिवंगत कार्यपालक कृष्ण भूषण कुमार की धर्मपत्नी शालू कुमारी और उनके परिजनों ने आज मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान पीड़ित परिवार ने मुख्यमंत्री को अपनी वर्तमान स्थिति, भरण-पोषण की दिक्कतों और अन्य गंभीर समस्याओं से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने पूरे परिवार की बातें अत्यंत संवेदनशीलता के साथ सुनीं और उन्हें ढांढस बंधाते हुए राज्य सरकार की तरफ से हरसंभव मदद और सुरक्षा का पूरा भरोसा दिलाया। साथ ही कहा कि राज्य सरकार पीड़ित परिवार के प्रति पूरी संवेदनशीलता रखती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि नियमानुसार स्व० कृष्ण भूषण कुमार की पत्नी शालू कुमारी को जल्द से जल्द सरकारी नौकरी प्रदान की जाए, ताकि परिवार को आर्थिक संबल मिल सके। गौरतलब है कि बीते २८ अप्रैल को कार्यपालक कृष्ण भूषण कुमार की अपराधियों द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी। इस दुखद घटना के बाद राज्य सरकार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़ित परिवार के आश्रितों के लिए २५ लाख रुपये की अनुग्रह राशि को पहले ही मंजूरी दे दी थी।

## स्टार क्रिकेटर इशान किशन को शानदार प्रदर्शन के लिए मिला 1 करोड़

**पटना (एजेंसी):** मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भारतीय क्रिकेट टीम के उभरते सितारे और बिहार की शान इशान किशन को उनकी शानदार खेल उपलब्धियों के लिए १ करोड़ रुपये का प्रोत्साहन चेक देकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित गरिमामय समारोह में मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार की ओर से इशान किशन को यह सम्मान राशि सौंपी।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने इशान किशन की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर न केवल भारतीय टीम में जगह बनाई है, बल्कि पूरी दुनिया में बिहार का नाम भी रोशन किया है। उन्होंने कहा कि इशान की सफलता बिहार के उन लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देखते हैं। उन्होंने आगे कहा कि उनकी सरकार बिहार में खेलों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि १ करोड़ रुपये की यह प्रोत्साहन राशि सिर्फ एक पुरस्कार नहीं, बल्कि राज्य के प्रतिभावान खिलाड़ियों के प्रति सरकार के भरोसे और सम्मान का प्रतीक है.

उन्होंने भरोसा दिलाया कि अब बिहार के खिलाड़ियों को सुविधाओं के अभाव में पलायन नहीं करना पड़ेगा। राज्य सरकार 'मेडल लाओ, नौकरी पाओ' जैसी योजनाओं के साथ-साथ खिलाड़ियों को आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराती रहेगी। सम्मान प्राप्त करने के बाद इशान किशन ने मुख्यमंत्री और बिहार सरकार का आभार जताया। उन्होंने कहा कि अपनी जन्मभूमि से मिलने वाला प्यार और सम्मान किसी भी खिलाड़ी के लिए सबसे बड़ी ताकत होती है.

## ब्राह्मण समुदाय पर भाटी के बयान पर भड़कीं मायावती

**लखनऊ,(ईएमएस) :** बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की मुखिया और पूर्व सीएम मायावती ने समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रवक्ता राजकुमार भाटी द्वारा ब्राह्मण समुदाय पर की गई कथित विवादित टिप्पणी को लेकर सपा और उसके प्रमुख अखिलेश यादव पर बड़ा हमला किया है। मायावती ने सपा नेता भाटी के बयान को अभद्र और अशोभनीय बताकर अखिलेश यादव से सार्वजनिक रूप से ब्राह्मण समाज से माफी मांगने की मांग की।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया देकर मायावती ने कहा कि भाटी की टिप्पणी ने समाज में भारी आक्रोश पैदा किया है, जिसके बाद पुलिस ने मुकदमा भी दर्ज किया है। उन्होंने सपा के शीर्ष नेतृत्व के इस मामले पर खामोशी को गंभीर बताया, जिससे स्थिति और अधिक तनावपूर्ण होती जा रही है। बसपा प्रमुख ने जोर दिया कि सपा मुखिया को इस गैर-जिम्मेदाराना बयान के कारण ब्राह्मण समाज के सम्मान को पहुंची ठेस को गंभीरता से लेना चाहिए और तत्काल माफी मांगकर पश्चाताप करना चाहिए।

मायावती ने आरोप लगाया कि इस प्रकरण से साबित होता है कि सपा का दलितों, अति-पिछड़ों और मुस्लिम समाज की तरह ब्राह्मण समाज-विरोधी जातिवादी चाल-चरित्र बदला नहीं है, बल्कि और गहरा हुआ है। उन्होंने बसपा के सर्वसमाज हित को रेखांकित कर कहा कि उनकी पार्टी में ब्राह्मण समाज को भी हमेशा उचित आदर-सम्मान और भागीदारी दी गई है, यूज एंड थ्रो की नीति नहीं लागू की।

गौरतलब है कि सपा नेता भाटी ने हाल ही में ब्राह्मण समाज को लेकर कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिसके बाद राजनीतिक गलियारों और सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। बयान को लेकर कई संगठनों ने विरोध दर्ज कराया था। इस विवाद के बाद, सपा नेता भाटी ने अपनी सफाई में कहा था कि उनकी मंशा किसी समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाने की नहीं थी और उन्होंने सार्वजनिक रूप से खेद व्यक्त करते हुए माफी मांगी थी।

## यूपी में दलित राजनीति का बदलेगा समीकरण

**लखनऊ(ईएमएस) :** बिहार की राजनीति में अपनी धाक जमाने के बाद केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) अब उत्तर प्रदेश के चुनावी मैदान में उतरने को तैयार है। राजधानी लखनऊ में मुख्यमंत्री आवास के बाहर लगे लोजपा के पोस्टरों ने सियासी सरगर्मी तेज कर दी है। इन पोस्टरों पर लिखा नारा- क्यों मांगे नेता उधार, जब अपना नेता है तैयार- सीधे तौर पर दलित समाज को एक नया विकल्प देने की कवायद माना जा रहा है। लोजपा (रा) के सांसद अरुण भारती ने संकेत दिए हैं कि पार्टी आगामी यूपी विधानसभा चुनाव में सभी ४०३ सीटों पर चुनाव लड़ने की रणनीति बना रही है। पार्टी केवल बिहार से सटे जिलों तक सीमित न रहकर पूरे प्रदेश में बूथ स्तर पर संगठन खड़ा कर रही है। चिराग की इस सक्रियता ने भाजपा, सपा और बसपा तीनों के लिए चिंता की लकीरें खींच दी हैं।

चिराग की यह रणनीति एनडीए के अन्य सहयोगियों जैसे ओम प्रकाश राजभर और संजय निषाद के लिए भी चुनौती पेश करेगी, क्योंकि वे भी पिछड़ों और वंचितों की राजनीति करते हैं। गौरतलब है कि इससे पहले २०२२ में बिहार के ही नेता मुकेश सहनी ने यूपी में चुनाव लड़ने की कोशिश की थी, जिसके बाद भाजपा ने कड़ा रुख अपनाते हुए उन्हें गठबंधन से बाहर कर दिया था। अब देखना यह होगा कि २०२७ के महासंग्राम में भाजपा चिराग की इस प्रेशर पॉलिटिक्स से कैसे निपटती है। मायावती के गिरते ग्राफ के बीच चिराग पासवान की एंट्री बसपा के कैडर वोट में बड़ी सेंध लगा सकती है। यदि दलित युवाओं को चिराग में भविष्य दिखा, तो बसपा के लिए अपनी जमीन बचाना मुश्किल होगा। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फॉर्मूले को भी इससे चुनौती मिल सकती है। लोकसभा चुनाव में सपा की ओर मुड़ा दलित वोट बैंक अब चिराग की ओर आकर्षित हो सकता है। जहां तक भाजपा का सवाल है तो चिराग केंद्र में भाजपा के सहयोगी हैं, लेकिन यूपी में उनके स्वतंत्र चुनाव लड़ने से भाजपा के पाले में आया गैर-जाटव दलित वोट बैंक छिटक सकता है।

## प्रेमी के साथ मिलकर अपने ही घर में डलवा दी डकैती

**लखनऊ,(ईएमएस):** उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में ११ मई की सुबह एक पीतल कारोबारी के घर हुई सवा करोड़ रुपये की सनसनीखेज डकैती का पुलिस ने खुलासा कर दिया है।

चौंकाने वाली बात यह है कि इस पूरी वारदात की मास्टरमाइंड कारोबारी मोहम्मद इमरान की बेटी अरीबा ही निकली। अरीबा ने अपने प्रेमी अरशद वारसी और उसके साथियों के साथ मिलकर अपने ही घर में डाका डलवाया था।

पुलिस जांच में सामने आया कि अरीबा और अमरोहा निवासी अरशद वारसी के बीच पिछले सात-आठ वर्षों से प्रेम संबंध थे। अलग जाति होने के कारण शादी में आ रही बाधाओं को दूर करने और एक नई जिंदगी शुरू करने के लिए दोनों ने दौलत जुटाने की खौफनाक योजना बनाई। अरीबा को घर की आर्थिक स्थिति और रखे हुए कैश की पूरी जानकारी थी, जिसका फायदा उठाकर उसने इस साजिश को अंजाम दिया।

यह डकैती महज एक इत्तेफाक नहीं, बल्कि एक महीने से तैयार की जा रही योजना थी। अरीबा ने वारदात से एक महीने पहले ही घर के मुख्य गेट की चाबियां अपने प्रेमी को सौंप दी थीं। ११ मई की सुबह करीब चार बजे, जब पूरा परिवार सो रहा था, अरीबा ने अंदर से डिजिटल लॉक खोलकर बदमाशों को घर में प्रवेश कराया। तमंचों से लैस बदमाशों ने परिवार को बंधक बनाया और सवा करोड़ रुपये नकद लूट लिए। साक्ष्य मिटाने के लिए आरोपी सीसीटीवी का डीवीआर भी अपने साथ उखाड़ ले गए थे।

मुरादाबाद पुलिस ने तकनीकी जांच और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद शक होने पर जब कड़ियां जोड़ीं, तो मामला घर के भीतर से ही जुड़ा पाया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी अरीबा, उसके प्रेमी अरशद और तीन अन्य साथियों को गिरफ्तार कर लिया है। इनके कब्जे से ४७ लाख २४ हजार रुपये की नकदी, चार तमंचे, पांच मोबाइल और वारदात में इस्तेमाल की गई दो कारें बरामद हुई हैं। पुलिस फिलहाल फरार अन्य साथियों की तलाश और शेष राशि की बरामदगी के लिए छापेमारी कर रही है। इस घटना ने समाज और रिश्तों के बीच बढ़ते अपराध के ग्राफ पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

# 24 घंटे के भीतर प्रभावित परिवारों तक राहत पहुंचे : योगी

**लखनऊ,(ईएमएस):** उत्तर प्रदेश में बीते ३६ से ४८ घंटों के दौरान आए भयंकर आंधी-तूफान, भारी बारिश और बिजली गिरने से व्यापक तबाही हुई है। १३ और १४ मई को राज्य के विभिन्न हिस्सों में प्राकृतिक कहर ने १११ लोगों की जान ले ली, जबकि ७२ अन्य घायल हो गए। इस भीषण त्रासदी में जान-माल का भारी नुकसान हुआ है, जिसकी गूंज विदेशों तक पहुंची है और कई वैश्विक नेताओं ने इस पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

इस दुखद घटना पर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। क्रेमलिन द्वारा जारी बयान के अनुसार, पुतिन ने प्राकृतिक आपदा में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति सहानुभूति जताकर और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने उत्तर प्रदेश में चक्रवात से हुई भारी क्षति और जानमाल के नुकसान पर अपनी संवेदनाएं प्रकट करते हुए पीड़ितों के परिवारों और मित्रों को समर्थन का संदेश भेजा। सिंगापुर के उच्चायुक्त साइमन वोंग ने एक्स के माध्यम से बरेली सहित प्रभावित क्षेत्रों में हुए नुकसान पर दुख व्यक्त किया और पीड़ित परिवारों के लिए प्रार्थना की। इसी क्रम में, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के विदेश मंत्रालय ने भी बयान जारी कर भारत के प्रति एकजुटता दिखाते हुए इस भीषण तूफान से हुई मौतों और नुकसान पर गहरी संवेदनाएं प्रकट कीं।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस बेमौसम बारिश, आंधी और बिजली गिरने से हुई क्षति का संज्ञान लिया। उन्होंने अधिकारियों को युद्ध स्तर पर काम करने और २४ घंटे के भीतर प्रभावित परिवारों तक राहत पहुंचाने के निर्देश दिए। राहत आयुक्त कार्यालय के अनुसार, राज्य में १११ मौतों के साथ-साथ १७० पशुओं की हानि हुई और २२७ घरों को नुकसान पहुंचा है।

मुख्यमंत्री योगी ने सभी संभागीय आयुक्तों और जिलाधिकारियों को घटनाओं की पूरी संवेदनशीलता के साथ जांच करने, प्रभावित परिवारों से सीधा संवाद स्थापित करने और उन्हें तत्काल वित्तीय सहायता सुनिश्चित करने का आदेश दिया। राहत आयुक्त कार्यालय जिला अधिकारियों के साथ लगातार समन्वय बनाए हुए है और आवश्यक धन उपलब्ध करा रहा है। सीएम योगी ने जिलाधिकारियों और विभिन्न विभागों के अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने और पीड़ितों को हर संभव सहायता प्रदान करने के निर्देश भी दिए हैं।

उन्होंने अधिकारियों को अलर्ट रहने और बीमा कंपनियों के साथ-साथ राजस्व व कृषि विभाग को नुकसान का सर्वेक्षण कर सरकार को रिपोर्ट सौंपने का भी आदेश दिया। आंधी-तूफान और बारिश से सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों में प्रयागराज में २६, मदोही में १६, फतेहपुर में नौ, बदायूं में पांच, प्रतापगढ़ में चार, चंदौली और कुशीनगर में दो-दो तथा सोनभद्र में एक व्यक्ति की मौत दर्ज की गई। कानपुर देहात और देवरिया में भी बिजली गिरने से दो-दो लोगों की जान चली गई। अधिकारियों ने बताया कि कई स्थानों पर पेड़ गिरने, मकानों, शेडों और दीवारों के ढहने से यह जनहानि हुई।

राज्य सरकार स्थिति पर कड़ी नजर बनाए हुए है और प्रभावितों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

# उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने समाहरणालय का किया निरीक्षण, आई कार्ड नहीं पहनने वाले कर्मचारी को शोकॉज

**रांची (एजेंसी):** रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री शुक्रवार को एक्शन मोड में नजर आए। उन्होंने समाहरणालय स्थित विभिन्न कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया, झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा (बैकलॉग) प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा-२०२५ की तैयारियों की समीक्षा की और गेतलसूद डैम परिसर में बन रहे कम्युनिटी सेंटर की प्रगति को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक की।

**आई कार्ड नहीं पहनने पर लिपिक को शोकॉज**

शाम ४:३५ बजे उपायुक्त ने समाहरणालय के विभिन्न कार्यालयों का निरीक्षण कर पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति जांची। अनुपस्थित कर्मियों के अवकाश आवेदन की भी समीक्षा की गई।

निरीक्षण के दौरान पंचायती राज कार्यालय में एक लिपिक के पहचान पत्र नहीं पहनने पर उपायुक्त ने शोकॉज जारी करने का निर्देश दिया।

उन्होंने सभी कर्मचारियों को पहचान पत्र धारण करने और टेबल पर नेम प्लेट प्रदर्शित करने को अनिवार्य बताते हुए

कहा कि आम लोगों को कार्यालय में कर्मियों की पहचान में कठिनाई नहीं होनी चाहिए।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने अनुकंपा के आधार पर नियुक्त कर्मचारियों के कार्य प्रशिक्षण पर भी जोर दिया। संबंधित कार्यालय प्रमुखों को निर्देश दिया गया कि ऐसे कर्मियों को प्रशासनिक कार्यों की समुचित जानकारी देकर दक्ष बनाया जाए। इसके अलावा समाहरणालय भवन के विभिन्न तलों में अग्निशामक यंत्रों की जांच करते हुए सभी फ्लोर पर कार्यशील उपकरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

**मानसून से पहले जल निकासी व्यवस्था करें**

उपायुक्त ने समाहरणालय की छत का निरीक्षण कर मानसून से पहले जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त रखने और चौकीदारों को २४ घंटे निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया। इसी दौरान निर्मल आवास परिसर में रहने वाले कुछ पीड़ित समाज के लोगों की पानी समस्या सामने आने पर उपायुक्त ने तत्काल बोरिंग कराने का निर्देश दिया।

**झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा परीक्षा की ब्रीफिंग**

वहीं १७ मई को होने वाली झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा (बैकलॉग) प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा-२०२५ की तैयारियों को लेकर सभी केंद्राधीक्षकों के साथ ब्रीफिंग बैठक आयोजित की गई। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि रांची के ६४ परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में होने वाली परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी और कदाचारमुक्त बनाने के लिए विशेष सुरक्षा, ट्रैफिक, मेडिकल और निगरानी व्यवस्था की गई है।

**कम्युनिटी सेंटर की प्रगति की समीक्षा**

इसके अलावा गेतलसूद डैम परिसर में पर्यटन विभाग द्वारा बनाए जा रहे कम्युनिटी सेंटर की प्रगति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने गुणवत्तापूर्ण निर्माण और समयसीमा के पालन के निर्देश दिए। नौका विहार की सुरक्षा व्यवस्था पर जोर देते हुए उन्होंने लाइफ जैकेट, प्रशिक्षित कर्मी और आपातकालीन संसाधन हर हाल में उपलब्ध रखने को कहा।

# भाजपा राज में नेता लाइन में, पूंजीपति फायदे में और जनता परेशानः झामुमो

**रांची (एजेंसी):** भारतीय जनता पार्टी नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने पिछले ११ वर्षों में देश की आम जनता को राहत देने की बजाय लगातार संकट, महंगाई और असुरक्षा की स्थिति में धकेलने का काम किया है। आज देश का मध्यम वर्ग, किसान, मजदूर, युवा और छोटे व्यापारी सभी आर्थिक दबाव और अस्थिरता से जूझ रहे हैं। जबकि सत्ता पक्ष केवल प्रचार, इवेंट प्रबंधन और बड़े उद्योगपतियों के हित साधने में व्यस्त है।

झामुमो महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने कहा है कि नोटबंदी के दौरान आम लोगों को घंटों बैंक की कतारों में खड़ा रहना पड़ा। कोविड काल में अस्पताल, ऑक्सीजन और दवाइयों के लिए जनता त्राहिमाम करती रही। आज भी रसोई गैस, पेट्रोल-डीज़ल, खाद्य सामग्री और रोजमर्रा की जरूरतों की बढ़ती कीमतों ने आम परिवारों का बजट बिगाड़ दिया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आने के बावजूद जनता को राहत नहीं दी गई, जबकि तेल कंपनियां रिकॉर्ड मुनाफा कमा रही हैं। यह स्पष्ट करता है कि केंद्र सरकार की प्राथमिकता जनता नहीं, बल्कि कॉर्पोरेट हित हैं।

भाजपा सरकार लगातार जनता को त्याग, बचत और राष्ट्रहित का उपदेश देती है। पेट्रोल कम खर्च करो, विदेश मत जाओ, डॉलर बचाओ। लेकिन, दूसरी ओर बड़े उद्योगपतियों के विदेशी निवेश और विशेष आर्थिक सुविधाओं पर कोई सवाल नहीं उठाया जाता। आम नागरिकों पर राष्ट्रभक्ति का बोझ डाला जाता है, जबकि सत्ता के करीब बैठे लोगों को हर प्रकार की छूट दी जाती है। यह दोहरी नीति देश के लोकतांत्रिक और सामाजिक संतुलन के लिए घातक है। देश को एक ऐसी सरकार की आवश्यकता है जो जनता को राहत दे, रोजगार सृजित करे, महंगाई नियंत्रित करे और सामाजिक सौहार्द बनाए रखे। दुर्भाग्य से वर्तमान केंद्र सरकार ने बेरोज़गारी, आर्थिक असमानता, सामाजिक तनाव और विभाजनकारी राजनीति को बढ़ावा देने का कार्य किया है।

# पेट्रोल पंपों पर बढ़ती भीड़ से बिगड़ रहे हालात; इरफान ने सीएम को लिखा पत्र- कराई जाए सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था

**रांची (एजेंसी):** राज्यभर में पेट्रोल-डीजल को लेकर पंपों पर बढ़ती भीड़, लंबी कतार और अफरा-तफरी की स्थिति को लेकर स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन एवं खाद्य आपूर्ति मंत्री इरफान अंसारी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

डॉ. इरफान अंसारी ने कहा है कि पिछले कुछ दिनों से राज्य के विभिन्न जिलों में पेट्रोल पंपों पर अत्यधिक भीड़ देखी जा रही है। लोगों को घंटों लाइन में खड़ा रहना पड़ रहा है, जिससे आम नागरिकों, वाहन चालकों और पेट्रोल पंप संचालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ स्थानों पर तनावपूर्ण स्थिति भी बन रही है।

दंडाधिकारियों की भी हो प्रतिनियुक्ति मंत्री ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि संवेदनशील और अधिक भीड़भाड़ वाले पेट्रोल पंपों पर पर्याप्त संख्या में सुरक्षा बल और दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की जाए, ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे और लोगों को सुचारु रूप से पेट्रोल-डीजल मिल सके। उन्होंने कहा कि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाया गया तो अप्रिय घटना से इनकार नहीं किया जा सकता।

डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि जनता की सुरक्षा और सुविधा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा किसी भी परिस्थिति में आम लोगों को परेशानी में छोड़ना स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने संबंधित विभागों और जिला प्रशासन को भी आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की है, ताकि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में रहे।

# रांची के बड़ा तालाब में युवती ने लगाई छलांग

## स्थानीय युवकों ने बचाई जान, पारिवारिक तनाव से थी परेशान

**रांची (एजेंसी):** रांची के बड़ा तालाब में आज एक युवती ने अचानक छलांग लगा दी। युवती की पहचान विद्यानगर की रहने वाली पूजा मिश्रा के रूप में हुई है। मौके पर वहां मौजूद कुछ युवकों ने युवती को बचाने के लिए तालाब छलांग लगा दी और कड़ी मशक्कत के बाद उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया। सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और युवती को करटडी में ले लिया. शुरुआती जांच में सामने आया है कि घर में हुए आपसी झगड़े और पारिवारिक विवाद से तंग आकर युवती मानसिक तनाव में थी, जिसके कारण उसने यह कदम उठाया.

# सदर अस्पताल का उपायुक्त ने किया औचक निरीक्षण मरीज की पर्ची लेकर खुद पहुंच गए डिस्पेंसरी

**रांची (एजेंसी):** शुक्रवार को रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने सदर अस्पताल रांची का औचक निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में दवा वितरण व्यवस्था में गंभीर अनियमितता पाए जाने पर उन्होंने सख्त रुख अपनाते हुए डिस्पेंसरी (फार्मेसी) प्रभारी को शो-कॉज नोटिस जारी करने और अगले आदेश तक वेतन रोकने का निर्देश दिया। मरीजों द्वारा दवा नहीं मिलने की शिकायत पर वह पर्ची लेकर खुद डिस्पेंसरी पहुंच गए। जहां उन्होंने पाया कि डॉक्टरों की लिखी सारी दवाएं मरीजों को नहीं दी जा रही है।

उपायुक्त ने अस्पताल के विभिन्न विभागों का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान जिला पंचायती राज पदाधिकारी राजेश कुमार साहू, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी उर्वशी पांडेय, सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। निरीक्षण में वार्ड, इमरजेंसी, डिस्पेंसरी, किचन और ड्राई क्लीन क्षेत्र शामिल रहे।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने ओपीडी में इलाज कराने पहुंचे मरीजों और उनके परिजनों से सीधे बातचीत कर अस्पताल की सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। इसी दौरान दो महिला मरीजों ने शिकायत की कि डॉक्टरों द्वारा लिखी गई दवाएं अस्पताल की डिस्पेंसरी में उपलब्ध नहीं कराई जातीं, जबकि उन्हें बाहर से दवा खरीदने के लिए कहा जाता है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए उपायुक्त ने तुरंत एक मरीज की पर्ची ली और स्वयं डिस्पेंसरी पहुंचकर दवा उपलब्धता की जांच की। जांच में सामने आया कि कुछ दवाएं स्टॉक में मौजूद थीं, लेकिन मरीजों को नहीं दी जा रही थीं।

इस लापरवाही को गंभीर मानते हुए उन्होंने संबंधित डिस्पेंसरी प्रभारी को तत्काल शो-कॉज नोटिस जारी करने और अगले आदेश तक वेतन रोकने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने कहा कि अस्पताल में मरीजों को निःशुल्क दवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को चेतावनी दी कि मरीजों के हितों से खिलवाड़ या किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

निरीक्षण के दौरान अस्पताल के किचन में साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक नहीं पाई गई। इस पर उपायुक्त ने सिविल सर्जन को संबंधित केयर टेकर के खिलाफ शो-कॉज जारी करने का निर्देश दिया। साथ ही किचन को पूरी तरह स्वच्छ और व्यवस्थित रखने तथा मरीजों को उनके परिजनों के लिए गुणवत्तापूर्ण एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने को कहा।

इसके अलावा वार्ड, इमरजेंसी और अन्य स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए भी कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

उपायुक्त ने कहा कि सदर अस्पताल रांची जिले का प्रमुख स्वास्थ्य केंद्र है, इसलिए यहां आने वाले मरीजों को बेहतर इलाज और सुविधाएं मिलनी चाहिए। उन्होंने सभी कर्मचारियों को जनसेवा में संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ काम करने की हिदायत दी।

# 444 लेडी सुपरवाइजर नियुक्ति का रास्ता साफ, हाईकोर्ट ने सुनाया फैसला

**रांची (एजेंसी):** बाल कल्याण विभाग द्वारा निकाली गई लेडी सुपरवाइजर नियुक्ति प्रक्रिया के मामले में दायर याचिका पर हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है। हाईकोर्ट ने याचिका दायर करने वाले अभ्यर्थियों के पक्ष में फैसला सुनाते हुए उनकी याचिका स्वीकार कर ली है। गठडउ की ओर से नोटिस जारी कर अभ्यर्थियों को कहा गया था कि जिस विषय में नियुक्ति होनी है उस संबंधित विषय में अभ्यर्थियों में तीन वर्षों की पढ़ाई नहीं की है। जिसके बाद अभ्यर्थियों ने गठडउ के नोटिस को हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

**बाल कल्याण विभाग में 444 पदों पर होनी है नियुक्ति**

न्यायाधीश जस्टिस दीपक रौशन की बेंच में इस मामले की सुनवाई हुई। इस संबंध में अंजु कुमारी एवं अन्य की ओर से याचिका दायर की गई है। दरअसल, बाल कल्याण विभाग में ४४४ लेडी सुपरवाइजर की नियुक्ति होनी है, जिसके लिए झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने विज्ञापन जारी किया था। इस नियुक्ति के लिए परीक्षा भी आयोजित की जा चुकी है और उसका परिणाम भी जारी कर दिया गया है। इस मामले में प्रार्थियों की ओर से वरीय अधिवक्ता अजीत कुमार, अपराजिता भारद्वाज और चंचल जैन ने बहस की।

# सीएम हेमंत सोरेन से आलमगीर आलम ने पूरे परिवार संग की मुलाकात

**रांची (एजेंसी):** मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से आज पूर्व मंत्री आलमगीर आलम ने अपने पूरे परिवार के साथ मुलाकात की. इस दौरान गांडेय विधायक कल्पना सोरेन भी मौजूद थीं.

आलमगीर आलम ने अपनी पत्नी, पाकुड़ विधायक निशात आलम, अपने बेटे तनवीर आलम और अपने पोते के साथ मुख्यमंत्री से मुलाकात की.

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद, दो साल बाद आलमगीर आलम कल जेल से बाहर निकले थे.

उनके जेल से छूटने के बाद से ही उनके रांची आवास पर झारखंड के कई मंत्री, विधायक, सांसद और झामुमो-कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं ने उनसे मुलाकात कर उनका हाल-चाल जाना. आलमगीर आलम ने मुख्यमंत्री से मुलाकात को लेकर कहा कि यह एक औपचारिक मुलाकात है.

उन्होंने बताया कि वह मेडिकल चेकअप कराने के बाद पाकुड़ जाएंगे और वहां जनता तथा कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे.

# बालू घाटों के लीज निष्पादन का अधिकार अब उपायुक्तों को मिला

**रांची (एजेंसी):** खान एवं भू-तत्व विभाग ने राज्य में बालू घाटों की लीज आवंटन के संबंध में नया आदेश जारी किया है। इस आदेश के तहत बालू घाटों के लीज निष्पादन के लिए संबंधित जिले के उपायुक्त को कंपीटेंट अथॉरिटी घोषित किया गया है। विभागीय सचिव अरवा राजकमल के हस्ताक्षर से जारी आदेश में जिलों के उपायुक्तों को बालू घाटों के माइनिंग लीज निष्पादित करने और प्रदान करने के लिए सक्षम प्राधिकार घोषित किया गया है। इससे जिला खनन पदाधिकारियों के अधिकारों में भारी कटौती हो गयी है। विधानसभा में भी यह सवाल उठा था।

विभागीय आदेश में झारखंड सैंड माइनिंग रूल्स, २०२५ में वर्ष २०२६ में किए गए संशोधन के तहत नियम ६(सातवां)(क) के प्रावधानों के अनुसार बालू खनन लीज का आवंटन प्रेफर्ड बिडर अथवा लेटर ऑफ इंटेंट धारक के पक्ष में निर्धारित परफॉर्मेंस सिक्योरिटी जमा करने के बाद किया जाना है। इसके बाद लीज डीड का निष्पादन किया जाएगा। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि झारखंड सैंड माइनिंग (संशोधन) नियमावली, २०२६ के अनुसूची-२ में निर्धारित प्रारूप के अनुसार लीज डीड का निष्पादन तभी होगा, जब संबंधित जिले के उपायुक्त द्वारा सभी आवश्यक वैधानिक स्वीकृतियां प्राप्त कर ली जाएंगी।

# झारखण्ड और कर्नाटक के बीच व्यापारिक सहयोग के लिए झारखण्ड चैम्बर और बलारी चैम्बर के बीच एमओयू

**रांची (एजेंसी):** फेडरेशन ऑफ झारखण्ड चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज और एवं बल्लारी डिस्ट्रिक्ट चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, कर्नाटक के बीच व्यापार एवं निवेश संभावनाओं को लेकर आज चैम्बर भवन में संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में झारखण्ड सरकार के उद्योग सचिव अरवा राजकमल एवं उद्योग निदेशक विशाल सागर मुख्य रूप से उपस्थित थे। बैठक के दौरान झारखण्ड एवं कर्नाटक के उद्योग एवं व्यापार प्रतिनिधियों के बीच बिजनेस आइडिया, निवेश अवसर, औद्योगिक सहयोग तथा व्यापार विस्तार को लेकर व्यापक विचार-विमर्श हुआ। दोनों राज्यों के प्रतिनिधियों ने भविष्य में आपसी समन्वय के साथ उद्योगों के विकास के लिए मिलकर कार्य करने पर जोर दिया। महासचिव रोहित अग्रवाल ने कहा कि यह बैठक उद्योग, निवेश, पर्यटन और व्यापारिक सहयोग के नए अध्याय की शुरुआत है। झारखंड और कर्नाटक के उद्यमियों के बीच प्रत्यक्ष संवाद से व्यापारिक सहयोग को नई गति मिलेगी तथा भविष्य में संयुक्त बिजनेस डेलिगेशन, बीटबी मीटिंग्स एवं निवेश गतिविधियों को और विस्तार मिलेगा।

झारखण्ड चैम्बर के अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने कहा कि झारखण्ड और कर्नाटक, दोनों ही राज्यों में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि झारखण्ड तेजी से औद्योगिक विकास के नए दौर में प्रवेश कर रहा है। राज्य की टेक्सटाइल पॉलिसी आकर्षक है तथा नई इंडस्ट्री पॉलिसी शीघ्र आने वाली है, जो निवेशकों के लिए सुनहरा अवसर लेकर आएगी। उन्होंने कहा कि झारखण्ड मिनरल रिच स्टेट है, जहाँ लिथियम, मैंगनीज, बॉक्साइट सहित कई खनिज उपलब्ध हैं। राज्य पावर सरप्लस है तथा यहाँ कुशल श्रमबल की कोई कमी नहीं है। मसाला, सब्जी, कॉटन, राइस

मिल, रियल एस्टेट एवं एक्सपोर्ट सेक्टर में भी व्यापक संभावनाएँ हैं।

उद्योग सचिव अरवा राजकमल ने कहा कि झारखण्ड उद्योगों की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध राज्य है। हमारे राज्य की औद्योगिक इकाइयां राज्य की औद्योगिक क्षमता को दर्शाती हैं। उन्होंने कहा कि बलारी माइनिंग, मैन्युफैक्चरिंग एवं आईटी सेक्टर में अग्रणी है और दोनों राज्यों के बीच सीखने एवं साथ मिलकर कार्य करने की व्यापक संभावनाएँ हैं। उन्होंने कहा कि झारखण्ड चैम्बर ने राज्यों के बीच औद्योगिक संवाद की एक उत्कृष्ट परंपरा की शुरुआत की है, जिसके निकट भविष्य में सकारात्मक परिणाम आएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि झारखण्ड में उद्योग तेजी से आगे बढ़ रहे हैं तथा माननीय मुख्यमंत्री राज्य के विकास को लेकर दूरदर्शी सोच रखते हैं। पर्यटन क्षेत्र में भी राज्य तेजी से उभर रहा है और यहाँ उद्योगों के लिए भूमि की कोई कमी नहीं है।

उद्योग निदेशक विशाल सागर ने कर्नाटक के उद्यमियों को निवेश के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि पहली बार झारखण्ड ने दावोस के वर्ल्ड इकनोमिक फोरम में सहभागिता की, जिसमें झारखण्ड चैम्बर भी माननीय मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा था। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार रोजगार सृजन और औद्योगिक विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने राज्य में निवेश की अपार संभावनाओं पर बल देते हुए कहा कि राज्य में फूड प्रोसेसिंग, टूरिज्म एवं एग्रीकल्चर सेक्टर में निवेश की अपार संभावनाएँ हैं। उन्होंने कहा कि उद्योग विभाग निवेशकों को हरसंभव सहयोग देने के लिए सदैव उपलब्ध है।

बलारी डिस्ट्रिक्ट चैम्बर के अध्यक्ष अव्वर मंजूनाथ ने बलारी में निवेश की संभावनाओं पर अपनी बात रखते हुए झारखण्ड के उद्यमियों को कर्नाटक में निवेश के लिए आमंत्रित किया। बलारी चैम्बर के पदाधिकारियों ने बेंगलुरु में आयोजित होने वाले एमएसएमई कॉन्क्लेव में झारखण्ड चैम्बर को आमंत्रित किया। बैठक के दौरान दोनों राज्यों के उद्यमियों एवं व्यापारियों ने अपने-अपने व्यवसाय का परिचय देते हुए आइडिया एक्सचेंज किया। बैठक में धार्मिक एवं कन्वेंशनल टूरिज्म, बिजनेस डेवलपमेंट अवसर, बलारी के स्पंज आयरन यूनिट्स एवं अन्य उद्योगों के लिए कोल सप्लाई, झारखण्ड के व्यापारियों के लिए कॉटन एवं मिर्ची सप्लाई, झारखण्ड में उत्पादित कृषि उत्पादों की कर्नाटक में आपूर्ति तथा रेडीमेड जींस सप्लाई जैसे विषयों पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने इन क्षेत्रों में एक-दूसरे को सहयोग देने पर सहमति व्यक्त की। इस अवसर पर झारखण्ड चैम्बर ऑफ कॉमर्स एवं बल्लारी डिस्ट्रिक्ट चेम्बर ऑफ कॉमर्स के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर भी किए गए।

बैठक में चैम्बर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया, राम बांगड़, महासचिव रोहित अग्रवाल, सह सचिव नवजोत अलंग, रोहित पोद्दार, कोषाध्यक्ष अनिल अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य मुकेश अग्रवाल, तुलसी पटेल, शैलेश अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष पवन शर्मा, धीरज तनेजा, किशोर मंत्री, सदस्य बिनोद अग्रवाल, अजय भंडारी, सुरेश अग्रवाल, एनके टिकमानी, ग्यारसी लाल गोयल, मिथिलेश पांडेय, रोहित कुमार, संजय माहुरी, बल्हारी डिस्ट्रिक्ट चैम्बर की ओर से अव्वर मंजूनाथ, एस दोड्डागा गौड़ा, पी पलना, केसी सुरेश बाबू, वी रामचंद्र, सीएस सत्यनारायण, सी श्रीनिवास राव, सत्य बाबू बी, सीए के राजशेखर, यु गोविन्द रेड्डी, एसपी वेंकटेश, आर नागराजा, जी राघवेंद्र रेड्डी, के गोपाल रेड्डी, एम शशि रेड्डी, केएम शिवा मूर्ति, एम गुरुस्वामी, एम अनंदा बाबू, प्रशांत चित्रिकी, के नागराज, जी ईनाथा रेड्डी, के रामंजनेयालु उपस्थित थे।

# लाइलाज नहीं ब्रेन ट्यूमर

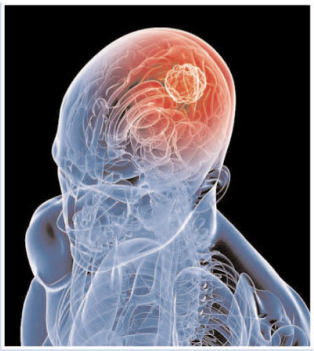

ब्रेन ट्यूमर दिमाग में होनेवाली गांठ है, जो कैंसरस भी हो सकती है और नॉन कैंसरस भी. आज चिकित्सा के क्षेत्र में हुई तकनीकी विकास के कारण विभिन्न जांचों की सहायता से इसकी सही स्थिति का अनुमान सहज लगाना संभव है, साथ ही सर्जरी की आधुनिक विधियों से इसका पूरा उपचार भी संभव है.

### माइग्रेन भी है लक्षण

माइग्रेन भी ब्रेन ट्यूमर के प्रारंभिक लक्षणों में से एक हो सकता है. हालांकि यह पुरुषों से अधिक महिलाओं में होता है. माइग्रेन अटैक यदि महीने में चार या पांच बार आता है और अटैक के पैटर्न में कोई बदलाव नजर आता है, तो यह ब्रेन ट्यूमर का संकेत हो सकता है. अतः तुरंत डॉक्टर की सलाह पर सीटी स्कैन व एमआरआइ आदि जांच कराएं ताकि सही कारणों का पता लग सके और समय रहते इलाज शुरू हो सके.

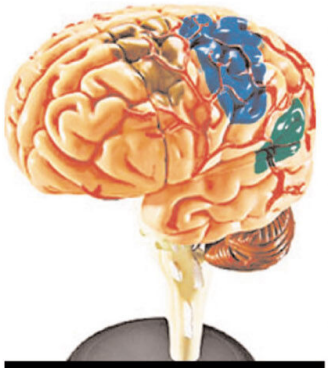

### जेनेटिक भी संभव

यदि परिवार में किसी को पहले से ब्रेन ट्यूमर है, तो परिवार के अन्य सदस्यों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है. गर्भावस्था में भी कुछ टेस्टों की मदद से यह पता लगाया जा सकता है कि गर्भ में पल रहे बच्चे को कौन-सी बीमारी है. गर्भ में ही इन बीमारियों का इलाज भी संभव है. अतः आप पहले से ही सावधानी बरतें.

### सर्जरी की प्रक्रिया व लाभ

यह सर्जरी अत्यंत सुरक्षित और कारगर है. इस सर्जरी में अन्य सर्जरी के मुकाबले मस्तिष्क में छोटा छिद्र किया जाता है, जिससे इंडोस्कोप को मस्तिष्क के अंदर भेजा जा सके. इस सर्जरी का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इस तकनीक का इस्तेमाल करके दिमाग के रिट्रैक्शन से बचा जा सकता है, क्योंकि अन्य तकनीक के मुकाबले इस प्रक्रिया में कम रिट्रैक्शन होता है.

इस सर्जरी में टिशू भी आसानी से दिखाई देते हैं, जिससे इलाज करने में काफी आसानी होती है. इस सर्जरी में 6 एमएम का एक अति महीन छिद्र किया जाता है. मस्तिष्क के अंदर पाये जानेवाले कोलॉयड सिस्ट ही ट्यूमर को जन्म देते हैं. ये दिमाग के संवेदनशील क्षेत्र में स्थित होते हैं और इनके आकार में वृद्धि होने पर ये खतरनाक होते जाते हैं. इंडोस्कोप को छिद्र के माध्यम से मस्तिष्क में पहुंचा कर कोलॉयड सिस्ट को पूरी तरह से हटाया जाता है. सर्जरी की प्रक्रिया बेहद छोटी और कष्टरहित होती है.

### बरतें सावधानी

इस रोग में अपने खान-पान का ध्यान रखना भी जरूरी है. वजन को नियंत्रित रखें. इसके अलावा अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी जरूरी है. इसके कारण शरीर के अन्य हिस्सों पर भी प्रभाव पड़ता है. इसके दौरान दिमाग पर सूजन होना भी आम बात है. अतः ट्रीटमेंट के दौरान भी सावधानी बरतें.

### इंडोस्कोपिक सर्जरी है कारगर

अब ब्रेन ट्यूमर जानलेवा बीमारी नहीं रह गयी है, क्योंकि वर्तमान में ब्रेन ट्यूमर का संपूर्ण इलाज संभव है बशर्ते समय पर उपचार शुरू किया जाये. चिकित्सक बताते हैं कि ब्रेन ट्यूमर के इलाज के लिए कई तकनीकें ईजाद हो चुकी है, जिनमें रेडियो सर्जरी, कीमोथेरेपी, रेडिएशन थेरेपी, रोबोटिक सर्जरी प्रमुख है. इन तकनीकों से ब्रेन ट्यूमर का इलाज काफी सुरक्षित और कारगर माना गया है.

ब्रेन ट्यूमर के इलाज के लिए वर्तमान में सबसे ज्यादा प्रचलित इंडोस्कोपिक सर्जरी है. यह सर्जरी कष्टरहित तो है ही, साथ ही इसके परिणाम भी अन्य सर्जरी से काफी बेहतर आते हैं.

### सीटी स्कैन के प्रभाव

ब्रेन कैंसर कितना बढ़ गया है या उसकी क्या स्थिति है, यह जानने के लिए सीटी स्कैन, एमआरआइ, एक्स-रे और एंजियोग्राम की मदद ली जाती है. ट्यूमर की शंका होने पर सबसे पहले सीटी स्कैन की जाती है. सीटी स्कैन के नाम पर लोगों के जेहन में यह बात उठने लगती है कि सीटी स्कैन तो शरीर पर काफी नकारात्मक प्रभाव डालता है. इससे निकलनेवाली घातक किरणों से कैंसर होने तक का खतरा हो सकता है. हाल ही में हुए शोधों में भी यह साबित हो चुका है. इसके प्रभाव को जानने के लिए यह जानना जरूरी है कि इसके लिए किस प्रक्रिया को अपनाया जाता है. सीटी स्कैन एक कंप्यूटराइज एक्सीयल टोमोग्राफी स्कैन है, जो एक्स-रे की सीरीज है, जिसके जरिये ब्रेन के हिस्सों को देखा जा सकता है. इतना ही नहीं, ब्रेन के ढांचे को अच्छी तरह से जांचने के लिए 3डी तसवीरों के रूप में देखा जा सकता है. हालांकि ब्रेन कैंसर के दौरान सीटी स्कैन करने के नुकसान बहुत कम है, फिर भी इसके कुछ साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं, जैसे - शरीर का तापमान बढ़ जाना, शरीर के विभिन्न हिस्सों में खुजली होना, लाल रैशेज पड़ना आदि. ये सभी साइड इफेक्ट अचानक से दिखाई देने लगते हैं. सीटी स्कैन के दौरान निकलनेवाली तरंगें बहुत हल्की होती हैं, फिर भी गर्भवती महिलाओं का सीटी स्कैन नहीं किया जाना चाहिए.

### सर्जरी से उपचार संभव

ब्रेन ट्यूमर का स्थायी इलाज सिर्फ ऑपरेशन है. वर्तमान में ऑपरेशन के दौरान जान जाने का खतरा एक फीसदी से भी कम माना जाता है. चिकित्सा जगत में होते परिवर्तन और नयी टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल के कारण ब्रेन ट्यूमर का इलाज अब काफी हद तक संभव हो गया है, साथ ही इसकी सफलता दर भी बढ़ गयी है. अगर रोगी को ट्यूमर कैंसरस नहीं है, तो ऑपरेशन द्वारा उसे निकाला जा सकता है. इसके बाद विशेषज्ञों की देख-रेख में रोगी ठीक होकर सामान्य जीवन जी सकता है.

# बांझपन

## सिर्फ महिला नहीं जिम्मेवार

वर्तमान में डायबिटीज, हाइ बीपी और हृदय रोगों में इजाफा हुआ है. ये रोग अक्सर बांझपन का मुख्य कारण बनते हैं. इनसे निःसंतान दंपतियों की संख्या भी काफी बढ़ी है. 1981 से 2001 तक बांझपन में 50 फीसदी की वृद्धि हुई है. इसके अलावा आज की व्यस्त जीवनशैली के कारण भी गर्भधारण में समस्याएं आ रही हैं. आजकल लगभग 10-15 फीसदी शादीशुदा जोड़े बच्चे का जन्म देने में कठिनाई का अनुभव करते हैं. यदि एक साल के अंतराल में स्वस्थ दंपति को गर्भधारण में कठिनाई होती है या महिला गर्भवती नहीं होती है, तो उन्हें फौरन इलाज की आवश्यकता है.

**भ्रांतियों से बचें** - आम तौर पर भारतीय समाज में एक भ्रांति है कि बांझपन के लिए सिर्फ महिला ही जिम्मेवार होती है, लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं होता है. सिर्फ 30 फीसदी जोड़ों में महिला, 30 फीसदी में पुरुष, 10 फीसदी में दोनों बांझपन के लिए जिम्मेवार होते हैं. 20 फीसदी में यह अन्य कारणों से हो सकता है.

**कई बीमारियां हैं कारण** - महिलाओं में बांझपन के प्रमुख कारण हैं- फेलोपियन ट्यूब का ब्लॉक होना, गर्भाशय का टीबी, फायब्रॉइड, एंडोमेट्रीयोसिस आदि का होना. इंडोक्राइन बीमारियां जैसे- थायरॉयड की बीमारी, पीसीओडी, मधुमेह आदि भी आजकल काफी महिलाओं में बांझपन का कारण हैं. कभी-कभी महिला के मस्तिष्क में ट्यूमर होने से भी प्रोलैक्टिन हार्मोन की शरीर में अधिकता हो जाती है, जिससे मासिक धर्म ही आना बंद हो जाता है और वे बांझपन की शिकार हो जाती हैं. बढ़ता प्रदूषण, तनाव, हार्मोनल असंतुलन आदि से पुरुष बांझपन भी बढ़ा है. पुरुषों में शुक्राणुओं की कमी अब सामान्य रोग होता जा रहा है. शराब या तंबाकू का सेवन, मधुमेह, थायरॉयड तथा मानसिक तनाव से भी पुरुष संतान पैदा नहीं कर पा रहे हैं.

**कई तरीकों से होता है उपचार** - इस समस्या के बढ़ने के कारण ही बांझपन निवारण केंद्रों की संख्या में भी काफी इजाफा हुआ है. महिलाओं में आवश्यकतानुसार लेप्रोस्कोपी, हिस्टेरोस्कोपी आदि से फेलोपियन ट्यूब, ओवरी तथा गर्भाशय की बीमारियों को ठीक किया जाता है. इसी प्रकार से शुक्राणुओं से संबंधित समस्याओं को हार्मोन का असंतुलन सुधारने तथा अन्य दवाइयों के सेवन से ठीक किया जाता है. अब निःसंतान दंपतियों के लिए अनेक इलाज उपलब्ध हैं, जैसे- ओव्यूलेशन इंडक्शन तथा आइयूआइ. एजूस्पीमिया से ग्रसित पुरुषों में डोनर शुक्राणु से आइयूआइ किया जा सकता है. अज्ञात कारणों में आइवीएफ -इटी से इलाज संभव है. जिन महिलाओं में अंडे की कमी है, उनमें डोनर उसाइट से गर्भाधान संभव है.

# स्लिप डिस्क में करें भुजंगासन

दफ्तर में घंटों कंप्यूटर पर काम करनेवाले कई लोग आज स्लिप डिस्क की समस्या से जूझ रहे हैं. इसमें उन्हें भीषण पीठ दर्द उठता है, जो कई बार बरदाश्त से बाहर हो जाता है. इस तकलीफ में योग विशेषज्ञ भुजंगासन करने की सलाह देते हैं, जो काफी आराम पहुंचाता है.

स्पाइनल कॉर्ड या रीढ़ की हड्डी पर शरीर का पूरा वजन टिका होता है. स्पाइनल कॉर्ड की हड्डियों के बीच कुशन जैसी मुलायम चीज होती है, जिसे डिस्क कहा जाता है. ये डिस्क एक-दूसरे से जुड़ी होती हैं और वर्टिब्रा के बिल्कुल बीच में स्थित होती हैं. डिस्क स्पाइन के लिए शॉक एब्जॉर्बर का काम करती है.

वास्तव में डिस्क स्लिप नहीं होती, बल्कि स्पाइनल कॉर्ड से कुछ बाहर आ जाती है. इससे स्पाइनल कॉर्ड पर दबाव बनाता है.

इस परेशानी के कई कारण हो सकते हैं -

गलत पोश्चर इसका आम कारण है. लेट कर या झुक कर पढ़ना या लगातार काम करना, कंप्यूटर पर काफी देर तक बैठे रहना.

अनियमित दिनचर्या, अचानक झुकने, वजन उठाने, झटका लगने, गलत तरीके से उठने-बैठने की वजह से दर्द हो सकता है.

सुस्त जीवनशैली, व्यायाम न करना या पैदल न चलने से भी मशल्स कमजोर हो जाते हैं. अत्यधिक थकान से भी स्पाइन पर जोर पड़ता है और एक सीमा के बाद समस्या शुरू हो जाती है.

अत्यधिक शारीरिक श्रम, गिरने, फिसलने, चोट लगने, देर तक झाड़ियां करने से भी डिस्क पर प्रभाव पड़ता है.

उम्र बढ़ने के साथ-साथ हड्डियां कमजोर होने लगती हैं और इससे डिस्क पर जोर पड़ने लगता है.

**इन उपायों से करें बचाव**

नियमित तीन-छह किलोमीटर प्रतिदिन पैदल चलें. यह सर्वोत्तम व्यायाम है.

देर तक कुर्सी पर झुक कर न बैठें. अगर डेस्क जॉब करते हैं तो ध्यान रखें कि कुर्सी आरामदेह हो और इसमें कमर को पूरा सपोर्ट मिले. शारीरिक श्रम मांसपेशियों को मजबूत बनाता है. लेकिन इतना भी परिश्रम न करें कि शरीर को आघात पहुंचे.

देर तक न तो एक ही पोश्चर में खड़े रहें और न एक स्थिति में बैठे रहें.

किसी भी सामान को उठाने या रखने में जल्दबाजी न करें. पानी भरी बाल्टी उठाने, अलमारी-मेज खिसकाने, भारी सूटकेस उठाते समय सावधानी बरतें.

हाइ हील्स और फ्लैट चप्पलों से बचें. इनसे कमर पर दबाव पड़ता है.

**क्या हैं सामान्य लक्षण**

नसों पर दबाव के कारण कमर दर्द, पैरों में दर्द, एड़ी या पैर की उंगलियों का सुन्न हो जाना

पैर के अंगूठों या पंजे में कमजोरी

स्पाइनल कॉर्ड के बीच में दबाव पड़ने से कई बार हिप या थाइज के आस-पास सुन्न महसूस करना

रीढ़ के निचले हिस्से में असहनीय दर्द

चलने-फिरने, झुकने में भी दर्द का अनुभव होना. कभी झुकने या खांसने या अचानक खड़े होने पर ऐसा लगे कि शरीर में करंट प्रवेश कर गया हो. झनझनाहट महसूस हो रहा हो.

नाड़ियों को बल प्रदान करता है यह आसन

जिन लोगों को साइटिका या स्लिप डिस्क की तकलीफ है, वे भी इस आसन से लाभ उठा सकते हैं, लेकिन सावधानी के साथ. संस्कृत में भुजंग का अर्थ है सांप और यह आसन ऐसा है, जैसे साप ने फन उठाया हो.

आसन की विधि - पेट के बल लेट जाएं और हाथों को जमीन पर कंधों के नीचे रखें. अब श्वास लेते हुए नाभि को जमीन पर ही रखते हुए छाती और सिर को ऊपर उठाएं और पीठ को कमान की तरह मोड़ें. पूरे शरीर को उतना खींचे जितना संभव हो. फिर धीरे-धीरे श्वास अंदर लें और छोड़ते हुए सिर को नीचे लाएं.

लाभ - पीठ की, उदर की और शरीर के ऊपरी भाग की मांसपेशियां मजबूत होती हैं. यह आसन रीढ़-तंत्रिका में हुए विस्थापन को ठीक करता है और सिम्पैथेटिक नाड़ियों को बल प्रदान करता है. किसी भी कारण से पीठ दर्द में इस आसन से काफी लाभ होता है.

सावधानी - अगर आप पेप्टिक अल्सर, हर्निया या हाइपरथायरॉयड से पीड़ित हों, तो यह आसन न करें. ध्यान रखें कि जब शरीर को पीछे की तरफ मोड़ते हैं, तो जोर का झटका न लगे, क्योंकि इससे मांसपेशियों को सख्त चोट आ सकती है.

## मन की खुशी लेकर आती है फिटनेस

मॉडल, एक्ट्रेस, टीवी प्रेजेंटर मंदिरा बेदी सीरियल शांति से बड़ी पहचान बन कर उभरीं. अपने ग्लैमरस फिगर व आकर्षक अंदाज से दर्शकों के दिल पर छायीं. मां बनने के बाद भी वे खुद को उतना ही मेंटेन रखती हैं. डायटिंग पर वे बिलिव नहीं रखतीं. आज भी जिम में खूब पसीना बहाती हैं. वे बता रही हैं फिटनेस उनके लिए क्या मायने रखता है और इसके लिए क्या-क्या करती हैं.

अच्छा फिजिक पाने के लिए 80 प्रतिशत पौष्टिक खान-पान और 20 प्रतिशत एक्सरसाइज की जरूरत होती है. भूखे रह कर फिट नहीं हो सकते हैं. उसके बाद थोड़ा-सा समय एक्सरसाइज को देना जरूरी है. मैंने पाया है कि फिटनेस आपके लिए मन की खुशी लेकर आता है. यही वजह है कि मां बनने के बाद मैं अपनी फिटनेस को लेकर ज्यादा एलर्ट हूं. मैंने छह महीने में 22 किलो वजन कम किया है.

पावर योग है पसंद - मुझे योग से बेटर जिम लगता है. हां, पावर योग पसंद है, क्योंकि मैं हर वक्त एक्टिव रहनेवाली हूं. मुझे दौड़ना पसंद है. हफ्ते में पांच दिन एक्सरसाइज करती हूं. स्ट्रेंथ ट्रेनिंग और कार्डियो 20-20 मिनट करती हूं. उसके बाद वेट लिफ्टिंग और अन्य एक्सरसाइज. जो लोग यह बोलते हैं कि उनके पास एक्सरसाइज के लिए वक्त नहीं है, मुझे उनसे चिढ़ है. क्या आप 24 घंटे में से 45 मिनट नहीं निकाल सकते?

## तंबाकू को कहें ना

तंबाकू चबाने से मुंह में छाले पड़ जाते हैं, अंदरूनी चमड़ा कठोर हो जाता है, जो भविष्य में गांठ को जन्म देता है. इससे मुंह खोलने में परेशानी होने लगती है. ऐसी स्थिति को 'ओरल सबम्यूकस फाइब्रोसिस' कहते हैं. आगे चल कर यही मुंह के कैंसर में बदल जाता है. यह शरीर के अन्य हिस्सों में भी फैल जाता है. यदि शुरुआत में ही इसका उपचार हो, तो इस पर काबू पाया जा सकता है.

**दिमाग को जकड़ लेता है निकोटिन**

तंबाकू में 4000 केमिकल पाये जाते हैं. इनमें 28 कैंसर का कारण बनते हैं. इनमें सबसे खतरनाक तत्व होता है निकोटिन. वैसे तो कई पौधों में भी यह पाया जाता है, लेकिन तंबाकू में इसकी मात्र काफी अधिक होती है. तंबाकू की सूखी पत्तियों में यह लगभग 0.6 से 38 तक पाया जाता है. निकोटिन की मात्र शरीर में ज्यादा पहुंच जाने के कारण व्यक्ति का बीपी सामान्य से अधिक हो जाता है. यदि व्यक्ति तंबाकू का सेवन नहीं करता है, तो उसे थकान महसूस होने लगती है. तंबाकू का सेवन करते ही शरीर फिर से एक्टिव हो जाता है.

शरीर में निकोटिन की बढ़ती मात्र से दिमाग का संतुलन भी बिगड़ जाता है और वह निकोटिन के सेवन करने पर ही एक्टिव रहता है. इसके लंबे समय तक सेवन से ब्लड वेसेल्स सिकुड़ जाते हैं और ब्रेन स्ट्रोक का खतरा बन जाता है. निकोटिन का अत्यधिक सेवन लिवर के लिए भी काफी खतरनाक है. इससे लिवर सिरोसिस जैसी घातक बिमारी होने का खतरा बढ़ जाता है. यह कैंसर के बाद दूसरी सबसे खतरनाक बीमारी मानी जाती है, जिसका इलाज केवल लिवर ट्रांसप्लांट है. निकोटिन के सेवन से लिवर की कोशिकाओं में ब्लड सरकुलेशन कम होने लगता है, जिससे लिवर के टिशूज खराब हो जाते हैं.

**गला व फेफड़े तक फैल जाता है कैंसर**

मुंह के कैंसर की कोशिकाएं मिल कर एक रूप बनाती हैं और ट्यूमर का रूप ले लेती हैं. उसके बाद वे वहां से पूरे शरीर में फैलने लगती हैं. इस प्रोसेस को मेटास्टेसिस कहते हैं. इस तरह यह फैल कर गला और फेफड़े में भी कैंसर उत्पन्न कर देती है.

## काफी नहीं सिक्स पैक एब्स बनाना

फिल्म सिंघम में अजय देवगन का जबरदस्त लुक चर्चा में रहा. उन्होंने 'दबंग' सलमान को भी पीछे छोड़ दिया. यहां तक कि सलमान ने भी उनके फर्स्ट लुक पर टिवट्र पर लिखा- 'बाप रे बाप.अजय की बॉडी सुपर्ब है'. एक बार फिर से अजय जिम में पसीना बहा रहे हैं अगली फिल्म सिंघम रिटर्न के लिए. फिटनेस को लेकर उनकी राय है कि सिर्फ सिक्स पैक एब्स बना लेने से कोई फिट नहीं हो जाता. और क्या-क्या जरूरी है, बता रहे हैं अजय.

फिटनेस को लेकर हमेशा से मैं कॉन्शस रहा हूं. 'सिंघम' के लिए मैंने तीन महीने जम कर एक्सरसाइज की थी. ट्रेनर प्रशांत सावंत की हर बात को फॉलो किया. रोज सवा घंटा कार्डियो एक्सरसाइज बिना ब्रेक करता हूं, जिसमें एक घंटा वेट ट्रेनिंग रहता है. ट्रेनिंग के दौरान हमने महसूस किया कि हर किसी के लिए सिक्स पैक एब्स बनाना आसान है, लेकिन उसके मुताबिक पूरे शरीर (बांह, छाती और कंधे) को एक परफेक्ट टोन्ड शेप देना बेहद मुश्किल होता है. इसमें बैलेंस डायट की 90 फीसदी भूमिका होती है.

डायट रूटीन - खाने-पीने के मामले में भी बेहद अनुशासित हूं. ज्यादा-से-ज्यादा पौष्टिक चीजें ही लेता हूं और एक सप्ताह के अंतराल पर इसमें थोड़ा-बहुत बदलाव करता रहता हूं.

कार्बोहाइड्रेट को अपने खान-पान से दूर ही रखता हूं. प्रोटीन ज्यादा-से-ज्यादा मिले, इसके लिए अंडा और चिकन खाता हूं. लंच में रोटी और पनेदार हरी सब्जियां शामिल करता हूं. रात में सूप के साथ ग्रिल्ड चिकन पसंद है. इसके साथ ही मैं प्रोटीन शेक और खूब पानी पीता हूं. मेरी एक ही कमजोरी है कोला और फ्रेंच फाइज, जिस पर कंट्रोल नहीं रख पाता. इन्हें कम करने के लिए 15 दिन पर ही लेता हूं.

# वैभव को मिला बड़ा ईनाम

## श्रीलंका सीरीज के लिए चुने गए, प्रियांश को भी मौका

### आईपीएल 2026 में धमाल मचा रहे हैं वैभव

वैभव सूर्यवंशी को आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है. पिछले सीजन सात मुकाबलों में 36 की औसत के साथ 252 रन बनाने वाले वैभव ने इस सीजन 11 मुकाबलों में 40 की औसत के साथ 440 रन बनाए हैं. इस दौरान उनके बल्ले से एक शतक और दो अर्धशतक निकले हैं। टीम में शामिल अंशुल कंबोज (टेस्ट), रियान पराग और तिलक वर्मा (टी20 अंतरराष्ट्रीय और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय) पहले ही सीनियर टीम के लिए खेल चुके हैं. वहीं आयुष बडोनी को इस साल की शुरुआत में भारतीय टीम में चुना गया था ।

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** आईपीएल 2026 में धमाल मचा रहे वैभव सूर्यवंशी को बड़ी खुशखबरी मिली है। पुरुष चयन समिति ने श्रीलंका में होने वाली आगामी वनडे ट्राई-सीरीज के लिए इंडिया 'ए' टीम का चयन किया है. 15 सदस्यीय टीम की कमान तिलक वर्मा को सौंपी गई है, जिसमें 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को भी इस टीम में मौका दिया गया है। श्रीलंका 'ए', इंडिया 'ए' और अफगानिस्तान 'ए' के बीच यह सीरीज 9-21 जून के बीच खेली जाएगी। आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग को इस ट्राई सीरीज के लिए उप-कप्तान नियुक्त किया गया है. इसस टीम में प्रियांश आर्य, आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, हर्ष दुबे, विपराज निगम, सूर्यांश शेडगे, युद्धवीर सिंह, अंशुल कंबोज जैसे उभरते होनहार खिलाड़ी भी शामिल हैं।

### दांबुला और गाले में खेले जाएंगे मुकाबले

लिमिटेड-ओवर्स की इस ट्राई-सीरीज के बाद, इंडिया 'ए' श्रीलंका 'ए' के खिलाफ दो मल्टी-डे मैच भी खेले जाएंगे। इन रेड-बॉल मुकाबलों के लिए टीम की घोषणा बाद में की जाएगी. व्हाइट-बॉल सीरीज दांबुला में खेली जाएगी, जबकि मल्टी-डे मैच गाले में आयोजित होंगे।

### नौ जून को भारत को पहला मुकाबला

भारतीय टीम इस ट्राई सीरीज में 9 जून को श्रीलंका-ए से भिड़ेगी, जिसके बाद 11 जून को उसका सामना अफगानिस्तान-ए से होगा. 15 जून को भारत के सामने एक बार फिर मेजबान श्रीलंका होगा. इसके बाद 17 जून को अफगानिस्तान से भारतीय टीम की एक बार फिर भिड़ंत होगी. फाइनल मैच 1 जून को आयोजित होगा।

### ट्राई-नेशन ए सीरीज का पूरा कार्यक्रम

9 जून- भारत-ए बनाम श्रीलंका-ए
11 जून- भारत-ए बनाम अफगानिस्तान-ए
13 जून- अफगानिस्तान-ए बनाम श्रीलंका-ए
15 जून- भारत-ए बनाम श्रीलंका-ए
17 जून- भारत-ए बनाम अफगानिस्तान-ए
19 जून- अफगानिस्तान-ए बनाम श्रीलंका-ए
21 जून- फाइनल

### ट्राई-सीरीज के लिए भारत-ए की टीम

तिलक वर्मा (कप्तान), प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, रियान पराग (उप-कप्तान), आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, हर्ष दुबे, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), विपराज निगम, यश ठाकुर, युद्धवीर सिंह, अंशुल कंबोज, अरशद खान

# थाईलैंड ओपन पीवी सिंधु कड़े संघर्ष में हारी

## सात्विक-चिराग सेमीफाइनल में पहुंचे

**बैंकॉक (एजेंसी)।** पूर्व और मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन के बीच हुए मुकाबले में भारत की पीवी सिंधु शुक्रवार को यहां थाईलैंड ओपन 2026 बैडमिंटन के महिला सिंगल्स क्वार्टर फाइनल में जापान की अकाने यामागुची से कड़े संघर्ष में हार गईं।

2019 की बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियन और महिला सिंगल्स रैंकिंग में मौजूदा नंबर 12 पर काबिज सिंधु ने पहला गेम जीता और मैच के दूसरे मिड-गेम इंटरवल में चार पॉइंट की बढ़त के बाद सेमीफाइनल में जगह बनाने की ओर बढ़ती दिखीं। हालांकि, दुनिया की नंबर 3 और मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन यामागुची ने अपने ट्रेडमार्क फाइटबैक से मैच का रुख पलट दिया और 61 मिनट में 19-21, 21-18, 21-15 से जीत हासिल की।

हार के बावजूद भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने अपने हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में 15-13 की मामूली बढ़त बनाए रखी है। यामागुची पर उनकी सबसे यादगार जीत टोक्यो 2020 ओलंपिक्स के क्वार्टर-फ़ाइनल में मिली थी। हालांकि, शुक्रवार के नतीजे ने जापानी स्टार से उनकी पिछली पांच मुलाकातों में चौथी हार को चिह्नित किया। इससे पहले उनका सबसे हालिया मुकाबला जनवरी में मलेशिया ओपन में हुआ था, जहां यामागुची के चोट के कारण रिटायर होने के बाद सिंधु आगे बढ़ी थीं।



इससे पहले दिन में टॉप सीड सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने जापान के छठे सीड ताकुमी नोमुरा और युइची शिमोगामी को 41 मिनट में 21-12, 21-13 से हराकर बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट के सेमीफ़ाइनल में प्रवेश किया। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी शनिवार को सेमीफाइनल में मलेशिया के गोह से फेई और नूर इज़ुद्दीन से भिड़ेंगे।

चिराग और सात्विक दो बार के थाईलैंड ओपन चैंपियन हैं, जिन्होंने क्रमश- 2019 और 2024 में पुरुषों के डबल्स खिताब जीते हैं। सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य सेन, दिन में बाद में पुरुषों के सिंगल्स क्वार्टर फाइनल में घरेलू पसंदीदा कुनलावुत विटिडसार्न (पूर्व विश्व चैंपियन और पेरिस 2024 रजत पदक विजेता) से भिड़ेंगे।

# अर्शदीप पर नस्लीय टिप्पणी के आरोप

## तिलक वर्मा को 'ओए अंधेरे' कहकर बुलाया, पूर्व क्रिकेटर शिवरामकृष्णन बोले- बैन करो




**धर्मशाला (एजेंसी)।** मुंबई के खिलाफ मैच के दौरान विकेट सेलिब्रेट करते अर्शदीप सिंह (पगड़ी पहनी है) और पंजाब के अन्य खिलाड़ी। इस मैच को मुंबई ने 6 विकेट से जीता।

पंजाब किंग्स के अर्शदीप सिंह एक बार फिर विवादों में घिरते नजर आ रहे हैं। शुक्रवार को पूर्व भारतीय स्पिनर लक्ष्मण शिवरामकृष्णन ने अर्शदीप की नस्लीय टिप्पणी पर नाराजगी जताई। उन्होंने बीसीसीआई से मांग की कि इस आचरण के लिए अर्शदीप सिंह पर पूरे सीजन का प्रतिबंध लगाया जाए। यह वीडियो 14 मई को धर्मशाला में खेले गए पंजाब-मुंबई मैच से पहले का है, जिसे तेज गेंदबाज ने सोशल मीडिया पर शेयर किया था। 29 सेकंड के वीडियो में अर्शदीप ने तिलक से पूछा, ओए अंधेरे, सनस्क्रीन लगाया? इसके बाद उन्होंने तिलक के साथी खिलाड़ी नमन धीर की तरफ इशारा करते हुए उन्हें पंजाब का असली नूर बताया। इसके बाद फैंस ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया।

हाल ही में अर्शदीप अपने ब्लॉग की वजह से चर्चा में थे। तब बीसीसीआई ने सभी फ्रेंचाइजी खिलाड़ियों के सोशल मीडिया व्यवहार और ऑफ-फील्ड आचरण को लेकर 7 पेज की गाइडलाइन जारी की थी। आईपीएल के कोड ऑफ कंडक्ट के तहत खेल की भावना को ठेस पहुंचाने वाले व्यवहार पर मैच रेफरी या अनुशासन समिति कार्रवाई कर सकती है।

**शिवरामकृष्णन बोले- यह मजाक नहीं, रंगभेद है-** पूर्व लेग स्पिनर एल शिवरामकृष्णन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर कई पोस्ट लिखकर अर्शदीप के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की मांग की। उन्होंने लिखा- कोई मेरी बात पर विश्वास नहीं करता था। सबने मेरा मजाक उड़ाया और ट्रोल किया। अर्शदीप को इस सीजन के लिए बैन किया जाना चाहिए। आज के दौर के खिलाड़ियों को वहां चोट मारनी चाहिए जहां सबसे ज्यादा दर्द होता है (यानी वित्तीय और प्रतिस्पर्धी नुकसान)। शिवरामकृष्णन ने कहा कि तिलक वर्मा अभी करियर के शुरुआती दौर में हैं, इसलिए वे सीनियर खिलाड़ी के खिलाफ कुछ नहीं बोल पा रहे हैं। उन्होंने इसे ड्रेसिंग रूम ह्यूमर कहकर खारिज करने वालों से कहा, अब यह सिर्फ एक खेल नहीं रह गया है, यह एक प्रोफेशन (पेशेवर मंच) है।

### कीरोन पोलार्ड ने चौथे अंपायर को कहे अपशब्द, मुंबई इंडियंस के कोच पर लगा भारी जुर्माना

**धर्मशाला (एजेंसी)।** मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड पर चौथे अंपायर के लिए अपशब्दों का उपयोग करने के लिए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया है और उन पर उनकी लागू मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। यह घटना मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स के बीच गुरुवार को यहां खेले गए मैच के दौरान घटी। मुंबई ने इस रोमांचक मुकाबले में छह विकेट से जीत हासिल की। आईपीएल ने शुक्रवार सुबह जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा, मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड पर आईपीएल की खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के लिए आचार संहिता के लेवल एक का उल्लंघन करने के लिए उनकी लागू मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और उनके खाते में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है।

# हरिद्वार में सायना नेहवाल ने की गंगा आरती

## मसूरी में नदी किनारे परिवार के साथ ब्रेकफास्ट

**हरिद्वार (एजेंसी)।** ओलिंपिक मेडलिस्ट और इंटरनेशनल बैडमिंटन खिलाड़ी सायना नेहवाल इन दिनों परिवार के साथ उत्तराखंड घूमने आई हैं। सायना देर शाम हरिद्वार में गंगा आरती में परिवार के 6 सदस्यों के साथ शामिल हुईं। इस दौरान उनके पिता डॉ. हरवीर सिंह नेहवाल और बहन अबू चंद्रांशु नेहवाल भी साथ दिखे।

हरिद्वार पहुंचने के बाद सायना नेहवाल सबसे पहले नील पर्वत स्थित प्रसिद्ध सिद्धपीठ चण्डी देवी मंदिर पहुंचीं। यहां उन्होंने रोपवे के जरिए मंदिर पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की और मां चंडी देवी का आशीर्वाद लिया।

इसकी खबर फैलते ही मंदिर परिसर में प्रशंसकों की भीड़ लग गई। सायना रविवार को मसूरी घूमने आई थीं और वो नदी किनारे परिवार के साथ ब्रेकफास्ट करती दिखी। इसके बाद वे मंगलवार को अपने परिवार के साथ टिहरी की प्रसिद्ध सिद्धपीठ मां सुरकंडा देवी मंदिर के दर्शन करने पहुंचीं।

### रोपवे के जरिए मंदिर पहुंचीं

सायना गुरुवार को हरिद्वार पहुंची। सायना नेहवाल ने सबसे पहले नील पर्वत स्थित प्रसिद्ध सिद्धपीठ चंडी देवी मंदिर के दर्शन किए। उन्होंने परिवार के साथ रोपवे के जरिए मंदिर पहुंचकर मां चंडी देवी की विधिवत पूजा-अर्चना की। मंदिर के मुख्य पुजारी भवानी नंदन गिरी ने सायना और उनके परिवार को पूजा संपन्न कराई। उन्होंने सायना की खेल जगत की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। चंडी देवी मंदिर में दर्शन के बाद शाम के समय सायना नेहवाल अचानक हरकी पौड़ी पहुंचीं, जहां उन्होंने विश्व प्रसिद्ध गंगा आरती में भाग लिया।

गंगा तट पर पहुंचते ही वहां मौजूद श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल बन गया। इस दौरान श्री गंगा सभा के महामंत्री तन्मय वशिष्ठ समेत कई तीर्थ पुरोहितों ने उनका स्वागत किया। उन्हें मां गंगा की चुनरी और गंगाजली भेंट कर सम्मानित किया गया।

तन्मय वशिष्ठ ने सायना नेहवाल को गंगा आरती की परंपरा, हरकी पैड़ी की पौराणिक मान्यता और मां गंगा की महिमा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। तन्मय वशिष्ठ ने बताया कि सायना नेहवाल का हरकी पैड़ी पहुंचना पूरी तरह अचानक था।

उनके साथ उनके पिता और परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद थे। उन्होंने पूरी श्रद्धा और आत्मीयता के साथ गंगा आरती में सहभागिता की और कुछ समय हरकी पैड़ी पर बिताने के बाद परिवार सहित हरिद्वार से रवाना हो गईं।

### देश की पहली महिला बैडमिंटन ओलिंपिक पदक विजेता हैं सायना

सायना नेहवाल भारतीय बैडमिंटन इतिहास की सबसे सफल खिलाड़ियों में शामिल हैं। वह देश की पहली महिला बैडमिंटन खिलाड़ी हैं जिन्होंने ओलिंपिक में पदक जीतकर भारत का गौरव बढ़ाया। खेल जगत में उनके योगदान के लिए उन्हें अर्जुन पुरस्कार, राजीव गांधी खेल रत्न और पद्म भूषण जैसे प्रतिष्ठित सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है। उन्होंने अपना आखिरी कंपीटिटर मैच जून 2023 में सिंगापुर ओपन के दौरान खेला था।

### केकेआर को लगा बड़ा झटका, रचिन रवींद्र आगामी टेस्ट दौरे के लिए घर लौटे

**कोलकाता (एजेंसी)।** कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने शुक्रवार को पुष्टि की कि न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर रचिन रवींद्र इंग्लैंड के आगामी टेस्ट दौरे की तैयारी शुरू करने के लिए घर लौट गए हैं। यह घटनाक्रम शनिवार शाम को ईडन गार्डन्स में फॉर्म में चल रही गुजरात टाइटन्स (जीटी) के खिलाफ कोलकाता के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 मुकाबले से ठीक पहले सामने आया है।

एक आधिकारिक अपडेट में व्यक्रने कहा कि रवींद्र न्यूजीलैंड की राष्ट्रीय टीम के साथ रेड-बॉल (टेस्ट) प्रतिबद्धताओं पर ध्यान केंद्रित करने के लिए टीम से अलग हो गए हैं। फ्रैंचाइजी ने कहा, रचिन रवींद्र न्यूजीलैंड के इंग्लैंड के आगामी टेस्ट दौरे के लिए अपनी रेड-बॉल की तैयारी शुरू करने के लिए घर लौट गए हैं।

यह घटनाक्रम ऐसे समय में आया है जब केकेआर टूर्नामेंट के एक महत्वपूर्ण चरण में अपना अभियान जारी रखे हुए है जिसमें टीम के संतुलन और विदेशी खिलाड़ियों की उपलब्धता टीम के संयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। तीन बार की चैंपियन टीम का मौजूदा आईपीएल सीजन में प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा है और उन्हें कड़े मुकाबले वाले लीग चरण में अपनी लय बनाए रखने में मुश्किल हो रही है।

**ताजा स्टैंडिंग के अनुसार कोलकाता नाइट -** नाइडर्स अभी भी प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है, लेकिन फिलहाल अंक तालिका में आठवें स्थान पर है। व्यक्रने अब तक 11 मैच खेले हैं, जिनमें से चार जीते हैं।

# निकहत जरीन उलटफेर का शिकार

## ● राष्ट्रमंडल और एशियन खेलों की दौड़ से बाहर

**पटियाला (एजेंसी)।** दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन यहां राष्ट्रमंडल खेल और एशियन खेलों के ट्रायल्स से उलटफेर का शिकार होकर बाहर हो गईं जबकि ज्यादातर मुक्केबाजों ने ट्रायल आधारित चयन प्रणाली की वापसी का स्वागत किया। 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल की चैंपियन और 2023 हांग्झोउ एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता निकहत दिन के पहले मुकाबले में 51 किग्रा के सेमीफाइनल में साक्षी चौधरी से विभाजित फैसले से 1-4 से हार गईं।

भारतीय खेल प्राधिकरण ने भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) की मूल्यांकन आधारित प्रणाली को 'अपारदर्शी' बताते हुए इसे निलंबित कर दिया था जिससे बीएफआई को ट्रायल आधारित चयन प्रक्रिया पर वापस लौटने के लिए मजबूर होना पड़ा। पिछले हाई परफोरमेंस निदेशक द्वारा शुरू की गई मूल्यांकन आधारित चयन प्रणाली 2023 में शुरुआत से ही जांच के दायरे में रही है जिसमें कई मुक्केबाजों ने कथित भेदभाव और पारदर्शिता की कमी पर चिंता जताई है।

कई अंतरराष्ट्रीय पदक जीतने वाले एक मुक्केबाज ने बताया, ट्रायल प्रणाली बहुत बेहतर है। हमें इस बात का तनाव नहीं लेना पड़ता कि हम चुने गए हैं या नहीं क्योंकि आकलन के एक हफ्ते बाद तक हमें सूची का इंतजार करना पड़ता। एक और मुक्केबाज ने कहा, ट्रायल निष्पक्ष होते हैं। अगर मैं बाउट हार गया हूं, तो हार गया हूं और मुझे पता है कि मुझे किस पर काम करना है। पहले हम सोचते रहते थे कि हमसे कहां कमी रह गई।

ट्रायल साइ पर्यवेक्षक की मौजूदगी में हुए। सेना की मुक्केबाज साक्षी अब 54 किग्रा से नीचे आ गई हैं। वह अब फाइनल में मौजूदा 48 किग्रा विश्व चैंपियन मीनाक्षी से भिड़ेंगी जिन्होंने पूर्व विश्व कप स्वर्ण पदक विजेता नीतू घंघास को एकमत फैसले से हराया। एक और बड़ा उलटफेर यह हुआ कि तीन बार के विश्व कप पदक विजेता हितेश गुलिया 70 किग्रा सेमीफाइनल में सुमित से हार गए। सुमित भी ट्रायल्स के लिए 75 किग्रा से नीचे आ गए हैं।

65 किग्रा महिलाओं के सेमीफाइनल में एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता परवीन हुड्डा ने अंकुशिता बोरो को हराया जबकि पूजा रानी 80 किग्रा में नैना से हार गईं। अब तक सचिन सिवाच (60 किग्रा), प्रीति पवार (54 किग्रा) और प्रिया घघंस (60 किग्रा) ने पिछले महीने मंगोलिया में हुई एशियाई चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने के बाद राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों दोनों के लिए क्वालीफाई कर लिया है। मौजूदा विश्व चैंपियन जैस्मिन लम्बोरिया (57 किग्रा) और अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) ने सिर्फ राष्ट्रमंडल खेलों के लिए स्थान पक्का किया क्योंकि उनका वजन वर्ग एशियाड में शामिल नहीं हैं। ट्रायल जीतने वाले मुक्केबाज राष्ट्रमंडल खेल से पहले शिविर के लिए चेकिया जाएंगे जबकि दूसरे रैंक के मुक्केबाज 15 से 20 जून तक चीन के गुइयांग शहर में होने वाले विश्व मुक्केबाजी कप में हिस्सा लेंगे। 2026 राष्ट्रमंडल खेल जुलाई-अगस्त में ग्लासगो में और इसके बाद सितंबर-अक्टूबर में 2026 एशियाई खेल जापान में होंगे।

# हमारी किस्मत अभी भी हमारे हाथों में है

## ● पंजाब किंग्स के प्लेऑफ में पहुंचने पर असिस्टेंट कोच हैडिन को पूरा भरोसा

**धर्मशाला (एजेंसी)।** मुंबई इंडियंस से हारने के बाद पंजाब किंग्स को लगातार पांचवीं हार का सामना करना पड़ा, लेकिन असिस्टेंट कोच ब्रैड हैडिन ने टीम पर पूरा भरोसा जताया और जोर देकर कहा कि प्लेऑफ तक पहुंचने का रास्ता अभी भी टीम के अपने कंट्रोल में है।

पंजाब किंग्स ने एक मजबूत शुरुआत के बाद और बीच के ओवरों में तेजी से विकेट गिरने के बावजूद शानदार वापसी करते हुए 200/8 का स्कोर बनाया। निचले क्रम के बल्लेबाजों ने विरोधी टीम पर हमला बोला जिससे यह पक्का हो गया कि टीम आखिरी ओवर तक मुकाबले में बनी रही। हालांकि मुंबई इंडियंस ने सिर्फ एक गेंद बाकी रहते ही लक्ष्य का पीछा कर लिया, लेकिन पंजाब किंग्स की बैटिंग यूनिट ने जिस गहराई का प्रदर्शन किया, वह लीग के आखिरी दो मैचों में टीम के लिए एक अहम पॉजिटिव बात है। भले ही नतीजा पंजाब किंग्स के पक्ष में नहीं रहा फिर भी टीम अभी भी एक मजबूत स्थिति में है; प्लेऑफ की दौड़ तेज होने के साथ ही टीम अभी 13 पॉइंट्स के साथ चौथे स्थान पर है। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में हैडिन ने कहा, %इस मैच से एक बात जो सामने आई है, वह यह है कि हमारे पास अभी दो मैच बाकी हैं और हमारी किस्मत अभी भी हमारे हाथों में है। अब 'कल' की कोई गुंजाइश नहीं है; अब किसी और चीज के बारे में बात करने का कोई मतलब नहीं है। अब हमें अपने बाकी बचे मैच जीतने ही होंगे और बात बस इतनी ही है। हम इस हार का जल्दी से जायजा लेंगे और कुछ ही दिनों में यहां होने वाले दिन के मैच के लिए खुद को मानसिक रूप से तैयार करेंगे। उन्होंने टीम की बड़े स्कोर बनाने की क्षमता की भी तारीफ की और विरोधी टीम के किसी एक खिलाड़ी के शानदार प्रदर्शन का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हमने जो स्कोर बनाया, वह वाकई बहुत अच्छा था। मुंबई ने शुरुआत में अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन मैच के आखिरी ओवरों में हमने कुछ जबरदस्त हिटिंग की, जिससे हम उस स्कोर तक पहुंच पाए जिसे हमने एक बहुत अच्छा स्कोर माना था। उन्होंने कहा, हमें लगा कि हम काफी देर तक मैच पर हावी थे, लेकिन मुंबई को जीत दिलाने के लिए तिलक (वर्मा) को एक बहुत ही खास पारी खेलनी पड़ी।

## संक्षिप्त समाचार

### श्रीलंका में कुदरत का कहर: भारी बारिश और तूफान ने ली 2 जान, 4000 से ज्यादा लोग प्रभावित

**कोलंबो, एजेंसी।** श्रीलंका में पिछले पांच दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश और खराब



मौसम ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। देश के आपदा प्रबंधन केंद्र  ने इसकी पुष्टि की है कि इस प्राकृतिक आपदा में अब तक दो लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 4000 से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। ये मौतें पूर्वी जिले बट्टिकलोआ और उत्तरी जिले जाफना में दर्ज की गई हैं। अधिकारियों ने बताया कि मौत के ये मामले पूर्वी जिले बट्टिकलोआ और उत्तरी जिले जाफना से सामने आए हैं। केंद्र द्वारा जारी नवीनतम स्थिति रिपोर्ट के अनुसार आज सुबह 6 बजे तक देश के 25 में से आठ जिले पिछले पांच दिन से हो रही वर्षा से प्रभावित हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इस प्राकृतिक आपदा से 4,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं जिनमें से 29 परिवारों के 100 से अधिक लोगों को दो अस्थायी राहत केंद्रों में रखा गया है। इसके अलावा लगभग 88 घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए हैं।  मौसम विभाग ने आगे भी भारी वर्षा का अनुमान जताया है, जिसमें कई प्रांतों में 150 मिमी तक वर्षा होने की संभावना है। सुबह जारी पूर्वानुमान में कहा गया, श्रीलंका के उत्तर-पूर्व में स्थित कम दबाव का क्षेत्र अब भी बना हुआ है। इस प्रणाली के अगले 36 घंटों के दौरान श्रीलंका से दूर जाने की संभावना है। राष्ट्रीय भवन अनुसंधान संगठन (एनबीआरओ) ने भी कई जिलों के लिए भूस्खलन की चेतावनी जारी की है।

### पाकिस्तान ने किया लंबी दूरी की फतेह-4 क्रूज मिसाइल का परीक्षण

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि उसने स्वदेशी रूप से विकसित और सतह से प्रक्षेपित की जाने वाली फतह-4 क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया, जो लंबी दूरी के लक्ष्यों को उच्च सटीकता के साथ भेदने में सक्षम है। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा, इंटर-सर्विसेज पब्लिक



रिलेशंस (आईएसपीआर) द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक मिसाइल का परीक्षण रॉकेट फोर्स कमान द्वारा किया गया। सेना ने बताया, उन्नत विमानन तकनीकों और अत्याधुनिक नेविगेशन उपकरणों से लैस यह मिसाइल प्रणाली उच्च सटीकता के साथ लंबी दूरी के लक्ष्यों को भेदने में सक्षम है। बयान के मुताबिक सैन्य परिचालन क्षमता बढ़ाने, बेहतर सटीकता और मजबूती से जवाब देने के लिए मिसाइल की विभिन्न उप-प्रणालियों के तकनीकी मापदंडों को परखने के लिए इस मिसाइल का परीक्षण किया गया। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर और अन्य सैन्य अधिकारियों ने मिसाइल के सफल प्रशिक्षण परीक्षण की सराहना की। पिछले महीने, सेना की रॉकेट फोर्स कमान ने देश में विकसित फतह-2 मिसाइल प्रणाली का प्रशिक्षण किया था। पाकिस्तानी सेना ने सितंबर 2025 में भी 750 किलोमीटर की मारक क्षमता वाली क्रूज मिसाइल फतह-4 का प्रशिक्षण किया था।

## 1500 ड्रोन और 100 से ज्यादा दागीं मिसाइलें...

# रूस का यूक्रेन पर सबसे बड़ा हवाई हमला

**मास्को/कीव, एजेंसी।** रूस ने यूक्रेन पर चार वर्ष से चल रहे युद्ध का सबसे बड़ा हवाई हमला किया है। रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव समेत कई प्रमुख शहरों पर बुधवार-गुरुवार को 1,560 से ज्यादा ड्रोन और करीब 100 मिसाइलें दागीं। इन हमलों में कीव में पांच लोग और अन्य स्थानों पर छह लोग मारे गए और दर्जनों घायल हुए हैं।

**रूस का यूक्रेन पर हवाई हमलाव्र** हमलों से नागरिक सुविधाओं को भी भारी नुकसान हुआ है। यूक्रेन ने अमेरिका और चीन से रूसी हमलों को रुकवाने का अनुरोध किया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि इनमें से ज्यादातर ड्रोन और मिसाइलें आकाश में ही नष्ट कर दिए गए लेकिन बाकी ने यूक्रेनी शहरों को भारी नुकसान पहुंचाया। नष्ट किए गए ड्रोन और मिसाइलों के टुकड़ों से भी भवनों और नागरिक सुविधाओं को नुकसान हुआ है। जेलेंस्की ने कहा, इस



हमले से जल्द युद्ध खत्म होने की संभावना पर विश्वास नहीं होता है। विदित हो कि हाल ही में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन युद्ध जल्द खत्म होने की संभावना जताई थी।

कई शहरों पर ड्रोन-मिसाइलें दागीं जेलेंस्की ने यूक्रेन की सुरक्षा के लिए सहयोगी देशों से ज्यादा सहायता और एयर डिफेंस सिस्टम की मांग की है। जेलेंस्की ने बताया है कि कीव के 20 स्थानों पर रूस के हमले हुए हैं। इन हमलों में पांच लोग मारे गए और दो बच्चों समेत 40 घायल हुए हैं।

ड्रोन हमले में एक नौ मंजिला भवन ध्वस्त हो गया है। राहतकर्मी कंक्रीट की परतें हटाकर उनके नीचे दबे लोगों की तलाश कर रहे हैं। इसलिए हमले में मृतकों और घायलों की संख्या बढ़ सकती है। गृह मंत्री इहोर क्लीमेंको ने 10 लोगों के लापता होने की जानकारी दी है।

**हमलों में 11 से अधिक लोग मारे गए:** जेलेंस्की ने बताया है कि ताजा रूसी हमलों में यूक्रेन में 180 ठिकानों को नुकसान हुआ है। इनमें 50 से ज्यादा आवासीय भवन हैं। हमलों से कीव की पानी-बिजली की आपूर्ति बाधित हुई है। यूक्रेन के दूसरे बड़े शहर खार्कीव में हमले से तीन बच्चों समेत 28 लोग घायल हुए हैं। ऊर्जा संयंत्रों पर हुए हमलों से देश के 11 प्रांतों की बिजली आपूर्ति में बाधा आई है। रूस ने ओडेसा बंदरगाह और रेल नेटवर्क को भी निशाना बनाया है। यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्री सिबिहा ने अमेरिका और चीन के नेताओं से रूस पर युद्ध खत्म करने के लिए दबाव बनाने का अनुरोध किया है।

## भारत ने रूसी तेल के लिए अमेरिका से मांगी और छूट

**वाशिंगटन, एजेंसी।** मिडिल ईस्ट (पश्चिम एशिया) में जारी युद्ध और होर्मुज जलडमरूमध्य में पिछले 75 दिनों से जारी रुकावट के बीच भारत ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को लेकर एक बड़ा कूटनीतिक मोर्चा खोल दिया है। वैश्विक स्तर पर तेल की आपूर्ति में आ रही बाधाओं को देखते हुए भारत ने अमेरिका से रूसी तेल आयात पर मिली छूट  को आगे बढ़ाने की अपील की है। गौरतलब है कि इस समय भारत के लिए तेल और गैस की स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित करना सबसे बड़ी प्राथमिकता बन गई है।



### 16 मई को खत्म हो रही है राहत की घड़ी

अमेरिका द्वारा रूसी तेल की खरीद पर दी गई मौजूदा छूट 16 मई की आधी रात को समाप्त हो रही है। भारत चाहता है कि तेल बाजारों में स्थिरता बनाए रखने के लिए इस समय सीमा को बढ़ाया जाए। हालांकि वाशिंगटन लगातार भारत पर इस बात का दबाव बना रहा है कि वह यूक्रेन युद्ध के चलते रूस से रियायती दरों पर तेल खरीदना कम करे, लेकिन मौजूदा संकट को देखते हुए भारत के लिए रूसी तेल किसी लाइफलाइन से कम नहीं है। भारत ने बनाया नया रिकॉर्ड- हर दिन आ रहा 23 लाख बैरल तेल डेडलाइन करीब आते देख भारतीय रिफाइनरियों ने रूसी तेल की खरीद में रिकॉर्ड तोड़ तेजी दिखाई है। आंकड़ों के मुताबिक, मई महीने में अब तक रूस से कच्चे तेल का आयात 2.3 मिलियन (23 लाख) बैरल प्रतिदिन के ऐतिहासिक स्तर पर पहुँच गया है। हालांकि, सावधानी बरतते हुए भारत ने रूस के उस ऑफर को ठुकरा दिया है जिसमें उन एलएनजी  खेपों की सप्लाई की बात थी जो अमेरिकी प्रतिबंधों के दायरे में आती हैं। घबराने की जरूरत नहीं, देश के पास है पर्याप्त स्टॉक: हरदीप पुरी केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने देशवासियों को आश्वस्त करते हुए कहा है कि वैश्विक तनाव के बावजूद भारत में ईंधन और रसोई गैस की कोई कमी नहीं होगी। उन्होंने जानकारी दी कि भारत के पास वर्तमान में 69 दिनों का कच्चे तेल और एलएनजी  का पर्याप्त भंडार है। 45 दिनों का एलपीजी  स्टॉक सुरक्षित है। मंत्री पुरी ने बताया कि सरकार ने मिडिल ईस्ट के हालातों को देखते हुए एलपीजी के घरेलू उत्पादन को जबरदस्त तरीके से बढ़ाया है। पहले जहाँ प्रतिदिन 35,000 से 36,000 टन उत्पादन होता था, उसे अब बढ़ाकर 54,000 टन कर दिया गया है ताकि आपूर्ति में कोई बाधा न आए।

**बोला- समुद्री सुरक्षा से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं**

## भारतीय जहाज पर हमले की यूएई ने की निंदा

**अबू धाबी , एजेंसी।** भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शुक्रवार को अबू धाबी दौरे से ठीक पहले संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने ओमान तट के पास भारतीय ध्वज वाले एक जहाज पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है। यूएई ने इसे आतंकी हमला और अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बताया साथ ही भारत के साथ पूरी एकजुटता की बात कही है।

### 'भारतीय जहाज पर हुआ हमला खतरनाक उकसावा'

यूएई के विदेश मंत्रालय (एमओएफए) ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि ओमान के समुद्री क्षेत्र के पास भारतीय जहाज पर हुआ हमला 'खतरनाक उकसावा' है, जिसका उद्देश्य अहम समुद्री रास्तों की स्थिरता को नुकसान पहुंचाना है। मंत्रालय ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाना पूरी तरह अस्वीकार्य है और इससे वैश्विक समुद्री सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ सकता है।

### भारत के हर कदम का समर्थन- संयुक्त अरब अमीरात

यूएई ने भारत को भरोसा दिलाया कि वह भारतीय जहाजों और समुद्री हितों की सुरक्षा के लिए उठाए जाने वाले हर कदम का समर्थन करेगा। बयान में कहा गया कि यह हमला संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के उस प्रस्ताव का उल्लंघन है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों की स्वतंत्र आवाजाही सुनिश्चित करने की बात कही गई है। यूएई ने बिना किसी देश या संगठन का नाम लिए कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे अहम समुद्री रास्तों का इस्तेमाल 'आर्थिक दबाव' या 'ब्लैकमेल' के लिए करना समुद्री डकैती जैसा है और इससे पूरे क्षेत्र की स्थिरता, लोगों की सुरक्षा और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को खतरा पैदा होता है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी की



घटना की निंदा वहीं भारत के विदेश मंत्रालय ने भी इस घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। मंत्रालय ने कहा कि भारतीय झंडे वाले जहाज पर हमला पूरी तरह अस्वीकार्य है और व्यापारिक जहाजों तथा आम नाविकों को लगातार निशाना बनाया जाना बेहद चिंताजनक है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि जहाज पर मौजूद सभी भारतीय चालक दल सुरक्षित हैं और ओमान प्रशासन ने उन्हें बचाने में मदद की है। भारत ने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक जहाजों पर हमले और समुद्री व्यापार में बाधा डालने वाली घटनाओं से बचना चाहिए।

### पीएम मोदी की यात्रा के दौरान उठ सकता है मुद्दा

भारत सरकार ने अभी तक जहाज का नाम या हमले में किसी नुकसान की आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक नहीं की है, लेकिन सरकारी सूत्रों के मुताबिक नई दिल्ली पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है। विशेषज्ञों का मानना है कि प्रधानमंत्री मोदी की अबू धाबी यात्रा के दौरान यह मुद्दा प्रमुखता से उठ सकता है। भारत और यूएई के बीच खाड़ी क्षेत्र और अरब सागर में समुद्री सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा होने की संभावना है।

## होर्मुज पर अमेरिका के साथ चीन, परमाणु हथियार को लेकर भी सख्त

**बीजिंग, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में हुई ऐतिहासिक शिखर बैठक में दोनों नेताओं ने वैश्विक स्थिरता और द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने का संकल्प लिया। इस मुलाकात में ताइवान, हॉर्मुज स्ट्रेट, ईरान का परमाणु कार्यक्रम और आर्थिक साझेदारी जैसे अहम मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। साल 2017 के बाद चीन में दोनों नेताओं की यह पहली आमने-सामने की बैठक थी। बैठक ऐसे समय में हुई जब विश्व युद्ध की आशंकाओं, ऊर्जा संकट और आर्थिक अनिश्चितता से जूझ रहा है। जिनपिंग ने ट्रंप का औपचारिक स्वागत करते हुए ताइवान मुद्दे पर सख्त चेतावनी दी। उन्होंने इसे चीन-अमेरिका संबंधों का सबसे संवेदनशील और महत्वपूर्ण मुद्दा बताया। जिनपिंग ने चेतावनी देते हुए कहा कि ताइवान पर कोई भी गलत कदम दोनों देशों के बीच टकराव और युद्ध की स्थिति पैदा कर सकता है। उन्होंने पूछा कि क्या चीन और अमेरिका थ्यूसीडाइड्स ट्रैप से बच सकते हैं? और इसके बजाय बड़े देशों के बीच सहयोग का नया मॉडल बनाने का सुझाव दिया। दोनों नेताओं ने सहमति जताई कि विश्व के तेल व्यापार के लिए बेहद महत्वपूर्ण हॉर्मुज स्ट्रेट हमेशा खुला और सुरक्षित



रहना चाहिए। जिनपिंग ने स्पष्ट किया कि चीन इस मार्ग पर किसी भी प्रकार की सैन्य तैनाती या टोल वसूली का विरोध करता है। दोनों पक्ष इस बात पर भी एकमत हुए कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं कर पाए। वहीं, ट्रंप ने बैठक को 'बेहद सकारात्मक और सफल' बताया। उन्होंने जिनपिंग को अपना दोस्त और महान नेता करार दिया। वाइट हाउस के अनुसार, दोनों नेताओं ने रिश्तों को और मजबूत बनाने, व्यापार सहयोग बढ़ाने, अमेरिकी कंपनियों के लिए चीनी बाजार खोलने और चीन से अमेरिकी कृषि उत्पादों की खरीद बढ़ाने पर जोर दिया। जिनपिंग ने कहा कि चीन और अमेरिका को प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि भागीदार बनना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि दोनों देशों को मिलकर काम करना चाहिए ताकि 2026 दोनों देशों के संबंधों में नया अध्याय साबित हो। दोनों नेता इस बात पर सहमत हुए कि मतभेदों को बातचीत के जरिए सुलझाया जाए और रिश्तों को कभी बिगड़ने नहीं दिया जाए। बता दें कि इस बैठक में एलन मस्क, टिम कुक समेत अमेरिका के कई प्रमुख उद्योगपतियों ने भी हिस्सा लिया। बैठक के बाद आयोजित राजकीय भोज में ट्रंप ने जिनपिंग और उनकी पत्नी पेंग लियुआन को सितंबर में वाइट हाउस आने का निमंत्रण दिया।

**डीजल और ईंधन की कमी से 22 घंटे बिजली की कटौती की जा रही है**

## ईंधन संकट से अंधेरे में डूबा क्यूबा, सड़कों पर उतरे सैकड़ों प्रदर्शनकारी; कचरा जलाकर किया विरोध

**हवाना, एजेंसी।** क्यूबा देश पर इन दिनों ऊर्जा संकट के बादल मंडरा रहे है। वहां के ऊर्जा मंत्री विसेंटे डे ला ओ लेवी ने इस बात की पुष्टि की है कि देश में ईंधन पूरी तरह खत्म हो चुका है।

हालात इतने खराब है कि देश में डीजल और ईंधन की कमी के कारण 22 घंटे तक बिजली की कटौती की जा रही है। यह स्थिति अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण बनी है। वहां के लोगों को फिलहाल ब्लैकआउट का सामना करना पड़ रहा है।

वहीं, इस हालात में देश की राजधानी हवाना शहर में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन भड़क उठे हैं। कई प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए हैं और बिगड़ते ऊर्जा संकट से हताश होकर बत्तियां जलाओ के नारे लगा रहें हैं। इस दौरान लोगों ने बर्तन पीटने सहित कूड़े के ढेर में आग लगा दिया।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ऊर्जा मंत्री ने बताया, कच्चा तेल और ईंधन तेल दोनों में से हमारे पास बिल्कुल कुछ भी नहीं बचा है; इस वक्त हमारे पास एकमात्र चीज है। वह है कुओं से निकलने वाली गैस, जिसका उत्पादन बढ़ा दिया गया है। लेवी ने देश की



स्थिति को बेहद तनावपूर्ण बताया। द गार्डियन की रिपोर्ट के अनुसार, ऊर्जा और खान मंत्री ने बताया कि देश ने भले ही पिछले दो सालों में 1,300 मेगावाट सौर ऊर्जा क्षमता को बढ़ाने का काम किया है, फिर भी ईंधन की लगातार कमी के कारण बिजली ग्रिड अस्थिर हो रहा है और उसकी कार्यक्षमता घट रही है। इसमें एक बड़ी समस्या बड़े बैटरी भंडारण प्रणालियों की कमी है।  इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने हवाना पर दबाव और बढ़ा दिया है। उन्होंने वेनेजुएला से होने वाली तेल की खेपों को रोकने और वैश्विक शुल्क लगाने की धमकी देने के बाद, यह कसम खाई है कि क्यूबा को अब और तेल या पैसा नहीं मिलेगा। इस द्वीप के भविष्य को लेकर चल रही वार्ताओं के बीच, ट्रंप ने कहा, उन्हें क्यूबा को अपने अधिकार में लेने की उम्मीद है। यह बयान उन्होंने जनवरी में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सत्ता से बेदखल करने के प्रयास के बाद दिया था।

# पाकिस्तान की वो खूबसूरत हसीना जो बनी 'कोकीन क्वीन', कराची की लेडी डॉन पिंकी कौन?

**कराची , एजेंसी।** पाकिस्तान में अपराध की दुनिया से जुड़े कई नाम समय-समय पर सामने आते रहे हैं। इस बीच 'लेडी डॉन' पिंकी का नाम इन दिनों सबसे अधिक चर्चा में है। पाकिस्तान की कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने हाई-प्रोफाइल ड्रग तस्कर अनमोल उर्फ पिंकी को गिरफ्तार किया है। कराची पुलिस और संघीय जांच एजेंसियों के संयुक्त अभियान में इस महिला को गिरफ्तार किया गया, जिस पर देश के प्रमुख शहरों में कोकीन का विशाल सप्लाई नेटवर्क चलाने का आरोप हैं।

पुलिस के अनुसार, पिंकी विशेष रूप से कुलीन वर्ग और निजी पार्टियों को नशीले पदार्थों की आपूर्ति करती थी। पुलिस ने आधिकारिक बयान में बताया कि पिंकी पूरे कराची में कोकीन और अन्य घातक ड्रग्स की सप्लाई में सक्रिय थी। छापेमारी के दौरान उसके ठिकाने से एक पिस्तौल, लाखों रुपये की कोकीन, रसायन और अन्य नशीले पदार्थ बरामद किए गए। पुलिस का दावा है कि वह देश की सबसे वांछित ड्रग सप्लायर्स में शामिल थी और लंबे समय से पुलिस की पकड़ से बचती रही थी।

**किशोरावस्था से शुरू हुआ अपराध की दुनिया में सफर:** पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिंकी का जन्म 1995 में कराची के बलूच पारा इलाके में हुआ था। मात्र 14 साल की उम्र में वह घर छोड़कर चली गई थी। शुरू में मॉडलिंग का सपना देखने वाली पिंकी बाद में डांस पार्टियों और हाई-सोसायटी के जरिए प्रभावशाली लोगों से जुड़ी। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि उसने एक अंतरराष्ट्रीय वकील से शादी की, जिसके कथित रूप से वैश्विक कोकीन कारोबार से संबंध थे। बाद में उसने एक पुलिस अधिकारी से भी शादी की। अपने भाइयों नासिर और शौकत की मदद से पिंकी ने ड्रग वाली कोकीन तैयार करना शुरू कर दिया। अमीरों तक पहुंचा नेटवर्क जांचकर्ताओं के




कारोबार का विस्तार किया। उसने ऑनलाइन रिसर्च कर घरेलू स्तर पर उच्च गुणवत्ता अनुसार, पिंकी का नेटवर्क कराची, लाहौर और इस्लामाबाद तक फैला हुआ था। यह मुख्य रूप से डीएच और क्लिफ्टन जैसे महंगे इलाकों को लक्षित करता था। उसने अपना प्रोडक्ट आकर्षक नाम देकर बेचा 'क्वीन मैडम पिंकी- नाम ही काफी है, आनंद लें'। महिला कूरियर, ट्रेन, बाइक और व्हाट्सएप के जरिए डिलीवरी का जाल बिछाया गया था। बताया जा रहा है कि दो किस्म की कोकीन बेची जाती थी। पहला 'व्हाइट कोक' 8850 रुपये प्रति ग्राम और दूसरा 'गोल्डन कैटेगरी' 13728 रुपये प्रति ग्राम। पूछताछ में पिंकी ने दावा किया कि पाकिस्तान में उससे बेहतर कोकीन कोई नहीं बनाता है।इस गिरफ्तारी ने ड्रग माफिया, पुलिस भ्रष्टाचार और प्रभावशाली लोगों के संरक्षण के मुद्दों को फिर से उठा दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, पिंकी को करीब पांच साल पहले पंजाब में गिरफ्तार किया गया था, लेकिन 2.4 करोड़ रुपये की रिश्वत देकर वह छूट गई थी। उस पर फिंगरप्रिंट मिटाने के लिए तेजाब इस्तेमाल करने का भी आरोप है।

वहीं, गिरफ्तारी के बाद पिंकी की अदालत पेशी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। फुटेज में उसे बिना हथकड़ी के, सनग्लासेस लगाए और पानी की बोतल लेकर चलते दिखाया गया, जबकि जांच अधिकारी उसके पीछे-पीछे चल रहा था। इसे ड्रडक ट्रीटमेंट बताते हुए सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं आई हैं।

वीडियो वायरल होने के बाद कराची के एडिशनल ढूल आजाद खान ने इस मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। सिंध के गृह मंत्री जियाउल हसन लांजर ने कहा कि आरोपी को प्रोटोकॉल कैसे दिया गया? सभी जिम्मेदार अधिकारियों को स्पष्टीकरण देना होगा। लापरवाही बरतने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी।

## साल की पहली शनि अमावस्या पर बन रहे है 5 शुभ संयोग

जब अमावस्या शनिवार के दिन आती है, तो उसे शनि अमावस्या या शनिश्चरी अमावस्या कहा जाता है। 2026 में साल की पहली शनि अमावस्या ज्येष्ठ माह में पड़ने जा रही है, जो खास मानी जाती है। इस दिन कई शुभ संयोग बन रहे है, जिनमें एक दुर्लभ योग भी शामिल है। मान्यता है कि इस अवसर पर व्रत, स्नान, दान और शनिदेव की पूजा करने से जीवन के कष्ट कम होते हैं। खासतौर पर जिन लोगो पर शनि की साढ़ेसाती या ढैय्या का प्रभाव है, उनके लिए यह दिन बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसे में आइए जानते है शनि अमावस्या 2026 की सही तारीख, पूजा का शुभ मुहूर्त और इस दिन बनने वाले विशेष संयोगों के बारे में। साल की पहली शनि अमावस्या इस बार कई शुभ योगों के कारण और भी विशेष मानी जा रही है। इस दिन एक साथ 5 महत्वपूर्ण संयोग बन रहे है, जो इसे अत्यंत पुण्यदायी बनाते हैं। सबसे खास बात यह है कि इसी दिन शनि जयंती यानी शनिदेव का जन्मोत्सव भी मनाया जाएगा। इसके साथ ही यह ज्येष्ठ माह की अमावस्या है, जिसे दर्श अमावस्या के रूप में भी जाना जाता है। इसी दिन वट सावित्री व्रत का संयोग भी बन रहा है, जो विवाहित महिलाओं के लिए अखंड सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। ज्योतिषीय दृष्टि से भी यह दिन खास है, क्योंकि सुबह से लेकर 10 बजकर 26 मिनट तक सौभाग्य योग रहेगा, जो जीवन में सुख-समृद्धि बढ़ाने वाला माना जाता है। इसके बाद 10 बजकर 26 मिनट से शोभन योग शुरू होगा, जो पूरी रात तक रहेगा और शुभ कार्यों के लिए अनुकूल समय प्रदान करेगा।

### शनि अमावस्या 2026 मुहूर्त

शनि अमावस्या के दिन सूर्योदय सुबह 5:30 बजे होगा।

**ब्रह्म मुहूर्त** : प्रातः 4:07 बजे से 4:48 बजे तक

**अभिजीत मुहूर्त** : दोपहर 11:50 बजे से 12:45 बजे तक

शनिदेव की पूजा के लिए विशेष शुभ समय: सुबह 7:19 बजे से 8:59 बजे तक

### शनि अमावस्या का महत्व

शनि अमावस्या का दिन पूजा, व्रत, स्नान और दान के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन लोग शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए विशेष पूजा-अर्चना करते हैं। साथ ही पितरों की शांति के लिए तर्पण, पिंडदान और श्राद्ध जैसे कार्य भी किए जाते हैं, जिससे पितृ दोष से राहत मिलने की मान्यता है। इस बार शनि अमावस्या के साथ शनि जयंती का दुर्लभ संयोग बन रहा है, जो इसे और अधिक खास बनाता है। ऐसे में इस दिन किए गए धार्मिक कार्य और उपाय शनि के अशुभ प्रभावों को कम करने में सहायक माने जाते हैं। मान्यता है कि इस अवसर पर प्रसन्न होकर शनिदेव अपने भक्तों को सुख-समृद्धि और कष्टों से मुक्ति का आशीर्वाद देते हैं।

# अखंड सौभाग्य पाने के लिए जाना जाता है वट सावित्री अमावस्या व्रत

**इस वर्ष वट सावित्री व्रत पर्व 16 मई सोमवार को मनाया जा रहा है। यह व्रत अखंड सौभाग्य पाने के लिए जाना जाता है। महिलाओं का वट सावित्री अमावस्या के दिन सावित्री ने यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राणों की रक्षा की थी। हिन्दू धर्म में वट सावित्री अमावस्या सौभाग्यवती स्त्रियों का महत्वपूर्ण पर्व है। इस व्रत को ज्येष्ठ कृष्ण त्रयोदशी से अमावस्या तक तथा ज्येष्ठ शुक्ल त्रयोदशी से पूर्णिमा तक करने का विधान है।**

मान्यता है कि वट सावित्री व्रत करने से पति दीर्घायु और परिवार में सुख शांति आती है। पुराणों के अनुसार वट वृक्ष में ब्रह्मा, विष्णु व महेश तीनों का वास है। इस व्रत में बरगद वृक्ष चारों ओर घूमकर सौभाग्यवती स्त्रियां रक्षा सूत्र बांधकर पति की लंबी आयु की कामना करती हैं। वट सावित्री व्रत में 'वट' और 'सावित्री' दोनों का खास महत्व माना गया है। पीपल की तरह ही वट या बरगद वृक्ष का भी विशेष महत्व है। इस व्रत को सभी प्रकार की स्त्रियां यानी कुमारी, विवाहिता, कुपुत्रा, सुपुत्रा, विधवा आदि करती हैं। इस व्रत को स्त्रियां अखंड सौभाग्यवती रहने की मंगलकामना से करती हैं। आजकल अमावस्या को ही इस व्रत का नियोजन होता है। इस दिन वट (बड़, बरगद) का पूजन होता है।

## वट सावित्री अमावस्या पूजा विधि

- वट सावित्री अमावस्या के दिन प्रातःकाल घर की सफाई कर नित्य कर्म से निवृत्त होकर स्नान करें।
- तत्पश्चात पवित्र जल का पूरे घर में छिड़काव करें।
- इसके बाद बांस की टोकरी में सप्त धान्य भरकर ब्रह्मा की मूर्ति की स्थापना करें।
- ब्रह्मा के वाम पार्श्व में सावित्री की मूर्ति स्थापित करें।
- इसी प्रकार दूसरी टोकरी में सत्यवान तथा सावित्री की मूर्तियों की स्थापना करें। इन टोकरियों को वटवृक्ष के नीचे ले जाकर रखें।
- इसके बाद ब्रह्मा तथा सावित्री का पूजन करें।
- अब निम्न श्लोक से सावित्री को अरघ्य दें-

अवैधव्यं च सौभाग्यं देहि त्वं मम सुव्रते।
पुत्रान्न पौत्राश्च सौख्यं च गृहाणारघ्यं नमोस्तुते।।

- तत्पश्चात सावित्री तथा सत्यवान की पूजा करके बड़ की जड़ में पानी दें।
- इसके बाद निम्न श्लोक से वटवृक्ष की प्रार्थना करें-

यथा शाखाप्रशाखाभिर्वृद्धोसि त्वं महीतले।
तथा पुत्रैश्च पौत्रैश्च सम्पन्न कुरु मा सदा।।

- पूजा में जल, मौली, रोली, कच्चा सूत, भिगोया हुआ चना, फूल तथा धूप का प्रयोग करें।
- जल से वटवृक्ष को सींचकर उसके तने के चारों ओर कच्चा धागा लपेटकर 3 बार परिक्रमा करें।
- बड़ के पत्तों के गहने पहनकर वट सावित्री की कथा सुनें।
- भीगे हुए चनों का बायना निकालकर, नकद रुपए रखकर सासूजी के चरण स्पर्श करें।
- यदि सास वहां न हो तो बायना बनाकर उन तक पहुंचाएं।
- वट तथा सावित्री की पूजा के पश्चात प्रतिदिन पान, सिन्दूर तथा कुमकुम से सौभाग्यवती स्त्री के पूजन का भी विधान है। यही सौभाग्य पिटारी के नाम से जानी जाती है। सौभाग्यवती स्त्रियों का भी पूजन होता है। कुछ महिलाएं केवल अमावस्या को एक दिन का ही व्रत रखती हैं।
- पूजा समाप्ति पर ब्राह्मणों को वस्त्र तथा फल आदि वस्तुएं बांस के पात्र में रखकर दान करें।
- अंत में निम्न संकल्प लेकर उपवास रखें

मम वैधव्यादिसकलदोषपरिहारार्थं ब्रह्मसावित्रीप्रीत्यर्थं सत्यवत्सावित्रीप्रीत्यर्थं च वटसावित्रीव्रतमहं करिष्ये।

- इस वट वृक्ष के नीचे सावित्री-सत्यवान की कथा को पढ़ने अथवा सुनने से मनोवांछित सुफल की प्राप्ति होती है।

## वट सावित्री अमावस्या पूजन सामग्री की आवश्यक सूची

वट सावित्री व्रत यानी वट सावित्री अमावस्या 16 मई को रखा जा रहा है। यह व्रत हर साल ज्येष्ठ माह की अमावस्या के दिन रखा जाता है। वट सावित्री व्रत करने से महिलाओं को अखंड सौभाग्य का आशीर्ष एवं संतान की प्राप्ति होती है। धार्मिक शास्त्रों के अनुसार वट सावित्री व्रत में पूजन सामग्री विशेष महत्व रखती है। इन सामग्रियों के बिना यह व्रत अधूरा रह जाता है। अतः पूजन करते समय इन चीजों का होना आवश्यक है

- सावित्री-सत्यवान की मूर्ति या तस्वीर
- कच्चा सूत • बांस का पंखा
- सुपारी • पान • नारियल
- लाल कपड़ा • सिंदूर
- दूर्बा घास • अक्षत
- सुहाग का सामान • नकद रुपए
- लाल कलावा • बरगद का फल,
- धूप • मिट्टी का दीपक • घी
- फल (आम, लीची और अन्य फल)
- फूल • बताशे • रोली (कुमकुम)
- कपड़ा 125 मीटर • इत्र,
- पुड़िया • भिगोया हुआ चना
- स्टील या कांसे की थाली • मिठाई
- जल से भरा कलश आदि

# शनि जयंती कब है

## महत्व और शनिदेव को प्रसन्न करने की विशेष पूजा विधि

इस साल शनि जयंती 16 मई के दिन है। शनि जयंती न्याय के देवता शनिदेव के जन्मोत्सव के रूप में मनाई जाती है। आप अगर शनिदेव की विशेष कृपा पाना चाहते हैं, तो आपको शनि जयंती पर शनि चालीसा का पाठ जरूर करना चाहिए।

इस साल शनि जयंती 16 मई के दिन है। हिन्दू पंचांग के अनुसार इस साल ज्येष्ठ माह की अमावस्या तिथि 16 मई को है और इस तारीख पर न्याय के देवता शनिदेव का जन्मदिवस मनाया जाएगा।

शनि जयंती शनिदेव की विशेष कृपा पाने के लिए सबसे शुभ दिन माना जाता है। शनि जयंती 16 मई को है, इसलिए आप किसी भी समय पर शनिदेव की पूजा कर सकते हैं। इससे शनिदेव की कृपा आप पर बनी रहती है लेकिन पौराणिक मान्यता है कि अगर सूर्य के ढलने के समय अगर शनिदेव की पूजा की जाए, तो शनिदेव की विशेष कृपा मिलती है। विशेषकर जो लोग शनि की साढ़ेसाती या शनि की ढैया से पीड़ित हैं, उन्हें शनि जयंती पर शनिदेव की पूजा जरूर करनी चाहिए।

### शनिदेव को प्रसन्न करने की पूजा विधि

शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए सुबह जल्दी उठकर स्नान कर लें। इसके बाद नीले या काले रंग के कपड़े पहन लें। शनि मंदिर जाकर सरसों के तेल में काले तिल डालकर शनिदेव को अर्पित करें। इसके बाद शनिदेव के सामने दीपक जलाकर उनकी कृपा पाने के लिए प्रार्थना करें। शनि चालीसा का पाठ करके शनिदेव को प्रसाद चढ़ाएं।

### शनिदेव की कृपा पाने के लिए इन बातों का रखें ध्यान

- शनिदेव की कृपा पाने के लिए याद रखें कि शनिदेव को न्याय का देवता माना जाता है, इसलिए कभी भी बुरे कर्म ना करें या इसे समर्थन ना दें।
- शनिदेव को लाल रंग के फूलों की जगह नीले रंग के फूल अर्पित करें।
- शनि जयंती पर पीपल की जड़ में पानी और कच्चा दूध मिलाकर चढ़ाने से भी आपकी कुंडली से शनि का नकारात्मक प्रभाव कम होता है।

### शनि अमावस्या पर पढ़ें शनिदेव के 10 प्रिय नाम

पुराणों के अनुसार महर्षि पिप्पाद ने शनिदेव की संतुष्टि के लिए उनके 10 नामों की रचना की है। जनमानस में यह बात मानी जाती है कि शनि का जिक्र होते ही व्यक्ति के मन में भय व शंका का भाव आता है। जबकि सच यह है कि शनि ग्रह थोड़ी-सी स्तुति से तुरंत प्रसन्न हो जाते हैं। अगर आप शनिदेव के इन नामों का उच्चारण प्रतिदिन प्रातःकाल में स्नान करके करते हैं तो वह व्यक्ति शनि की प्रतिकूलता, साढ़ेसाती, ढैया आदि किसी भी प्रकार का कष्ट दूर होकर शनि कृपा होती है। अगर आप शनिश्चरी अमावस्या पर शनि के इन 10 नामों का उच्चारण निरंतर करते हैं तो यह सोने पे सुहागा वाली बात होगी यानी कि शनिदेव प्रसन्न होकर अपनी कृपा बरसाएंगे।

### शनिदेव के 10 नाम

नमस्ते कोण संस्थाय पिंगलाय नमोस्तुते।
नमस्ते बभ्रुरुपाय कृष्णाय नमोस्तुते।
नमस्ते रौद्रदेहाय नमस्ते चांतकायव।
नमस्ते यमसंज्ञाय नमस्ते सौरये विभो।
नमस्ते मंदसंज्ञाय शनैश्चर नमोस्तुते।
प्रसादं कुरू देवेश दीनस्य प्रणतस्य च।

### कर्म को सुधारें

सबसे जरूरी बात है कर्म को सुधारना। मतलब यह कि आप जुआ-सट्टा खेलना, शराब पीना, ब्याज का धंधा करना, किसी महिला के प्रति बुरी नजर रखना, निर्दोष पशु या पक्षी को सताना, धर्म का मजाक उड़ाना, छुआछूत या ऊंच नीच की भावना रखना, परिवार और रिश्तों का सम्मान नहीं करना, गाली बकते रहना आदि कार्य करना छोड़ दें।

हिन्दू धर्म संस्कृति में 'वट सावित्री अमावस्या एवं पूर्णिमा' का व्रत आदर्श नारीत्व का प्रतीक बन चुका है। वट पूजा से जुड़े धार्मिक, वैज्ञानिक और व्यावहारिक पहलू में 'वट' और 'सावित्री' दोनों का विशिष्ट महत्व माना गया है। अमावस्या और पूर्णिमा के दिन मनाया जाने वाला यह व्रत सौभाग्य और संतान प्राप्ति में सहायता देने वाला माना गया है। आइए जानते है सुख-समृद्धि और अखंड सौभाग्य देने वाले वट वृक्ष की विशेषताए

# अखंड सौभाग्य का वरदान देता है वट वृक्ष

- पुराणों में यह स्पष्ट किया गया है कि वट में ब्रह्मा, विष्णु व महेश तीनों का वास है।
- प्राचीनकाल में मानव ईंधन और आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के लिए लकड़ियों पर निर्भर रहता था, किंतु बारिश का मौसम पेड़-पौधों के फलने-फूलने के लिए सबसे अच्छा समय होता है। साथ ही अनेक प्रकार के जहरीले जीव-जंतु भी जंगल में घूमते हैं। इसलिए मानव जीवन की रक्षा और वर्षाकाल में वृक्षों को कटाई से बचाने के लिए ऐसे व्रत विधान धर्म के साथ जोड़े गए, ताकि वृक्ष भी फलें-फूलें और उनसे जुड़ी जरूरतों की अधिक समय तक पूर्ति होती रहे।
- वट वृक्ष ज्ञान व निर्माण का प्रतीक है।
- भगवान बुद्ध को इसी वृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त हुआ था।
- वट एक विशाल वृक्ष होता है, जो पर्यावरण की दृष्टि से एक प्रमुख वृक्ष है, क्योंकि इस वृक्ष पर अनेक जीवों और पक्षियों का जीवन निर्भर रहता है।
- इसकी हवा को शुद्ध करने और मानव की आवश्यकताओं की पूर्ति में भी भूमिका होती है।
- दार्शनिक दृष्टि से देखें तो वट वृक्ष दीर्घायु व अमरत्व के बोध के नाते भी स्वीकार किया जाता है।
- वट सावित्री में स्त्रियों द्वारा वट यानी बरगद की पूजा की जाती है।
- इसके नीचे बैठकर पूजन, व्रत कथा आदि सुनने से मनोकामना पूरी होती है।
- वट वृक्ष का पूजन और सावित्री-सत्यवान की कथा का स्मरण करने के विधान के कारण ही यह व्रत वट सावित्री के नाम से प्रसिद्ध हुआ।
- धार्मिक मान्यता है कि वट वृक्ष की पूजा लंबी आयु, सुख-समृद्धि और अखंड सौभाग्य देने के साथ ही हर तरह के कलह और संताप मिटाने वाली होती है।
- वट पूजा से जुड़े धार्मिक, वैज्ञानिक और व्यावहारिक पहलू हैं। यह एक बहुवर्षीय विशाल वृक्ष है, जिसे बरगद, 'वट' और 'बड़' भी कहते हैं। इस व्रत के व्यावहारिक और वैज्ञानिक पहलू पर गौर करें तो इस व्रत की सार्थकता दिखाई देती है। आज भी यह व्रत परंपरा के अनुसार मनाया जाता है।

## कब रखा जाएगा वट सावित्री का व्रत, क्या है पूजा का मुहूर्त और महत्व

वट सावित्री व्रत हिंदू महिलाओं के लिए बेहद खास होता है। इस दिन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखती हैं और दिर्घायु की कामना करती है, ताकि उनका सुहाग लंबे समय तक बना रहे। यही वह दिन होता है जब वो वट वृक्ष की पूजा करती हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन सावित्री ने यमराज से सत्यवान के प्राण वापस मांगे थे।

### कब है वट सावित्री व्रत?

हिंदू पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ माह की अमावस्या तिथि को वट सावित्री मनाया जाता है। इस बार यह तिथि 16 मई को पड़ रही है। इसकी शुरूआत सुबह 5 बजकर 11 मिनट पर लगेगी और रात 1 बजकर 32 मिनट पर खत्म हो जाएगी। यानी वट सावित्री का व्रत 16 मई को रखा जाएगा। आप भी इसी तिथि पर वट सावित्री व्रत को रख सकती हैं और अपने पति की लंबी आयु की कामना कर सकती हैं।

### वट सावित्री व्रत के शुभ मुहूर्त

वट सावित्री व्रत इस बार शनिवार के दिन पड़ रहा है। इस दिन शनि अमावस्या का भी खास संयोग बन रहा है। इसलिए इसका शुभ समय अभिजित मुहूर्त रहेगा। महिलाएं सुबह 11 बजकर 51 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 45 मिनट तक रहेगा। इस शुभ मुहूर्त में वट सावित्री की पूजा हो सकती है।

### वट सावित्री व्रत का क्या है महत्व?

हिंदू धर्म में वट सावित्री व्रत का विशेष महत्व है, जिसे सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु और सुखद वैवाहिक जीवन की कामना के लिए रखती हैं। यह व्रत पौराणिक कथा के अनुसार माता सावित्री के त्याग और अटूट पतिव्रत धर्म का प्रतीक है, जिन्होंने अपने दृढ़ संकल्प से यमराज को पराजित कर अपने पति सत्यवान के प्राण वापस पा लिए थे। इस दिन वट वृक्ष की पूजा की जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, बरगद के पेड़ में ब्रह्मा, विष्णु और महेश का वास होता है, जिसकी सेवा से अखंड सौभाग्य का वरदान मिलता है।